डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹71900 10 ग्राम

₹91000 01 किलो

सेंसेक्स 78,699.07 +226.59

डॉलर 85.388 +0.112

ईश्वर में हमारा विश्वास

# राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पौष कृष्ण पक्ष 14, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), रविवार, 29 दिसंबर 2024, वर्ष-31, अंक-75, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-12 जब तक सूरज चांद रहेगा मनमोहन...

## एक नजर

### अंग्रेजी नववर्ष में छाया रहेगा कोहरा, ठंड का रहेगा असर

**रांची।** झारखंड में अंग्रेजी नववर्ष में कोहरा छाया रहेगा। कोहरा का असर तीन जनवरी तक छाया रहेगा। धीरे-धीरे मौसम साफ होगा। जबकि 29 दिसंबर को राजधानी सहित झारखंड के कई जिलों में बारिश का अनुमान है। इससे ठंड बढ़ेगी। मौसम केंद्र रांची के अनुसार झारखंड में पश्चिमी विक्षोभ का असर होगा, जिससे बारिश होगी। साथ ही 29 दिसंबर को बारिश के बाद से कोहरा छाया रहेगा। बादल के हटते ही राज्य में कनकनी बढ़ेगी। मौसम विभा के अनुसार पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में डाल्टेनगंज का अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस संबंध में रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शनिवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेंटीग्रेड धनबाद में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 30.5 डिग्री सेंटीग्रेड सरायकेला में रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं कहीं पर कोहरा भी दर्ज किया गया। मौसम शुष्क रहा।

### बीएड फर्स्ट सेमेस्टर परीक्षा का रिजल्ट अधर में लटका

**मेदिनीनगर।** नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर पलामू में पढ़ने वाले विद्यार्थी आए दिन परेशान रहते हैं, कभी विभाग बंद रहता है, तो कभी विश्वविद्यालय में अधिकारी नदारद रहते हैं। बताते चले कि विगत कुछ महीने पहले ही बीएड फर्स्ट सेमेस्टर और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा साथ में हुई थी, जबकि विश्वविद्यालय द्वारा बीएड तृतीय सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाता हैं। परंतु काफी बिलंब सत्र की मार झेल रहे हैं बीएड फर्स्ट सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम अभी तक जारी नहीं कर सका है विश्विद्यालय, जबकि एनपीयू विश्वविद्यालय ने बीएड चर्तुथ सेमेस्टर का फॉर्म भराने की तिथि घोषित कर चुकी है।

## आज | कल

# पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, बेटी ने दी मुखाग्नि

**अंतिम संस्कार के समय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित कई लोग उपस्थित थे**

**भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक, मॉरीशस के विदेशमंत्री धनंजय रामफुल भी पहुंचे**

नवीन मेल संवाददाता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के निगम बोध घाट पर राजकीय, पूर्ण सैन्य सम्मान और सिख परंपरा के साथ अंतिम संस्कार किया गया। डॉ. सिंह की सबसे बड़ी पुत्री उपिंदर कौर ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई और सिख धर्मगुरुओं और परिवार के सदस्यों ने गुरबाणी का पाठ किया। निगम बोध घाट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक, मॉरीशस के विदेशमंत्री धनंजय रामफुल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ सीडीएस जनरल अनिल चौहान भी मौजूद रहे। कई केंद्रीय मंत्री, राजनयिक और अन्य गण्यमान्य लोग भी अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे। सभी ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। सिंह के अंतिम संस्कार समारोह में हिस्सा लेने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल,कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कई पूर्व केंद्रीयमंत्री भी निगम बोध घाट पहुंचे। इससे पहले कांग्रेस मुख्यालय 24 अकबर रोड, नई दिल्ली से निगमबोध घाट तक उनकी अंतिम यात्रा निकली। कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर फूलों से सजे वाहन पर रखा गया। उसके साथ चल रहे लोगों ने कांग्रेस मुख्यालय से निकलने पर रास्ते में 'मनमोहन सिंह अमर रहें' के नारे लगाए। इस दौरान 'जब तक सूरज चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा' के नारे भी गूंजे। सिंह के पार्थिव शरीर को शनिवार सुबह 9 बजे से कुछ पहले 3, मोतीलाल नेहरू रोड स्थित उनके आवास से एआईसीसी मुख्यालय लाया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उम्र संबंधी चिकित्सा जटिलताओं के कारण 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उन्हें भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार कहा जाता है। सिंह ने 2004 से 2014 के बीच 10 वर्ष तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में पूरे देश में सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक मनाया जा रहा है। इस दौरान पूरे देश में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

# एमएमसीएच की अव्यवस्था देख भड़के राज्य के वित्त मंत्री

**मरीजों से बातचीत कर अस्पताल की व्यवस्था का लिया जायजा**

नवीन मेल संवाददाता

**मेदिनीनगर।** राज्य सरकार के वित्त और संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने शनिवार को पलामू प्रमंडलीय मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, जिसमें कई गड़बड़ियां मिलीं। इस पर मंत्री ने नाराजगी जताई और सुधार का निर्देश दिया। वित्त मंत्री ने करीब एक घंटे तक पूरे अस्पताल परिसर का घूम-घूम कर जायजा लिया। वहीं मरीजों से अस्पताल की व्यवस्था पर बातचीत की। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर एमआरएमसीएच की व्यवस्था देखने के लिए अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में उन्होंने सबसे पहले डॉक्टरों की उपस्थिति जांची। डॉक्टर इंचार्ज शेष पेज 11 पर

### आयुष्मान भारत के तहत नहीं हो रहा मरीजों का इलाज

ऑर्थो विभाग में जांच के दौरान पाया गया कि आयुष्मान कार्ड से इलाज कराने आई बारालोटा की महिला सविता देवी को मोबाइल नंबर देकर निजी दवा दुकान से ऑपरेशन का समान खरीदने को कहा गया। इसी तरह पोखरीकला के एक मरीज को भी बाहर से ऑपरेशन का सामान खरीदने के लिए कहा गया था। पूरे मामले की जानकारी लेने के बाद वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि एमएमसीएच प्रमंडलीय अस्पताल है। कई सुविधाएं मरीजों के हित में झारखंड सरकार ने मुहैया कराई हैं लेकिन इसका अनुपालन नहीं कराया जा रहा है। अस्पताल की व्यवस्था देखने व जबावदेही लेने वाला कोई नजर नहीं आया। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के पक्षधर हैं लेकिन जमीनी कार्य करने वाले डॉक्टर और कर्मी प्रॉपर सहयोग नहीं कर रहे हैं। इस वजह से मरीजों को इसका लाभ शेष पेज 11 पर

# छह मेगावाट के फ्लोटिंग पावर से बिजली उत्पादन में अग्रणी बनेगा कोडरमा पावर प्लांट

**तिलैया डैम में 155 मेगावाट फ्लोटिंग पावर प्लांट स्थापित करने के लिए एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी गई है**

नवीन मेल संवाददाता

सांकेतिक फोटो

**कोडरमा (एजेंसी)।** झारखंड में बिजली उत्पादन बढ़ाने में भारत सरकार के स्वामित्व वाला कोडरमा थर्मल पावर प्लांट अहम भूमिका निभा रहा है। इस प्लांट के जरिए सरकार बिजली उत्पादन के क्षेत्र में और रिन्यूएबल एनर्जी के तेजी से विकास की ओर कदम बढ़ा रही है।

इस पावर प्लांट में 6 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग पावर प्लांट स्थापित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में बिजली उत्पादन को बढ़ाने में बहुत मदद मिलेगी। साथ ही प्लांट में पहले से ही स्थापित सोलर पैनल से 10 मेगावाट बिजली का उत्पादन सुचारू रूप से हो रहा है। इसके अलावा बिजली उत्पादन को और गति देने के लिए तिलैया डैम में 155 मेगावाट फ्लोटिंग पावर प्लांट स्थापित करने के लिए निर्माण एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस कदम से रिन्यूएबल एनर्जी का योगदान बढ़ेगा और कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के 1600 मेगावाट एक्सटेंशन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। आने वाले समय में, यह प्लांट डीवीसी (दामोदर वैली कॉरपोरेशन) के सबसे बड़े बिजली उत्पादन केंद्रों में से एक बन जाएगा।

प्लांट के भीतर दो पौंड में लगभग 24 एकड़ क्षेत्र में फ्लोटिंग पावर प्लांट के लिए सोलर प्लेट लगाए जा रहे हैं। कुछ समय बाद, कोडरमा में सौर ऊर्जा से 171 मेगावाट बिजली उत्पादित की जाएगी। यह कदम राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डीवीसी और एनटीपीसी के प्रयासों से तिलैया डैम को ग्रीन वैली के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां फ्लोटिंग पावर प्लांट के जरिए बिजली उत्पादन से राज्य को और भी ऊर्जा सुरक्षा मिलेगी।

प्लांट के एचओपी मनोज ठाकुर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'कोडरमा में 10 मेगावाट का सोलर प्लांट पहले ही स्थापित किया जा चुका है और 6 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट अब हमारे रिजर्वायर में लगाया जा रहा है, जो दिसंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा या उसका कमीशनिंग शुरू हो जाएगा। हम जनवरी तक इसका कमीशनिंग पूरा कर लेंगे। इसके अलावा, हम 155 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर प्लांट का ऑर्डर भी ग्रीन वैली शेष पेज 11 पर

# जो कहा, उसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया : मुख्यमंत्री

**हर मंईयां के खाते में हर माह 2500 रुपये दिये जा रहे है**

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंईयां सम्मान योजना को लेकर कहा कि जो बोला, उसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण मंईयां सम्मान का आज का कार्यक्रम टाल दिया गया है लेकिन मैंने जो वादा राज्य की महान जनता से किया था, उसे पूरा कर रहा हूं। हर मंईयां के खाते में हर माह 2500 रुपये दिये जा रहे हैं। साल में पूरे 30 हजार रुपये मिलेंगे।

# एसडीओ की पत्नी की इलाज के दौरान मौत

**ससुराल वालों ने लगाया जलाकर मारने का आरोप**

नवीन मेल संवाददाता

**हजारीबाग।** हजारीबाग सदर एसडीओ अशोक कुमार की पत्नी अनिता कुमारी की मौत शनिवार अहले सुबह रांची के देवकमल अस्पताल में हो गई। अस्पताल प्रबंधन ने मौत की पुष्टि की है। ससुराल वालों ने एसडीओ अशोक कुमार पर अनिता को जलाकर मार देने के आरोप में लोहसिंघना थाने में केस दर्ज कराया है। पीड़िता का भाई राजू कुमार गुप्ता की लिखित शिकायत पर दर्ज एफआईआर में एसडीओ के अलावा उनके पिता दुर्योधन साव, छोटा भाई शिवनंदन कुमार और छोटे भाई की पत्नी रिंकू देवी को आरोपी बनाया है। एफआईआर में राजू कुमार ने कहा कि बहन बार-बार कहती थी कि उसके पति का दूसरी महिला से अवैध संबंध है। इस बात पर दोनों के बीच विवाद होता था। इस मामले में एक बार दोनों परिवारों के बीच बातचीत भी हुई थी। तब एसडीओ ने कहा था कि आगे शिकायत करने का मौका नहीं मिलेगा। इसके बाद फिर पति-पत्नी में विवाद हुआ। हमलोग आए तो एसडीओ ने कहा था कि जहां जाना है जाओ, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। मैं अनुमंडल पदाधिकारी हूं। तुम सबको बर्बाद कर दूंगा। ऐसी ही धमकी एसडीओ के पिता, छोटे भाई और उसकी पत्नी ने भी दी शेष पेज 11 पर

# 1 जनवरी को बाबा का शीघ्र दर्शन होगा महंगा, कूपन के दर में बढ़ोतरी

**300 रुपए की जगह 600 रुपए देने होंगे**

नवीन मेल संवाददाता

**देवघर।** नए साल के पहले दिन देवघर के बाबा मंदिर में आने वाले वैसे श्रद्धालु जो शीघ्र दर्शनम करना चाहेंगे, उन्हें 300 रुपए की जगह 600 रुपए देने होंगे। इसको लेकर देवघर के उपायुक्त विशाल सागर ने बैठक कर मंदिर प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। नए साल पर कई ऐसे लोग हैं जो पिकनिक स्पॉट नहीं जाकर मंदिर में भगवान भोलेनाथ का दर्शन करना पसंद करते हैं। इसलिए एक जनवरी को वैसे श्रद्धालुओं शेष पेज 11 पर

## इंडिया

# प्रकृति दे रही है चेतावनी नए साल में संभलने का लें संकल्प

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

मौसम और जलवायु में अप्रत्याशित परिवर्तन भारत के साथ दुनिया के लिए एक चेतावनी है। पूरी दुनिया में हर कोई रोटी कपड़ा और मकान के बाद सुख सुविधाओं की ओर भागता है और इस दौड़ में सबसे कम चिंता पर्यावरण की रह जाती है जबकि सारी सुविधाओं के बिना तो हम रह सकते हैं पर जीवन के लिए आवश्यक प्राण वायु और स्वच्छ वातावरण न हो जीवन संकट में आ जाए । भारत जैसे विकासशील देश में भी विकसित देशों जैसी समस्या बहुत जल्द आने वाली है जिसकी आहट मिल रही है समय की मांग है इसपर चिंता और चिंतन की। धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं के अधिक संकटग्रस्त होने के बीच हाल ही में वैज्ञानिकों ने नई चेतावनी जारी की है। इसे डूमस्डे क्लाक चेतावनी कहा जा रहा है। विश्व में 'डूमस्डे क्लॉक' अपनी तरह की एक प्रतीकात्मक घड़ी है, जिसकी सुइयों की स्थिति के माध्यम से यह दशार्ने का प्रयास किया जाता है कि विश्व किसी बहुत बड़े संकट की आशंका के कितने नजदीक है। इस घड़ी का संचालन 'बुलेटिन ऑफ एटोमिक साइंटिस्ट्स' नामक वैज्ञानिक संस्थान द्वारा किया जाता है। इसके परामर्शदाताओं में 15 नोबेल पुरस्कार विजेता भी हैं। ये सभी मिलकर प्रति वर्ष तय करते हैं कि इस वर्ष घड़ी की सुइयों को कहां रखा जाए। इस घड़ी में रात के 12 बजे को धरती पर बहुत बड़े संकट का पर्याय माना गया है। घडी की सुइयां रात के 12 बजे के जितने नजदीक रखी जाएगी, उतने ही बड़े संकट से धरती (व उसके लोगों व जीवों) के संकट की स्थिति मानी जाएगी। 2024 में इन सूइयों को (रात के) 12 बजने में 90 सेकंड पर रखा गया था। संकट के प्रतीक 12 बजे के समय से इन सुइयों की इतनी नजदीकी 2023-24 के अतिरिक्त कभी नहीं रही। दूसरे शब्दों में, यह घड़ी दर्शा रही है कि इस समय धरती किसी बहुत बड़े संकट के सबसे करीब है। 'डूमस्डे घड़ी' के वार्षिक प्रतिवेदन में इस स्थिति के तीन कारण बताए गए थे। पहली वजह यह है कि जलवायु बदलाव का संकट बढ़ रहा है। जलवायु बदलाव नियंत्रित करने की संभावनाएं समग्र रूप से धूमिल हुई हैं। दूसरी वजह यह है कि परमाणु हथियार नियंत्रित करने के समझौते कमजोर हुए हैं, जिससे परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ा है। तीसरी वजह यह है कि ए.आई. (आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस) व

जेनेटिक इंजीनियरिंग का बहुत दुरुपयोग हो रहा है, जिसका सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इन तीन कारणों के मिले-जुले असर से आज विश्व बहुत बड़े संकट की आशंका की दहलीज पर पहुंच चुका है। और इस संकट को कम करने के लिए तुरंत कदम उठाना जरूरी है। सवाल यह है कि क्या 'डूमस्डे घड़ी' के इस अति महत्वपूर्ण संदेश को विश्व नेतृत्व समय रहते समझेगा? हाल के वर्षों में यह निरंतर स्पष्ट होता रहा है कि अब तो धरती की जीवनदायिनी क्षमता ही खतरे में है। जिन कारणों से हजारों वर्षों तक धरती पर विविधतापूर्ण जीवन पनप सका, वे आधार ही संकटग्रस्त हो चुके हैं। इन अति गंभीर समस्याओं के समाधान को सर्वाधिक महत्व पूरे विश्व में मिले, इसे ध्यान में रखते हुए 'धरती रक्षा अभियान' (सेव द अर्थ कैंपेन) आरंभ किया गया है। इस अभियान का व्यापक उद्देश्य धरती की जीवनदायिनी क्षमता की रक्षा करना है। इसके दो विशिष्ट उद्देश्य हैं-पहला, धरती से सभी परमाणु हथियार व महाविनाशक हथियार समाप्त हों व दूसरे, धरती पर तापमान वृद्धि को तय मानक तक सीमित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। इस अभियान का प्रथम प्रयास यह है कि मौजूदा दशक (2020-30) को वैश्विक स्तर पर 'धरती रक्षा दशक' के रूप में घोषित किया जाए। एक बड़ा सवाल हमारे सामने है कि आखिर इन गंभीर संकटों को समय रहते कैसे कम किया जाए। समय सीमा का सवाल इस कारण भी बहुत बड़ा है, क्योंकि जलवायु बदलाव के साथ टिपिंग पॉइंट भी जुड़े हैं। एक बार यह सीमा पार हो गई, तो फिर स्थितियां नियंत्रण से बाहर निकल सकती हैं। विश्व के शीर्ष विशेषज्ञ बता रहे हैं कि इस समस्या के समाधान के लिए हमारे पास बस एक दशक बचा है।एक बड़ी जरूरत इस बात की है कि धरती के जीवन पर मंडरा रहे अभूतपूर्व संकट की समझ अधिक लोगों तक पहुंचे। यह समझ सही परिप्रेक्ष्य में अधिक लोगों तक पहुंचेगी, तभी लोग अधिक संख्या में आगे आएंगे। इस समय इन मुद्दों की गंभीरता की जानकारी रखने वाले लोगों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। इन मुद्दों को न्याय व लोकतंत्र के मुद्दों से जोड़कर व्यापक समझ बनानेवाले लोगों की संख्या तो और भी कम है। ऐसी समझ बनाकर हमें धरती की रक्षा की वह राह निकालनी है, जो समता व सादगी, न्याय व लोकतंत्र की राह है। इस समय संकट और समाधान की सही समझ को अधिक लोगों तक पहुंचाना और उन्हें समाधान के प्रयासों से जोड़ना एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

# डॉ. भारती कश्यप को मिला आईएमए नेशनल प्रेसिडेंट्स एप्रीसिएशन अवार्ड

**डॉ. बीपी कश्यप को एमजी गर्ग अवार्ड से सम्मानित किया गया**

**उत्कृष्ट समाजिक कार्य के लिए मिला यह अवार्ड**

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** समाजसेवा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट काम करने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने झारखंड की डॉ भारती कश्यप को आईएमए नेशनल प्रेसिडेंटस बेस्ट सोशल एक्टिविटी एप्रीसिएशन अवार्ड से सम्मानित किया है। उनके साथ डॉ. बीपी कश्यप को एमजी गर्ग अवार्ड से सम्मानित किया गया है। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कश्यप दंपती को हैदराबाद के गच्चीबौली के इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया के सेंटेनरी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित वार्षिक कॉन्फ्रेंस नेटकॉन में सम्मानित किया गया।

**आदिवासी महिलाओं के लिए मेगा महिला स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान :** झारखंड से सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के लिए डॉ भारती कश्यप वर्ष 2014 से झारखंड के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में मेगा महिला स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान चला रहीं हैं। इसका उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर की जांच और उपचार करना है। इस अभियान के तहत झारखंड मॉडल से प्रजनन आयु वर्ग की कुल 4,44,301 महिलाओं शेष पेज 11 पर

# नये साल में सीआइसी रेलखंड को मिलेगी बड़ी उपलब्धि

## भीमचूल्हा के समीप थर्ड रेलवे टनल निर्माण का काम तेज

**नवीन मेल संवाददाता**

**मोहम्मदगंज।** ऐतिहासिक भीमचूल्हा के समीप थर्ड रेलवे को लेकर टनल निर्माण का काम केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन के निरीक्षण के बाद तेज हो गया है। कार्यस्थल पर बताया गया कि इसके निर्माण कार्य को फरवरी में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है। जैसा कि केंद्रीय मंत्री को भी इस काम में लगी एजेंसी हिमालया कंस्ट्रक्शन कंपनी ने बताया है। निर्माण के बाद इसकी लंबाई कुल मिलाकर 160 मीटर की होगी। इसके निर्माण का 90 फीसदी काम पूरा कर लिया गया है। इसका निर्माण बोगदा नामक पहाड़ के विशालकाय शिला की खुदाई कर किया गया है। जिसको अंतिम रूप देने का काम किया जा रहा है। इसके निर्माण के साथ थर्ड रेलवे टनल के रूप में सीआइसी रेलखंड को नये साल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल होगी। इसका निर्माण कार्य पूरा नहीं होने से ही थर्ड रेल लाइन पर निर्बाध रूप से कोयले की ढुलाई संभव नहीं हो सका है। थर्ड लाइन विस्तारीकरण सोननगर-पतरातू रेल कोरिडोर के तहत किया जा रहा है। बताया जाता है कि इसकी आधारशिला सोननगर में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने यूपीए टू के प्रधानमंत्रित्व काल में रखी गई थी।

### पर्यटकों का आकर्षण केंद्र बनेगा

ऐतिहासिक भीमचूल्हा के पर्यटक स्थल के रूप में विकासशील रहने के पहले से ही पास के रेलवे टनल लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रहा हैं। जानकर बताते हैं कि पहली बार अंग्रेजों के जमाने में डालमिया फैक्ट्री को लेकर एकल रेल लाइन छिपादोहर तक बिछाया गया था। जहां से और आसपास के जंगलों से कागज उत्पादन के लिए बांस और सलई के बोटे और राजहरा से विश्व प्रसिद्ध कोयले और जपला से सीमेंट की ढुलाई की जाती थी। बाद में दूसरी रेल लाइन का विस्तार करने के बाद पतरातू एरिया की कोलियरियों से कोयला और जमशेदपुर से इस्पात के वस्तुओं की ढुलाई तेज हो गई थी। एक प्रकार से देखा जाए, तो भीमचूल्हा के पास से ही झारखंड की भौगोलिक और प्राकृतिक रूप सामने आया है। इस जगह पर पहाड़ों की बाधा को हटाकर रेल मार्ग का विस्तार किया गया है। इसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं है कि भीमचूल्हा के समीप के रेलवे सुरंग झारखंड में प्रवेश और निकास का द्वार है, जो पर्यटकों के आकर्षण का भी केंद्र हैं। सीआइसी रेल सेक्शन में तीन सुरंगों वाली यह पहली जगह भी है।

### भीम टनल नामकरण की मांग

**मोहम्मदगंज** विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक नेताओं ने पर्यटक स्थल भीमचूल्हा के समीप के रेलवे सुरंगों का नामकरण भीम टनल करने को लेकर भी डॉ. एल मुरुगण, केंद्रीय सूचना, प्रसारण संसदीय कार्य राज्य मंत्री को उनके यहां आगमन पर उन्हें ज्ञापन सौंपकर की है। इसमें बताया गया है कि पूर्व मध्य रेल के डीडीयू मंडल अंतर्गत मोहम्मदगंज-सतबहिनी स्टेशनों के बीच निर्मित तीन सुरंगों के ऐतिहासिक पर्यटक केंद्र भीम चूल्हा, जो महाभारत काल में पांडवों के अज्ञातवास के इतिहास से जुड़ा है, उसके पास के बोगदा पहाड़ी से संलग्न हैं।आम लोगों के बीच भी वे भीम टनल के नाम से ही प्रचलित हैं। इसे देखते हुए तीनों का भीम टनल संख्या 1, 2 और 3 में वर्गीकृत कर उनका नामकरण सुनिश्चित कराने की दिशा में कदम उठाया जाए। इसकी मांग करने में युवा समाजसेवी अश्विनी कुमार सिंह, धीरेंद्र बैठा, सुशील कुमार मेहता, रौशन कुमार, सिद्धार्थ कुमार, राकेश कुमार सिंह, अनुज कुमार, शुभम कुमार सिंह, नगीना सिंह उपप्रमुख, नीरज कुमार सिंह भाजपा मंडल अध्यक्ष, राहुल सिंह चेयरमैन, कांग्रेस सहकारिता विभाग और रामजन्म राम वरिष्ठ कांग्रेसी सहित अन्य कई लोगों के नाम शामिल हैं।

# मनमोहन सिंह के सामाजिक समानता के कामों को भुलाया नहीं जा सकता: राधाकृष्ण किशोर

**नवीन मेल संवाददाता**

**छतरपुर।** छतरपुर के देवगन मोड़ के समीप स्वागत होटल में छतरपुर राजद के कार्यकर्ताओं न शोकसभा कर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर मृतक की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि भारत के लोकप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने सामाजिक समानता के लिए जो काम किया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। देश के लिए कई योजना चला कर देश को आगे बढ़ाया था। वह बोलते कम थे, लेकिन काम अधिक करते थे। वर्तमन समय में प्रधनमंत्री बोलते अधिक है काम कम करते हैं। विश्रामपुर विधयाक नरेश प्रसाद सिंह,हुसैनाबाद के विधायक संजय सिंह यादव ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के जीवनी और देश के कई योजनाओं पर प्रकाश डाला। शोमसभा में सैकड़ो की संख्या में राजद व कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल थे। मौके पर डॉ. विनय कुमार, प्रशांत किशोर, लक्ष्मण कुमार, नौखेज, गुड्डू अंसारी, रवि यादव, जिला अध्यक्ष धंनजय पासवान,सरताज खान, मोहन जायसवाल, खालिद राजा, कलाम खा, कैलास यादव,याद अली, विकास यादव, हैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष सुदेश्वर, कुर्बान अंसारी, राजेन्द्र यादव, बसंत यादव, मानकी चंद्रवंशी, बसंत चन्द्रवंशी मौजूद थे। मंच संचालन राजद के प्रदेश महासचिव फैजुलहक राशिद ने किया।

### वित्त मंत्री को क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया

**उंटारी रोड।** 20 सूत्री अध्यक्ष और समाज सेवियों व जनप्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से शिष्टाचार मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान पांडू, उंटारी रोड और क्षेत्र की विकास कार्यों पर चर्चा की। उंटारी रोड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक सिंह ने बताया कि वित्त मंत्री से मुलाकात कर प्रखंड और क्षेत्रीय समस्याओं को रखा। विकास कार्यों पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने सभी समस्याओं को सुना और उसके निदान का अश्वासन दिया। मौके पर रामचंद्र दीक्षित, अध्यक्ष सुनील पांडेय, समाजसेवी कृष्णा पाल, उमा तिवारी उपस्थित थे।

# पूर्व मंत्री ने किया दीक्षांत हॉस्पीटल का उद्घाटन

**नवीन मेल संवाददाता**

**हुसैनाबाद ।** शहर के हैदरनगर रोड स्थित दाता साहेब के सामने दीक्षांत हॉस्पिटल का उद्घाटन एकीकृत बिहार झारखड़ के पूर्व खनन मंत्री लक्ष्मण राम ने फीता काटकर किया। मौके पर लक्ष्मण राम ने कहा कि ऐसे हॉस्पीटल की आवश्यकता शहर को लंबे समय से थी, क्योंकि किसी भी मेडिकल इमरजेंसी में मरीजों को मेदिनीनगर या डेहरी जाना पड़ता था। ऐसे हालात में लोगों को ज्यादा पैसा और समय भी लगता था। दीक्षांत हॉस्पिटल के खुल जाने से आम नागरिकों को सहूलियत होगी। मौके पर अस्पताल के डॉ. देशराज गहलोत ने कहा कि सेवा ही हमारा लक्ष्य के उद्देश्य से इस हॉस्पीटल को खोला गया है। मौके पर समाज सेवी दिनेश पासवान, सत्यम पटेल, लालन पासवान, जीएनएम कविता कुमारी, शोभा कुमारी, संगीता कुमारी, विकास कुमार ,जीएनएम ज्योति कुमारी, डायरेक्टर मुकेश कुमार एवं काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

# रिमझिम बारिश से फसलों पर लाही कीड़े के प्रभाव कम होने का आसार बढ़ा

**नवीन मेल संवाददाता**

**मोहम्मदगंज।** पूवार्नुमान के अनुसार शनिवार की शाम थोड़ी देर तक रिमझिम बारिश होने से फसलों पर लाही कीड़े के प्रभाव के कम पड़ने का आसार बढ गया है। इससे पहले तक बादलों की साया की वजह से कम पड़ने की स्थिति के बीच इतनी ही बारिश से ठंड का एहसास बढ गया बताया जाने लगा है। बारिश को ठंड बढने का कारण तो बताया गया मगर इसे रबी फसलों के लिए फायदेमंद भी बताया गया।

# पुराने एलटी तारों और खंभों को हटाकर नया करने का काम तेज

**नवीन मेल संवाददाता**

**मोहम्मदगंज।** पुराने एलटी तार को हटाकर नए खंभों पर नए केबल लगाने का कार्य तेज हो गया है। बताया गया कि इससे निर्विघ्न और निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही इसकी चोरी पर अंकुश लगाने में सफलता मिलेगी। इससे तार टूट कर गिरने से होने वाले हादसों की संभावना नहीं रहेगी। इस काम को करने में एनसीसी नामक कंपनी को लगाया गया है। जपला विद्युत अवर प्रमंडल के सहायक अभियंता रामप्रसाद महतो और कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में स्थानीय बिजली मिस्त्री ललित कुमार मेहता, मंटू मेहता और ऊर्जा मित्र रविशंकर सिंह केबलिंग की व्यस्था को दुरुस्त करने में जुटे हैं। इस प्रकार नए साल में नई व्यस्था के तहत नये रूप में बिजली आपूर्ति देखने को मिलेगी। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं है।

# एसबीएस कॉलेज में छात्र के निधन पर शिक्षकों ने की शोकसभा

**नवीन मेल संवाददाता**

**हुसैनाबाद\ हैदरनगर।** शहीद भगत सिंह इंटर महाविद्यालय परिसर में शनिवार को एक छात्र कुंदन यादव के पुत्र विक्की कुमार के आकस्मिक निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। प्राचार्य संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में शोकसभा में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। शिक्षकों ने इस दुःख की घड़ी में उन्हें धैर्य व संयम से कार्य लेने को ढांढस बंधाया है। इसमें शामिल शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मियों ने बताया कि मृतक छात्र सत्र 2024-26 में कला संकाय का अध्ययनरत छात्र था। शोकसभा में प्राचार्य संजय कुमार सिंह, अरविन्द कुमार सिंह, शंभू शरण सिंह, नागेन्द्र प्रसाद सिंह, संजय सिंह, अनिल कुमार सिंह, जयराम उपाध्याय, अरुण कुमार सिंह, दिग्विजय सिंह, आमोद, नागेन्द्र सिंह, हरिहर प्रसाद मेहता, नागेन्द्र ठाकुर, संदीप, सुधांशु, रामू राम, संतोष सिंह, श्रवण कुमार सहित कई अन्य शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी शामिल थे।

# सड़क निर्माण में लगी जेसीबी ने दो बिजली खंभों को किया क्षतिग्रस्त, बाल बाल बचे ग्रामीण

**नवीन मेल संवाददाता**

**हैदरनगर।** प्रखंड के बिलासपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम नौडीहा के टोला भदई पर जेसीबी के धक्के से दो विद्युत प्रवाहित बिजली खंभा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। खंभों को जमीन पर गिरते ही 11 हजार बोल्ट के विद्युत प्रवाहित तार भी करीब दो सौ फीट की दूरी तक जमीन पर गिरते ही आसपास घरों और राहगीरों में अफरा तफरी मच गई। ग्रामीणों के शोर शराबा मचने पर बूढ़े बच्चे खुले खेत की ओर दौड़े भागे। उप मुखिया सुधीर कुमार सिंह की सूचना पर विद्युत का संबद्ध विच्छेद किया गया। उन्होंने बताया कि संड़ेया से वाया नौडीहा, बिलासपुर, सरगाड़ा होते जपला मुख्य पथ तक सड़क निर्माण कार्य में लगी जेसीबी शनिवार की शाम जाम समेट कर गंतव्य की ओर वापस जाने के क्रम में बिजली खंभों से जा टकराया। ग्रामीणों की तत्परता से यहां बड़ी वारदात होने से बाल बाल बचा ली गई है।

# पहले प्रयास में सीए की परीक्षा में पलक हुई सफल

**नवीन मेल संवाददाता**

**चतरा।** इंस्टीच्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) ने फाइनल परीक्षा के परिणाम की घोषणा कर दिया है। इस परीक्षा में चतरा जिले के कई छात्रों ने बाजी मारी है। इसमें चतरा की पलक कुमारी ने पहले प्रयास में ही इस परीक्षा के दोनों ग्रुप में उत्तीर्ण हुई है। यह चतरा के लिए गर्व की बात है। यह सफलता उसे कड़ी मेहनत, प्रैक्टिस और नियमित पढ़ाई से मिली है। पलक ने बताया कि वह हर दिन 10 से 12 घंटे पढ़ाई करती थी। पलक चतरा इंदुमती टिंबडेवाल से प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद दसवीं तक की पढ़ाई डीएवी चतरा से की और 12वीं डीएवी कपिल देव रांची से पास की। ग्रेजुएशन मारवाड़ी कॉलेज से करने के साथ सीए की पढ़ाई रांची में रह कर की और डिग्री प्राप्त की। माता-पिता व परिजनों ने हर्ष व्यक्त कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। पिता सुनील कुमार अग्रवाल व मां अनीता अग्रवाल मधुकुंज मारवाड़ी मोहल्ला निवासी हैं। पलक के इस सफलता में मां अनीता अग्रवाल की भूमिका काफी सराहनीय रही है। बता दें कि सीए की परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में शामिल है। इस साल एक लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने सीए फाइनल परीक्षा में भाग लिया था। जिसमें मात्र 11 हजार बच्चे ने सफलता प्राप्त की। पलक ने बताया कि यह देन हमारे गुरुजन एवं माता-पिता की देन है, जो हमें शिक्षा प्राप्त कराने में कोई कसर नहीं छोड़े। उन सभी के उम्मीद पर मैं खरा उतरी यह मेरा सौभाग्य है।

### गो कथा 9 से 13 जनवरी तक

**चतरा।** चतरा गौशाला में होने वाले धेनु मानस गौ कथा कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर है। कार्यक्रम को लेकर सभा स्थल कि साफ-सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। यह कार्यक्रम 9 जनवरी से 13 जनवरी तक चलेगा। उपरोक्त जानकारी धर्म गुरु हठयोगी जी महाराज ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम में प्रसिद्ध गो कथा वाचक गौ गंगा कृपाकांक्षी गोपाल मणी जी महाराज पधार रहे हैं। जिसमें चतरा जिले के सभी सनातन धर्मावलंबियों के साथ सनातन प्रेमियों से बढ़ चढ़कर भाग लेने और तन मन धन से सहयोग करने की अपील की गई है। तैयारी में जितेंद्र पाठक, गंगाधर शास्त्री आदि गौशाला से जुड़े लोग लगे हैं।

# बिरहोर टोला में सर्टिफिकेट कैंप का आयोजन

**नवीन मेल संवाददाता**

**चतरा।** जिले में रहने वाले आदिम जनजाति परिवार को शत प्रतिशत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए उपायुक्त रमेश घोलप के निर्देश पर आदिम जनजाति परिवारों का जनगणना किया गया। इसके पश्चात उक्त परिवारों को योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से लगातार प्रखंड विकास पदाधिकारियों व अंचल अधिकारियों की उपस्थिति में निरंतर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसकी मॉनिटरिंग उपायुक्त समेत जिला स्तरीय अधिकारी भी कर रहे थे। इस निमित शनिवार को लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के बिरहोर टोला में अंचल अधिकारी सुमित कुमार झा की उपस्थिति में विशेष सार्टिफिकेट कैंप का आयोजन किया गया। मौके पर लावालौंग के मुखिया नेमन भारती, राजस्व उप निरीक्षक चंद्रदीप गांधी समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे। विशेष सार्टिफिकेट कैंप आयोजन के दौरान अंचल अधिकारी ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर जिले में रहने वाले आदिम जनजाति परिवारों को सरकारी समेत अन्य योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए जिले के आदिम जनजाति टोलों में कैंप लगाया गया। इस निमित लावालौंग में भी सार्टिफिकेट कैंप लगाकर वैसे आदिम जनजाति परिवार जिनका जातीय व आवासीय सार्टिफिकेट नहीं था। उनका इस कैंप के माध्यम से जातीय, आवासीय प्रमाण पत्र बनाने का कार्य किया गया। साथ ही आदिम जनजाति परिवार के बच्चों को विद्यालय जाकर पठन-पाठन करने के लिए प्रेरित किया गया।

### सड़क हादसे में एक की मौत, एक गंभीर

**टंडवा (चतरा)।** एनटीपीसी बाईपास रोड कामता-गाडिलौंग के डाड़ी कुआं के समीप हाइवा की चपेट में दो मोटरसाइकिल के आने से एक की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना में कामता निवासी सुकर मियां के 25 वर्षीय पुत्र तनवीर आलम उर्फ लल्लू की मौत हो गई जबकि नियामत अंसारी गंभीर रुप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद दोनों को इलाज के लिए एनटीपीसी संजीवनी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया। दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए अस्पताल के डॉक्टरों ने रांची रिम्स रेफर कर दिया। तनवीर की मौत रांची जाने के क्रम में रास्ते ही हो गई। नियामत का इलाज हजारीबाग के अस्पताल में चल रहा है। दुर्घटना को लेकर कामता के ग्रामीणों ने बाइपास सड़क में बचे कार्य पूर्ण करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि इस रास्ते में कई जगह ढलाई नही हुई है, जिस कारण आए दिन दुर्घटना होते रहती है। सूचना के बाद घटना स्थल पर रौशन अंसारी, जियाउल हक, मो. मोईन, राजिंदर राम, इम्तियाज अंसारी आदि पहुंचे थे।

**निर्देश**

## पुलिस ने चलाया एंटी क्राइम वाहन चेकिंग अभियान

# वाहनों के कागजातों व डिक्की की जांच की

**नवीन मेल संवाददाता**

**हुसैनाबाद।** हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के झारखंड बिहार अंतरराज्यीय बॉर्डर पर जपला दंगवार मुख्य पथ के हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय के समीप पलामू पुलिस कप्तान रिष्मा रमेशन के निर्देश पर देर शाम को अपराध नियंत्रण व सड़क दुर्घटना को रोकने को लेकर हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय कुमार यादव के नेतृत्व में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दो पहिया, चार पहिया गाड़ियों के डिक्की, कागजात, हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, ड्रिंक एंड ड्राइव आदि की जांच की गई। थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने बताया कि अपराध नियंत्रण, सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि आने वाले न्यू ईयर को लेकर नियमित वाहन जांच अभियान चलाई जाऐगी। उन्होंने क्षेत्र वासियों से अपील की कि नाबालिग को कभी भी दो पहिया वाहन बाईक चलाने को न दें। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से हेलमेट, जूता पहनकर ही गाड़ी चलाएं। गाड़ी के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखकर के सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए गाड़ी चलाएं व प्रशासन को सहयोग करें। शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाएं। गाड़ी चलाने के दौरान दूसरे गाड़ी को ओवरटेक नहीं करें। खुद भी सुरक्षित रहें व दूसरे को भी सुरक्षित रहने दें। मौके पर सब इंस्पेक्टर सुबोध कुमार, आरक्षी रामपुकार सहित कई जवान उपस्थित रहे।

# नहीं रहें किसान रणविजय सिंह, शोक

**नवीन मेल संवाददाता**

**मोहम्मदगंज।** प्रतिष्ठित किसान रणविजय सिंह का शुक्रवार की रात निधन हो गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें इलाज के लिए ले जाया जा रहा था, इसी दौरान रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके आकस्मिक निधन से शोक का माहौल बन गया है। उनका दाहसंस्कार वाराणसी के मर्णकणिका घाट पर शनिवार को किया गया। मुखाग्नि भांजे ने दी। उनकी पहचान एक ठेकेदार के साथ ही प्रतिष्ठित किसान के रूप में थी। भीमबराज के कंट्रोल रूम निर्माण का काम उन्होंने ही कराया था। इसे लेकर सीमित समय में काम को पूरा करने को लेकर विभागीय बुकलेट में उनका नाम दर्ज किया गया है। इसके अलावा स्थानीय देवीधाम मंदिर और इसमें सर्वदेव की प्रतिमाओं की स्थापना में उनका बड़ा सहयोग बताया जाता है। उनके ही मकानों में एसबीआई और केनरा बैंक की शाखाएं संचालित की जा रही हैं। ऐसे में उनकी इस क्षेत्र में विशिष्ट पहचान है। जिसे सदैव याद किया जाता रहेगा। उनके निधन पर अखिलेश सिंह, भिखारी प्रसाद रिटायर रेलकर्मी, कामेश्वर कुशवाहा भाजपा नेता, कामेश्वर सिंह, दिलीप कुमार मुन्ना सिंह, छोटे सिंह, दिग्विजय सिंह, अश्विनी कुमार सिंह युवा समाजसेवी, रामजन्म राम कांग्रेसी नेता, दीपू लाल अग्रवाल, राकेश वर्मा,मुरारी पाल, कमला देवी मुखिया, ममता देवी पंसस, रविरंजन सिंह उपमुखिया,अरुण कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, सुशील कुमार मेहता, रौशन कुमार सहित अन्य कई लोगों ने शोक जताया है।

## जनहित के कार्यों से करें नये साल का स्वागत : शर्मिला वर्मा

**मेदिनीनगर।** वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की सचिव और हमेशा सक्रिय रहने वाली शर्मिला वर्मा ने लोगों से अपील की है कि पुराने साल की विदाई और नये साल का स्वागत कुछ ऐसे कार्य करके करें जिससे किसी जरूरतमंद का भला हो। भारतीय संस्कृति केक काटकर उत्सव मनाने की नहीं है बल्कि कुछ नेक कार्य कर जीवन के हर उत्सव को मनाना चाहिए, हालांकि यह हिंदू नववर्ष नहीं है, फिर भी सभी लोग इसे मनाने के लिए तरह-तरह की तैयारियां करते हैं। पानी की तरह पैसे बहाते हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों पर तमाम सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए ही गाड़ी चलाएं, क्योंकि एक दिन की मौज मस्ती पर आपके परिवार पर काफी भारी पड़ सकती है। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट लगातार सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इसके लिए जागरूक करता है।

### दो दिनों में अधिकतम दो से तीन डिग्री तापमान में गिरावट की संभावना

# पश्चिमी विक्षोभ का असर शुरू बूंदाबांदी से जनजीवन प्रभावित

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** पश्चिमी विक्षोभ के कारण देश के कई हिस्सों में बर्फबारी और बारिश हो रही है। इसका असर पलामू में भी दिखना शुरू हो चुका है। हालांकि इस दौरान तापमान में कोई खास फर्क नहीं पड़ा है। बताते चलें कि मौसम विभाग द्वारा राज्य के कई जिलों में 28 और 29 दिसंबर की बारिश की संभावना जतायी गयी थी। शनिवार को दोपहर के बाद मौसम ने अपना रंग बदलना शुरू कर दिया है। शाम को गहरे बादल के साथ बूंदाबांदी होती रही। 30 दिसंबर से मौसम साफ हो जाने के आसार हैं। शनिवार शाम तक पलामू में हो रही बूंदाबांदी से जन जीवन प्रभावित हुआ। अपने निजी कार्यों के लिए बाजार व अन्य स्थानों पर जाने वाले लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। 29 दिसंबर को जिला मुख्यालय मेदिनीनगर समेत अन्य इलाकों में दोपहर तक बारिश हो सकती है। इस दौरान बादल भी छाये रहेंगे, जिस कारण तापमान में भी ज्यादा बदलाव नहीं होगा। अगर बीते 24 घंटे के मौसम की बात करें तो शुक्रवार को अधिकतम तापमान 29.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री व न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने संभावना जतायी है कि अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक गिरावट आ सकती है।

## बाजार क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों की हुई मरम्मत

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** शनिवार को नगर निगम द्वारा विभिन्न स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत की गई। इस दौरान स्ट्रीट लाइट की मरम्मत करने गई वाहन को बाजार क्षेत्र में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बिजली मिस्त्री द्वारा जय भवानी संघ चौक से लेकर बाजार के विभिन्न गलियों में लगे स्ट्रीट लाइट की मरम्मत की जा रही थी। मुख्य सब्जी बाजार के समीप पहुंचने पर गली में अंदर जाने का रास्ता नहीं होने के कारण ड्राइवर ने वाहन को बीच में ही खड़ा कर दिया। अंदर प्रवेश करने के लिए रास्ता नहीं होने पर नगर निगम के सिटी मैनेजर को फोन कर बिजली मिस्त्री ने बुलाया। सिटी मैनेजर व अन्य निगम कर्मियों ने वहां के प्रवेश के लिए रास्ते में दुकानदारों द्वारा तिरपाल हटवाया। इसके बाद उक्त स्थान पर बिजली पोल पर लगे स्ट्रीट लाइट की मरम्मत की गई। दुकानदारों द्वारा तिरपाल हटाए जाने के बाद पूरी गली में आने जाने वाले लोगों को काफी सुविधा हुई। इस दौरान बिजली मिस्त्री रवि कुमार ने बताया कि नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर बाजार क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए खंभे पर लगे स्ट्रीट लाइट की मरम्मत की जा रही है।

## नगर निगम ने आश्रय गृह के संचालन शुरू की पहल की

**राष्ट्रीय नवीन मेल में छपी खबर का असर**

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** नगर निगम द्वारा डालटनगंज रेलवे स्टेशन के समीप नवनिर्मित आश्रय गृह के संचालन के लिए पहल शुरू कर दिया है। इस दौरान नगर निगम ने एक तरफ जहां परिसर में पेयजल के लिए बोरिंग करवाया है, वहीं दूसरी तरफ लोगों की सुविधा के लिए पूर्व प्रस्तावित रास्ता भी निकाल लिया गया है। बताते चलें कि बीते 19 दिसंबर को राष्ट्रीय नवीन में अखबार ने प्रमुखता से रेलवे स्टेशन के पास आश्रय के लिए चालू नहीं, ठंड में बेहाल जरूरतमंद शीर्षक से आश्रय गृह का संचालन नहीं होने से संबंधित खबर प्रकाशित की थी। इस खबर पर नगर निगम आयुक्त जावेद अहमद द्वारा जल्द ही आश्रय गृह की शुरूआत करने की बात कही गई थी। बता दें कि संचालन में देरी के कारण ठंड और शनिवार को हो रही बूंदाबांदी में भी जरूरतमंद लोग इसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। हालांकि पूर्व में नगर निगम में दिसंबर की शुरूआत में ही स्टेशन रोड स्थित आश्रय गृह को चालू करने की बात कही थी। आश्रय गृह का निर्माण करीब एक करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इसमें 50 लोगों के ठहरने की व्यवस्था है। इसकी शुरूआत होने से स्टेशन क्षेत्र में रहता बिताने वाले मजदूर तथा दोना पत्तल आदि बेचने वाली महिलाओं को राहत मिल सकती है।

### राम भरोसे पलामू की उच्च शिक्षा

## जेएस कॉलेज : उच्च शिक्षा में सुधार के बजाए गिरावट

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** पलामू में सपनों को नई पंख दिया जा सके। यहां के गरीब, दलित, आदिवासी विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण कर सके इसलिए महापुरुष नीलांबर पीतांबर के नाम पर उच्च शिक्षा केन्द्र एनपीयू की स्थापना 17 जनवरी 2009 को की गई, लेकिन उच्च शिक्षा में सुधार के बजाए गिरावट ही लगातार होता गया। शुक्रवार को जीएलए कॉलेज की व्यवस्था,शिक्षकों के कार्यालय में ताले लटके मिले तथा शनिवार को वहीं कहानी नैक एक्रीडेट महाविद्यालय जनता शिवरात्रि महाविद्यालय में दिखी। एक समय था की जनता शिवरात्रि महाविद्यालय का नाम सुनते की कॉमर्स की याद सबसे पहले आती थी, पर आज लाखों रुपए वेतन प्राप्त करने वाले प्राध्यापक जो, अक्सर यह कहते पाए जाते हैं कि विद्यार्थी कक्षा करने ही नहीं आते आज खुद नदारत पाए मिले।

**दोपहर एक बजे तक कॉलेज नहीं थे शिक्षक :** मास्टर रूटिन के अनुसार महाविद्यालय का समय 10 बजे से 4 बजे तक निर्धारित है, पर महाविद्यालय के कई शिक्षक 1 बजे भी नहीं मिले। न ही एक भी शिक्षक कक्षा में मिले। कई घंटी आधारित शिक्षक तो महाविद्यालय में दिखे ही नहीं। कई घंटी आधारित शिक्षक व प्रोफेसर के छुट्टी का आवेदन महाविद्यालय के पास भी नहीं लगा पाया गया। जब लाखों रुपए पाने वाले शिक्षक ही कक्षाएं नहीं लेंगे, शिक्षण कार्य ही नहीं होगा, तो कहना उचित होगा की पलामू की उच्च शिक्षा राम भरोसे ही चल रही है।

**11 बजे लेट नहीं 1 बजे भेंट नहीं :** कहने को तो कॉलेज में बायोमेट्रिक लगी हुई है उपस्थिति पंजी के लिए, लेकिन आने-जाने दोनों समय कभी भी यह नहीं लगवाई जाती। वेतन भुगतान के समय इसकी जांच भी नहीं होती। कई घंटी आधारित शिक्षक तथा प्रोफेसर ऐसे हैं कि महाविद्यालय में आते तो है पर बायोमेट्रिक लगा कर कुछ समय के बाद निकल जाते हैं, जिस पर किसी का ध्यान नहीं रहता। इस पर अगर कहा जाए कि 11 बजे लेट नहीं 1 बजे भेंट नहीं पूर्ण रूप से चरितार्थ हो रहा है।

**परीक्षा विभाग भी मिला बंद :** विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए शिक्षण व्यवस्था तो इस हालात में है कि परीक्षा विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभागों में ताले लटके मिलें। जहां विद्यार्थियों के सभी कागजात का सत्यापन और रिकॉर्ड मौजूद होते हैं। कई छात्राएं परीक्षा विभाग खुला नहीं होने के कारण वापस लौटना पड़ा, जो अपने आप में सवालिया निशान खड़ा करता है। इधर घंटी आधारित शिक्षक भी बिना सूचना के गायब थे। उर्दू विभाग में पदस्थापित घंटी आधारित शिक्षक मसरूर अहमद खान भी शनिवार को कॉलेज से गायब पाए गए। अब इनका भुगतान का आधार क्या होता है ये भी सवालिया घेरे में है।

**बायोमेट्रिक बनाना जरूरी: प्राचार्य :** महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ सुरेंद्र पांडेय ने बताया कि दोनों समय आने तथा जाने का बायोमैट्रिक बनाना जरूरी है। चाहे वह घंटी आधारित शिक्षक हो या प्रोफेसर। कई घंटी आधारित शिक्षकों को नोटिस दिया जा चुका है। विश्वविद्यालय के संज्ञान में भी दिया गया है।

## शिक्षक संघ ने डीईओ को सौंपा ज्ञापन

**मेदिनीनगर।** झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ की पलामू जिला इकाई ने माध्यमिक शिक्षकों की समस्या का निदान करने के संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश को शनिवार को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान शिक्षक संघ ने सात सूत्री मांग की है। सात सूत्री मांगों में मुख्य रूप से 2021 में नियुक्त शिक्षकों की सेवा संपुष्टि,शिक्षकों की वित्तीय वर्ष 2023-24 का बकाया भुगतान, बीते वर्ष नियुक्त शिक्षकों की कैंप लगाकर सेवा पुस्तिका खोलना, शिक्षकों के लिए मातृत्व एवं पितृत्व अवकाश में वेतन नहीं काटने का प्रावधान करना, विद्यालयों के छात्रों के कोष से जुड़े हिसाब के लिए खाता खुलवाने तथा माध्यमिक या उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में प्राथमिक शिक्षकों को प्रभारी के तौर पर हटाकर टीजीटी या पीजीटी को प्रभारी बनाया जाना शामिल है। संघ के जिला अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी ने उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है।

## इस्कॉन ने निकाली नगर संकीर्तन यात्रा

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** इस्कॉन ने शनिवार की शाम हरे कृष्ण उत्सव आयोजन की पूर्व संध्या पर संकीर्तन यात्रा निकाली। इस दौरान इस्कॉन से जुड़े भक्तों ने गीता भवन से नगर संकीर्तन संकीर्तन यात्रा शुरू की, जो शहर के मुख्य मार्ग और बाजार क्षेत्र का भ्रमण करते हुए वापस गीता भवन पहुंची। इस दौरान हाथों में विभिन्न वाद्य यंत्रों के साथ इस्कॉन संस्था के सदस्य झूमते और हरे कृष्ण संकीर्तन करते नजर आए। बताते चलें कि रविवार से तीन दिवसीय हरे कृष्णा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान साहित्य समाज चौक स्थित संस्कृत महाविद्यालय परिसर में होने वाले हरे कृष्ण उत्सव को तैयारी पूरी कर ली गई है। हरे कृष्णा उत्सव में कथा और नृत्य संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बद्रीका आश्रम से डॉक्टर केशवानंद दास और भक्ति सिद्धांत दास शामिल होंगे। साथ ही कीर्तन मंडली भी अपनी विभिन्न प्रस्तुति देगी। कार्यक्रम की समाप्ति एक जनवरी को पलामू इस्कॉन द्वारा पुलिस लाईन रोड में उत्सव आयोजित कर किया जाएगा। नगर संकीर्तन यात्रा में संजय पांडेय, आकाश प्रभु, अभिषेक प्रभु, रूप दास प्रभु, इंदु गुप्ता समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

## पूर्व प्रधानमंत्री के निधन जीएलए कॉलेज में श्रद्धांजलि सभा

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह को जीएलए कॉलेज में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सर्वप्रथम भारत में उनके योगदान व कार्यों का उल्लेख किया गया। इसके उपरांत उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पुष्प अर्पित किया गया। दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. आरके झा, डॉ. सुरेंद्र कुमार, संजय अग्रवाल, प्रवीण, चंद्रिका, छात्र नेता अभिषेक तिवारी, आशीष कुमार ठाकुर, रंजन कुमार यादव, यशवंत पासवान, साकेत पासवान मंतोष ठाकुर, आशीष व विद्यार्थी उपस्थित थे।

## छह मुहान पर चला सघन वाहन जांच अभियान

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** शहरी क्षेत्र में विधि व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए शनिवार को ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद के नेतृत्व में शहर के छह मुहान पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान चार पहिया व दो दोपहिया वाहनों की गहनता से जांच की गयी। कई वाहन चालक बगैर हेलमेट, बिना लाइसेंस व ट्रिपल लोड वाहन चलाते पकड़े गए, जिसमे 11 दोपहिया वाहन जब्त कर शहर थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। जिला परिवहन कार्यालय फाइन के लिए भेजा गया है। इनमें 23 वाहन जिसमें दोपहिया वाहन, टेंपो वाहनों का ऑनलाइन चलान राशि 91,000 हजार आया। शनिवार को जिला परिवहन कार्यालय से तीन दोपहिया वाहन का चलान राशि 5150 रुपया आया। जांच के क्रम में एक मोटरसाइकिल सवार, एक ट्रक ड्राइवर, एक स्कॉर्पियो चालक शराब पी कर वाहन चलाते पकड़े गए। मोटरसाइकिल सवार का चलान 11000, ट्रक चालक का चलान 11,150, स्कॉर्पियो चालक का चालान 15000 रुपया काटा गया। ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद ने बताया कि वाहन जांच अभियान इस तरह चलते रहेगा। कोई भी चालक बिना हेलमेट तथा शराब पी कर वाहन न चलाएं।

**थाना प्रभारी ने चलाया जांच अभियान :** पलामू पुलिस कप्तान रीष्मा रमेशन के आदेश पर शहर थाना के गेट पर शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान तथा शराब पी कर वाहन चला रहे चालक का ब्रेथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से चेक किया गया। जांच अभियान के तहत शहर क्षेत्र के कई वाहन चालक का ब्रेथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से चेक किया गया। शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि नव वर्ष को लेकर किसी भी तरह की दुर्घटना न हो इसको देखते हुए शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर शराब पी कर वाहन चला रहे चालक की जांच की जाएगी तथा वाहन की जांच की जा रही है। इससेदुर्घटना होने की उम्मीद ज्यादा रहती हैं। थाना प्रभारी ने अपील की कि किसी भी स्थिति में शराब पीकर वाहन न चलाएं तथा न ही ओवर स्पीड में वाहन चलाएं।

### वार्ड संख्या 19: रेड़मा दक्षिणी से निगम तक का सफर, सुविधाओं की कमी अब भी बरकरार

# पक्की सड़कें और पीएम आवास तो मिले, लेकिन नाली, सफाई और पानी की समस्या बनी चुनौती

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** नगर निगम के वार्ड संख्या 19 का बड़ा हिस्सा पहले रेड़मा दक्षिणी पंचायत का हिस्सा था। 2017 के परिसीमन के बाद इसे नगर निगम में जोड़ा गया। इस वार्ड में तेजी से विकास हुआ है, क्योंकि यहां स्थानीय निवासियों के साथ अन्य क्षेत्रों से आए लोगों ने जमीन खरीदकर नए मोहल्ले बसाए हैं।

इस वार्ड की भौगोलिक सीमा विस्तृत है। उत्तर में आम बगीचा से जोगीयाही नाला, दक्षिण में कोयल नदी, पूर्व में जोगीयाही नाला और पश्चिम में रेलवे लाइन से वर्मा चौक तक इसका विस्तार है। 2017 के चुनाव के समय वार्ड की आबादी 4444 थी। धीरे-धीरे यह क्षेत्र ग्रामीण परिवेश से बदलकर शहरी आवरण में ढल चुका है। वार्ड में बुनियादी सुविधाओं का आंशिक विकास हुआ है। हालांकि, पेयजल, नाली और सफाई जैसी समस्याएं अब भी प्रमुख हैं।

इस वार्ड में निगम द्वारा पेयजल की आपूर्ति की जाती है, लेकिन यह नियमित नहीं है। कई बार लोग सार्वजनिक स्थानों से पानी लाने को मजबूर हो जाते हैं। इससे न केवल परेशानी होती है बल्कि पानी की गुणवत्ता को लेकर भी संदेह बना रहता है। स्थानीय निवासी दुर्गेश सिंह ने बताया कि निगम को पेयजलापूर्ति में सुधार करना चाहिए। यह कभी-कभार ही आता है और समय पर उपलब्ध नहीं होता।

वार्ड में नाली निर्माण की कमी सबसे बड़ी समस्या है। अधिकांश क्षेत्रों में पानी निकासी के उचित प्रबंधन की व्यवस्था नहीं है, जिससे जलभराव और गंदगी की समस्या हो रही है। स्थानीय निवासी बबलू शर्मा ने कहा कि निगम को नाली निर्माण पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। बारिश के दौरान स्थिति और भी खराब हो जाती है।

*वार्ड की पार्षद सुषमा कुमारी आहूजा ने अपने कामों का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने अपने कार्यकाल में सभी मुख्य सड़कों को पक्की बनवाया है। इसके अलावा, जरूरतमंद लोगों को बड़ी संख्या में पीएम आवास दिलाने में सफलता पाई है। हालांकि, पार्षद द्वारा किए गए दावों के बावजूद वार्ड में कई समस्याएं बनी हुई हैं।*

वार्ड में सफाई व्यवस्था भी बड़ी चिंता का विषय है। कचरा उठाने वाली गाड़ियां कभी-कभार ही पहुंचती हैं, जिससे सड़कों और मोहल्लों में गंदगी जमा हो जाती है। यह समस्या खासतौर पर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में ज्यादा देखने को मिलती है।

वार्ड में कुल 80 स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं, लेकिन इनमें से कई खराब हो चुकी हैं और मरम्मत की आवश्यकता है। स्थानीय निवासी अमित चौबे ने बताया कि स्ट्रीट लाइट्स की खराब स्थिति के कारण कई इलाकों में रात के समय अंधेरा रहता है। निगम को इसकी मरम्मत जल्द करनी चाहिए। सरकारी योजनाओं के तहत वार्ड में कुल 350 जरूरतमंद परिवारों को पीएम आवास का लाभ मिला है। पार्षद सुषमा कुमारी आहूजा का दावा किया कि मेरे कार्यकाल में सभी जरूरतमंदों को पक्के घर दिलाने का प्रयास किया गया है, और इसमें काफी हद तक सफलता मिली है। बहरहाल, वार्ड संख्या 19 का विकास धीरे-धीरे हो रहा है। पक्की सड़कें, पीएम आवास और अन्य योजनाओं का लाभ जरूर मिला है, लेकिन नाली, सफाई और पानी की समस्या आज भी प्रमुख हैं। स्थानीय नागरिक निगम से अपेक्षा करते हैं कि इन समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द हो।

## वार्ड 19 के निवासियों की राय

वार्ड के निवासी पार्षद द्वारा किए गए विकास कार्यों को आंशिक रूप से संतोषजनक मानते हैं, लेकिन उनका कहना है कि नाली, सफाई और नियमित जलापूर्ति जैसी बुनियादी समस्याएं अभी भी हल नहीं हो पाई हैं।

बबलू शर्मा ने कहा कि नाली की कमी के कारण हमें बहुत दिक्कत होती है। निगम को इसे प्राथमिकता में रखना चाहिए।

अमित चौबे ने कहा कि स्ट्रीट लाइट्स की मरम्मत न होने के कारण कई इलाकों में रात के समय अंधेरा रहता है। इससे असुरक्षा बढ़ जाती है।

दुर्गेश सिंह ने कहा कि पेयजलापूर्ति की समस्या गंभीर है। पानी का नियमित उपलब्ध न होना लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता है।

## नए साल पर तिलकुट और तिल उत्पादों से महका बाजार

### शहर में तिलकुट और चूड़ा-लाई की बढ़ी मांग

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** नए साल की शुरूआत से पहले मेदिनीनगर के बाजार तिलकुट, लाई, और तिल के लड्डू की सोंधी खुशबू से महक उठे हैं। बाजार में तिलकुट भंडार समेत अन्य दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। ठंड के इस मौसम में गुड़ और खोवे से बना तिलकुट लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। गया और जहानाबाद के कुशल कारीगर यहां तिल से बने विभिन्न उत्पाद तैयार कर रहे हैं।

### तिलकुट और तिल उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी

दुकानदार सनोज राम के अनुसार, सामान्य चूड़ा 50 से 80 रुपये प्रति किलो जबकि कतरनी चूड़ा 120 रुपये किलो तक बिक रहा है। तिलकुट की कीमत 200 से 360 रुपये प्रति किलो है। बादाम पट्टी का एक पैकेट 40 रुपये में और लाई 80 रुपये प्रति किलो बिक रही है। वहीं, तिल का लड्डू 300 रुपये प्रति किलो की दर से मिल रहा है।

### प्रमंडल में मशहूर है मेदिनीनगर का तिलकुट

ठंड के दिनों में तिलकुट और तिल से बने उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। चूड़ा-दही जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों के प्रति लोगों का खासा झुकाव है। तिलकुट दुकानों के संचालकों का कहना है कि मेदिनीनगर का तिलकुट पूरे प्रमंडल में प्रसिद्ध है और इसकी मांग हर साल बढ़ती जा रही है।

## एक नजर

### केतार प्रखंड को मिला 1218 कंबल

**केतार।** केतार प्रखंड में कंपकंपाती ठंड को देखते हुए जिला सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत गरीब जरूरतमंद व असहायों के बीच वितरण करने के लिए केतार प्रखंड को 1218 कंबल प्राप्त हुआ है। यह जानकारी प्रधान सहायक सिदेश्वर नाथ सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उक्त कंबल को पंचायत वार जन प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जायेगी। वहां से वार्ड वार असहायों की सूची बनाकर कंबल का वितरण किया जायेगा। बता दे कि एक सप्ताह पूर्व भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव ने उपायुक्त गढ़वा को पत्र भेजकर सभी प्रखंडों में अलाव व्यवस्था कराने और कंबल वितरण कराने का आग्रह किया था।

### शैक्षणिक भ्रमण पर गए स्कूली छात्र

**रमना।** प्रखंड मुख्यालय स्थित संत जेपी स्कूल के छात्र-छात्राओं को पर्यटन स्थल का शैक्षणिक भ्रमण के तहत छत्तीसगढ़ व झारखंड को जोड़ने वाला बाल चौरापुल, पनघटवा डैम,सुखलदरी सहित कई स्थल शामिल है। शैक्षणिक भ्रमण द्वारा सभी बच्चों को खाना का भी प्रबंध कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डाक्टर पारसनाथ ने कहा कि स्कूल के तरफ से स्कूली बच्चों को प्रत्येक वर्ष ऐतिहासिक स्थलों व पर्यटन स्थल तथा प्राकृतिक दृश्यों का भ्रमण कराने से शैक्षणिक विकास होता है। इससे बच्चों को ऐतिहासिक व भौगोलिक ज्ञान बढ़ता है। साथ ही उसके प्रति बच्चों के मन मे अध्ययन का भावना जागृत होता है। ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के भ्रमण बच्चों के लिए खुली किताब की तरह होती है। मौके पर समाज सेवी सह झामुमो नेता मुन्ना प्रसाद मौके पर छात्र छात्राओं सहित शिक्षक मौजूद थे।

# चार माह से राशन नहीं मिलने से नाराज लाभुकों ने किया हंगामा

### डीलर पर कारवाई की मांग

**नवीन मेल संवाददाता**

**केतार।** प्रखंड के हुरका गांव के राशनकार्ड धारकों ने शनिवार को डीलर द्वारा चार माह का राशन वितरण नहीं करने से नाराज होकर दुकान के समीप हंगामा किया। राशनकार्ड धारकों का आरोप है कि डीलर राम प्रसाद राम द्वारा पर्ची निकाल कर चार माह का राशन लाभुकों के बीच वितरण नहीं किया है। इसकी जानकारी के बाद बीडीओ प्रशांत कुमार ने जांच के लिए पंचायत सचिव नवल किशोर यादव को भेजा। इस क्रम में राशन कार्डधारी राकेश प्रजापति, दिनेश रजवार, प्रहलाद सिंह, भुनेश्वर रजवार, बरती देवी, कौशिल्या देवी, ललिता देवी, इंदू देवी, बबीता देवी, बसंती देवी,उदय प्रजापति, प्रमोद चौधरी, आशुतोष शुक्ला सहित अन्य ने पंचायत सचिव को बताया कि डीलर राम प्रसाद राम हर महीना पॉस मशीन से पर्ची निकाल कर लाभुकों को राशन नहीं देते हैं। जब लाभुकों द्वारा राशन की मांग किया जाता है तो टाल-मटोल करते हुए उनके द्वारा अभद्र व्यवहार किया जाता है। इसकी शिकायत पूर्व में भी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से किया गया था लेकिन डीलर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। लाभुकों ने बकाया राशन दिलाने के साथ डीलर पर कारवाई की मांग किया है। जांच के दौरान डीलर राम प्रसाद राम अनुपस्थिति थे। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि सिताराम शर्मा, रामाकांत भारती सहित अन्य लोग मौजूद थे। संबध में बीडीओ प्रशांत कुमार ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा आवेदन मिला था पंचायत सचिव को जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट मिलते ही डीलर के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी।

### शहीद भगत सिंह क्रिकेट टूर्नामेंट आज से

**केतार।** प्रखंड के बांसडीह गांव में रविवार से शहीद भगत सिंह कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। टूर्नामेंट का शुभारंभ रविवार को समाजसेवी राकेश पासवान ने फीता काटकर करेंगे। यह जानकारी आयोजन समिति के उपाध्यक्ष अमरेश कुमार और संचालक आनंद कुमार ने संयुक्त रूप दी। उन्होंने बताया कि इस टूर्नामेंट में 16 टीम भाग लेंगी। प्रत्येक टीम को 16-16 ओवर का मैच निर्धारित है। फाइनल मुकाबले में 20-20 ओवर का मैच होगा। टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। विजेता टीम को ट्राफी व 10051 रू नकद व उप विजेता टीम को 7151 रू नकद राशि और ट्राफी देकर पुरस्कृत किया जायेगा।

## न्यूज बॉक्स

### मृतक के घर पहुंच विधायक ने चार लाख रुपए का चेक सौंपा

**धुरकी।** प्रखंड क्षेत्र के कदवा उर्फ लिखनीधौरा गांव में पहुंच कर शनिवार को मृतक सुखराज कोरवा की पत्नि को वन विभाग के माध्यम से चार लाख रुपए मुआवजा राशि का चेक विधायक अनंत प्रताप देव व वन क्षेत्र अधिकारी प्रमोद कुमार ने प्रदान किया। सुखराज कोरवा की मौत अगस्त महीन में हाथियों के कुचलने से हो गई थी। विधायक ने मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को चार लाख रुपए का चेक प्रदान किया। इस दौरान विधायक ने मृतक सूखराज कोरवा की पत्नि व परिजनों से मिलकर उनकी मौत पर गहरा दुःख प्रकट किया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख शांति देवी, मुक्तेश्वर पांडेय, प्रदीप सिंह, भरत प्रसाद, महमूद आलम सीनियर, फॉरेस्टर प्रमोद यादव पुर्व जिप सदस्य जानकी सिंह, संदेश गुप्ता, लक्ष्मण यादव, बीडीसी कृष्ण कुमार सिंह, मुखिया रघुनाथ सिंह, अनिरुद्ध प्रसाद गुप्ता, रामकिसुन कोरवा, प्रखंड अध्यक्ष धीरेंद्र यादव, कमलेश सिंह गोड़, एखलाक अंसारी, एहसान अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

### शीतकालीन अवकाश के बावजूद शिक्षकों का सराहनीय प्रयास

**खरौंधी।** शीतकालीन अवकाश के दौरान भी प्रखंड के स्कूलों में शिक्षकों ने अपनी जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी है। शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर शिशु पंजी अद्यतन करने का कार्य किया जा रहा है। इस पहल के तहत यह पता लगाया जा रहा है कि अगले शैक्षणिक सत्र में कौन-कौन से बच्चे विद्यालय में नामांकन लेने के योग्य हैं। इसके साथ ही ड्रॉप आउट और छिटके हुए बच्चों की पहचान भी की जा रही है, ताकि उन्हें पुनः विद्यालय से जोड़ा जा सके।इस कार्य का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के मुख्यधारा में शामिल करना और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना है। शिक्षक समुदाय का यह प्रयास सराहनीय है, क्योंकि इसके जरिए शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी। इस संदर्भ में बीपीएम नवीन प्रकाश ने कहा कि यह गर्व की बात है कि शिक्षक अपने अवकाश के दिनों में भी अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन कर रहे हैं।उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान से शिक्षा के स्तर को सुधारने और बच्चों के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें दोबारा शिक्षा से जोड़ना एक बड़ा कदम है, जो समाज के लिए बेहद लाभकारी साबित होगा।ग्रामीण समुदाय और अभिभावकों ने शिक्षकों के इस प्रयास की प्रशंसा की है। उनका कहना है कि शिक्षकों का यह समर्पण बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में एक सकारात्मक बदलाव लाएगा। यह कार्य न केवल शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति लाएगा, बल्कि समाज में जागरूकता भी फैलाएगा।

### खरौंधी में बेमौसम बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

**खरौंधी।** प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को अचानक हुई बेमौसम बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। दोपहर 2 बजे के बाद से लगातार हो रही रिमझिम बारिश ने मौसम में अचानक ठंडक बढ़ा दी। दिन में ही ठंड का असर इतना अधिक हो गया कि लोग गर्म कपड़ों और अलाव का सहारा लेने पर मजबूर हो गए। शनिवार को साप्ताहिक बाजार होने के कारण बाजार में आए लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते खरीदार और व्यापारी, दोनों ही परेशान हो गए। बेमौसम बारिश से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी पशुधन मालिकों और मवेशियों को हुई। बारिश में भीगने के कारण मवेशियों को ठंड से बचाने के लिए उनके मालिकों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बुजुर्ग और बच्चे भी ठंड से बचने के लिए घरों में दुबके रहे और अलाव का सहारा लिया।

## सामाजिक अंकेक्षण सह जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

**नवीन मेल संवाददाता**

**डंडई।** प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को सभी पंचायत सचिवालयों पर मनरेगा योजना का सामाजिक अंकेक्षण सह जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंचायत स्तरीय आयोजित सामाजिक अंकेक्षण के दौरान ज्यूरी मेंबर के सदस्यों द्वारा योजना से जुड़े कई सवालों को ग्रामीणों के बीच रखा गया। इस दौरान मनरेगा मजदूरों का डिमांड की अवधि पूर्ण होने से पहले मापी पुस्तिका बन जाना, मास्टर रोल पर मजदूरों का दस्तखत नहीं होना, मापी पुस्तिका पर कनीय अभियंता का दस्तखत के बिना राशि का भुगतान हो जाना, मापी पुस्तिका के आलोक में काम कम पाया जाना इत्यादि मामलों को ज्यूरी मेंबर के सदस्यों द्वारा ग्रामीणों के बीच प्रमुखता के साथ रखने का काम किया गया। ज्यूरी मेंबर के सदस्यों द्वारा ग्रामीणों के बीच रखे गए सवालों को ग्रामीणों द्वारा चयनित जज की ओर से कई सवालों को आर्थिक दंड लगाकर वहीं पर निष्पादित कर दिया गया। कई सवालों को ग्रामीणों की सहमति के बाद प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाले सामाजिक अंकेक्षण सह जन सुनवाई कार्यक्रम के लिए अग्रसारित कर दिया गया। डंडई पंचायत सचिवालय पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम ज्यूरी मेंबर के सदस्य अनिल मेहता,अब्दुल गफ्फार, विभा कुमारी, सिक्कू कुमारी व संजीव कुमार मेहता द्वारा मनरेगा से संचालित योजनाओं की कमों बेस त्रुटियां को ग्रामीणों के बीच रखा गया। जन सुनवाई कार्यक्रम में पंचायत के तात्कालिक रोजगार सेवक दिनेश कुमार रवि व पंचायत सचिव नरेश ठाकुर ज्यूरी मेंबर के सदस्यों का हर सवालों का जवाब देते दिखे। मौके पर मुखिया धनवंती देवी, महेश्वर राम, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजेश मेहता, झामुमो केंद्रीय सदस्य आनंद प्रकाश, दीनानाथ पांडेय,मनीरूद्दीन अंसारी, सनी कुमार, अयोध्या कुमार, मनीष ठाकुर, याकूब अंसारी, सलाउद्दीन अंसारी, प्रमोद कुमार,श्रीकांत प्रसाद उपस्थित थे।

## रेलवे ट्रैक पार करते महिला की पैसेंजर ट्रेन से मौत

**नवीन मेल संवाददाता**

**श्री बंशीधर नगर।** चोपन-गढ़वा रोड रेलखंड पर नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन से पश्चिम दिशा की ओर पोल संख्य 44/5 के समीप चोपन गोमो पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही एक महिला की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब महिला ट्रैक पार कर रही थी और इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेन आ गई। कुछ दूरी पर उसका पुत्र भी था। घटना शनिवार की सुबह 10:30 बजे की है। मृतिका भवनाथपुर थाना क्षेत्र के अरसली बनखेता गांव निवासी स्व शिवनाथ राम की 55 वर्षीय पत्नी लालती देवी के रूप में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक महिला को ट्रेन के आने का अंदाजा नहीं लगा और वह ट्रैक पार करने लगी। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना के संबंध में मृतका के पुत्र विजय राम ने बताया कि वह अपनी मां लालती देवी को इलाज करने के लिए रांची जा रहा था। शनिवार को नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन पर रांची चोपन एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने आया था। इस क्रम में रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान विंढमगंज की ओर से तेज गति में आ रही चोपन गोमो पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गई। लालती देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि उनकी मां को कम सुनाई और कम दिखाई देता था। ट्रेन चालक काफी दूर से ही हॉर्न बजाकर महिला को हटने का मौका दिया, लेकिन ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि महिला को ट्रेन की आवाज नहीं सुनाई दिया और उसकी चपेट में आ गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंच कर कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर नगर ऊंटारी स्टेशन के आरपीएफ अर्जुन प्रसाद, श्रवण कुमार, नगर ऊंटरी थाना के एसआई रंजन कुमार शाह आदि मौजूद है।

### सांस्कृतिक मंच का शिलान्यास, ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

**भवनाथपुर।** क्षेत्र के ग्राम कैलान में 15वें वित्त योजना के अंतर्गत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के लिए सांस्कृतिक मंच का शिलान्यास किया गया। यह आयोजन जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी और भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस मंच का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें प्रोत्साहित करना और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है। प्रतिभा खोज प्रतियोगिता और सांस्कृतिक मंच ग्रामीण क्षेत्रों में कला, संगीत, नृत्य, और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनकी प्रतिभा दिखाने का अवसर देना और उन्हें समाज में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित करना है।इस कार्यक्रम के दौरान शांति देवी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण होगा, बल्कि यह युवाओं को अपनी छिपी हुई क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित करेगा। वहीं, रंजनी शर्मा ने कहा कि यह मंच ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो अक्सर संसाधनों की कमी के कारण अपनी प्रतिभा को सामने नहीं ला पाते। प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान करना और उन्हें राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। यह मंच न केवल सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा, बल्कि समुदाय को एकजुट करने का माध्यम भी बनेगा। कार्यक्रम के समापन पर ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और इसे क्षेत्र की उन्नति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। भविष्य में इस मंच के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों से उभरने वाले कलाकारों के लिए यह आयोजन मील का पत्थर साबित होगा।

## कार्डधारी निर्धारित जविप्र की दुकान से राशन उठाव करें: बीडीओ

**नवीन मेल संवाददाता**

**भंडरिया।** प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार द्वारा भंडरिया प्रखंड कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर बताया कि भंडरिया प्रखंड के बिजका गांव में गुलाब स्वयं सहायता समूह द्वारा जन वितरण प्रणाली के दुकान का संचालन किया जा रहा था। समूह के संचालन समिति के अध्यक्ष के बीमार रहने कारण समूह द्वारा लिखित आवेदन देकर अवकाश में जाने के बाद गुलाब स्वयं सहायता समूह जन वितरण प्रणाली का अनाज पूर्व अंचल पदाधिकारी सह एमओ द्वारा 18 अप्रैल 2023 से मई व जून माह का सतर्कता समीक्षा द्वारा जन वितरण प्रणाली के अनाज का वितरण लाभुकों को कराया गया था। इसके बाद गुलाब स्वयं सहायता समूह जन वितरण प्रणाली के कार्डधारियों को ससमय राशन मिले इसे लेकर बगल गांव तिहारो जन वितरण प्रणाली के दुकान में टैग किया गया था, जिसमे तिहारो गांव मे जन वितरण प्रणाली के दुकानदार के प्रोपराइटर ईश्वर दयाल द्वारा गुलाब स्वयं सहायता समूह के कार्डधारी को सूचित कराया गया था कि तिहारो जन वितरण प्रणाली के दुकान से कार्डधारी राशन का उठाव करें। जब तक गांव में अस्थाई व्यवस्था नहीं हो पता है राशन का उठाव कार्डधारी लोग को तिहारो के जनवितरण प्रणाली के दुकानदार ईश्वर दयाल यादव के पास करना है, लेकिन 219 कार्डधारी में 145 कार्डधारियों द्वारा तिहारो जन वितरण प्रणाली के दुकान से अंगूठा लगाकर राशन का उठाव किया जा रहा है। शेष कार्डधारी द्वारा अभी तक उठाव नहीं किया गया है। इस के आलोक में 5 दिसंबर 2024 को विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा द्वारा भंडरिया प्रखंड मुख्यालय के सभागार में एक बैठक आहूत की गई थी, जिसमें विधिक सेवा प्राधिकार के पीएलभी कलामुद्दीन अंसारी व एजीएम मोजेस किस्पोट्टा द्वारा निष्पादन करते हुए तिहारो जन वितरण प्रणाली के दुकान से का कार्डधारियों को राशन उठाव करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन अभी तक शेष कार्डधारी ने खाद्यान्न का उठा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि कार्डधारी के द्वारा जन वितरण प्रणाली की दुकानदार बदलने की बात कही जा रही है जिसके लिए जनवितरण प्रणाली के दुकानदार को बदलने के लिए कार्डधारियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद डीलर को बदला जा सकता है। तब तक कार्डधारी तिहारो गांव के जन वितरण प्रणाली के दुकान से ही राशन का उठाव करें।

## प्रखंड स्तरीय रबी फसल कार्यशाला का आयोजन

**नवीन मेल संवाददाता**

**डंडई।** बीडीओ देवलाल करमाली की अध्यक्षता में शनिवार को प्रखंड स्तरीय रबी फसल कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में आयोजित कार्यशाला में बीटीएम सत्येंद्र कुमार, फसल बीमा ब्लॉक कोऑडिनेटर रवि कुमार रजक,सांसद प्रतिनिधि उत्तम देव प्रजापति,प्रमुख प्रतिनिधि घुरविगन बैठा के अलावा कई किसान मित्र व किसान उपस्थित थे। इस दौरान बीटीएम सत्येंद्र कुमार द्वारा रबी फसल की खेती करने की विधि के साथ उसकी पैदावार क्षमता बढ़ाने को लेकर किसानों को जानकारी दी गई। बीटीएम ने कहा कि किसी भी तरह की फसल का पैदावार क्षमता बढ़ाने के लिए खेतों की अच्छी तरह जुताई और उसमें पानी का पटवन करना अति आवश्यक है। अच्छी तरह खेतों की जुताई से हर तरह के फसलों की पैदावार क्षमता में बढ़ोतरी होती है। इसके अलावा अन्य योजना जैसे सूक्ष्म सिंचाई योजना, मिलेट मिशन योजना, बीज वितरण योजना, किसान समृद्धि योजना, पीएम कुसुम योजना, कृषि ऋण माफी योजना की जानकारी कार्यशाला में उनके दी गई। बीडीओ देवलाल करमाली ने कहा कि रबी फसल हो या खरीफ फसल किसानों के लिए दोनों फसल काफी जरूरी है। दोनों तरह के फसलों से किसानो की आर्थिक स्थिति में काफी मजबूती आती है। मौके पर कृषक मित्र कमलेश प्रजापति, सुदामा प्रजापति, आत्मा राम, नसरूल्लाह अंसारी, विनय सिंह, शशि भूषण सिंह, श्यामलाल विश्वकर्मा, गोरखनाथ चौबे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

## सर्दी में बरसात से बढ़ी कनकनी

**नवीन मेल संवाददाता**

**रमना।** प्रखंड में शनिवार को मौसम के बदले मिजाज से रवि फसल को नुकसान का असार लगाया जा रहा है। किसान और पशुपालक सर्दी में बर्षा होने से फसल में रोग और पशुओं को बीमार होने का कारण बता रहे हैं। इस समय किसानों द्वारा रबी फसल का बुआई और सिंचाई का काम चल रहा है। रबी फसल में पानी कम चाहिए। इस बार वर्षा ठीक हुई थी, जिससे अभी भी दोहर सरेह के खेतों का बुआई सिंचाई किसानों द्वारा नहीं किया जा सका है, क्योंकि खेत सिंचाई योग्य नहीं हो पाए हैं। उपर से बिन बरसात इंद्र देव मेहरबान हैं। इस क्षेत्र में कृषि कार्य मौसम पर ही आधारित हैं। यदि मौसम साथ दिया तो किसानों की फसल अच्छी होती हैं और मौसम ने साथ नहीं दिया तो पैदावार अच्छी नहीं होती हैं। गत दिनों से बादल छाया हुआ था और गर्मी महसूस हो रहा था, लेकिन हल्की हुई बारिश से कनकनी से लोग शाम से पहले ही घरो में दुबक गये।

## कार्यक्रम

### तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

# डेवलपमेंट इंडेक्स सर्वे की पूरी प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य: ट्रेनर

**नवीन मेल संवाददाता**

**श्री बंशीधर नगर।** प्रखंड कार्यालय के सभागार में शनिवार को पंचायती राज विभाग के तत्वावधान में जन योजना अभियान 2024 अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित सहज कर्ता दल के सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में गठित ग्राम पंचायत कुंबा खुर्द, बिलासपुर, हलीवंता कला, पिपरडीह, चितविश्राम व नरही के ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल के सदस्य शामिल हुए। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर कौशल कुमार, सुरेंद्र दुबे द्वारा गांव की समस्याओं को पहचानने, उसका कारण जानने सहित उनके निवारण के लिए महिला सभा, बाल सभा, ग्राम सभा, विशेष ग्राम सभा के माध्यम से वार्षिक कार्य, शुरू योजना का निर्माण किये जाने के लिये विस्तृत जानकारी दिया। मास्टर ट्रेनर द्वारा बताया गया कि योजनाओं के निर्माण से पूर्व पंचायत डेवलपमेंट इंडेक्स सर्वे की पूरी प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य है। गांव में सभी ग्राम सभा पंचायत निर्णय एप के माध्यम से किया जाना है। पारदर्शिता के लिए सभी ग्राम सभा का फोटो व वीडियो पंचायत निर्णय एप में अपलोड करना आवश्यक है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को कई क्रियाकलापों, खेलों के माध्यम से ग्राम सभा की प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान पंचायत सचिव नंद कुमार मेहता, अमन कुमार केशरी, के एम सीमा, रोजगार सेवक संजीत कुमार, श्रवण राम, बिरेंद्र कुमार यादव, वीपीआरपी फैसिलिटेटर रिंकू देवी, पूनम कुमारी, सुलेखा देवी, वार्ड सदस्य कुमारी गरिमा, सीमा देवी, राम किशोर प्रसाद, उर्मिला देवी, शिला देवी, आंगनबाड़ी सेविका पूनम देवी, आशा देवी, शिला देवी, रीता देवी, कृषि मित्र दिलीप कुमार पटेल,भी ओ गायत्री देवी शकुंतला देवी सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षु उपस्थित थे।

### कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त की

**श्री बंशीधर नगर।** कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। शोकसभा को संबोधित करते हुए नेताओ ने कहा कि 1991 में भारत को आर्थिक संकट से उबारने वाले महान अर्थशास्त्री, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन अत्यंत दुःखद, कांग्रेस और देश के लिये अपूर्णीय क्षति है। नेताओ ने कहा कि आर्थिक उदारीकरण के लिये देश उन्हें सदैव याद रखेगा। प्रधानमंत्री ने देश को सूचना का अधिकार,शिक्षा और भोजन का अधिकार, मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं को देने का काम किया। वह सरल,सादगी,विनम्रता के प्रतिमूर्ति थे। शोकसभा के अंत मे उपस्थित कांग्रेसियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिये दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना किया।

### उपायुक्त के निर्देश पर खनन टास्क फोर्स की बड़ी कार्रवाई

# तीन सौ टन अवैध कोयला बरामद, छह पर प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

**लातेहार।** उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी नदीम शफी ने अवैध कोयला उत्खनन,भंडारण व परिवहन को लेकर शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र के सेरका व चिरु गांव में अवैध कोयला खनन कर भंडारण को लेकर छापेमारी की। जिसमें दो जगहों से 300 टन अवैध कोयला भंडारण कर रखे कोयला बरामद किया गया है। भंडारण के आस पास से ही अवैध कोयला का उत्खनन किया गया था। डीएमओ ने बताया कि जिला खनन टॉस्क फोर्स द्वारा यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सेरका गांव से 100 टन व चिरु गांव से 200 टन भंडारण कर रखे अवैध कोयला जब्त किया गया है। इससे जुड़े तस्करों ने कोयला को पुआल से ढ़क कर रखा था, ताकि अवैध उत्खनन की जानकारी किसी को नहीं हो। उन्होंने बताया कि इस अवैध कारोबार में जुड़े छह लोगों पर प्राथमिक की दर्ज की गई है। जिसमें जनाब मियां पिता मोबाइल मियां, अनवर अंसारी पिता शमीम अंसारी, तोहिद अंसारी पिता अहीर मियां, शमशाद अंसारी पिता तैयब मियां, तबारक अंसारी (सभी पांचों सेरका, हेरहंज) व जुनैद मियां (चिरू, हेरहंज) शामिल है। छापेमारी अभियान में खान निरीक्षक पद्मलोचन ओहदार, हेरहंज सीओ, अंचल निरीक्षक, अमीन व हेरहंज थाना पुलिस शामिल थी।

#### तीन ट्रैक्टर जब्त

*डीएमओ नदीम शफी ने अवैध पत्थर परिवहन कर रहे तीन ट्रैक्टर को भी जब्त किया है। उन्होंने बताया कि दो ट्रैक्टर को लातेहार थाना क्षेत्र के तुबेद के पास से जब्त की गई है, जबकि एक ट्रैक्टर बालूमाथ हेरहंज रोड की मेराल के पास से की गई है। तीनों वाहन को जब्त कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।*

#### अवैध खनन बर्दाश्त नहीं : उपायुक्त

*उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध खनन परिवहन व भंडारण बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय अधिकारी अवैध खनन परिवहन व भंडारण करने वालों पर पैनी नजर बनाए रखें। इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध खनन को पूर्णतः रोकें।*

#### अवैध भंडारन करने वालों पर होगी कार्रवाई : डीएमओ

*जिला खनन पदाधिकारी नदीम शफी ने कहा है जिले में अवैध खनन,परिवहन व भंडारण करने वाले किसी भी कीमत में बख्स नहीं जाएगें। उन्होंने कहा कि अवैध खनन करने वालों पर विभाग पूरी नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के निदेर्शानुसार अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन करते पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्ति पर कड़ी कारवायी किया जाएगा।*

### पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर झामुमो ने शोक व्यक्त किया

**चंदवा।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर झामुमो प्रखंड कमेटी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। नेताओं ने इस दुःख की घड़ी में परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। प्रखंड अध्यक्ष सुरेश गंझू ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था जब गहरे संकट से गुजर रही थी, तब डॉ. मनमोहन सिंह ने साहसिक कदम उठाकर देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का काम किया था। उनका जाना देश के लिए अपूर्णीय क्षति है। दुनिया ने एक बड़ा अर्थशास्त्री खो दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री एक कुशल राजनेता के साथ एक अर्थशास्त्री भी थे। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा व विनम्रता के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। शोक व्यक्त करने वालों में युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रंजीत उरांव,जिला उपाध्यक्ष शितमोहन मुंडा, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी,प्रखंड सचिव मो. इजहार, हरि कुमार भगत, युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रजापति, प्रखंड उपाध्यक्ष मो. सरफराज,युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष डब्लू प्रजापति,रामधन गंझू,रशीद खान,रतनु गंझू,छोटू कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

## न्यूज बॉक्स

### राजद ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक जताया

**लातेहार।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शनिवार को करकट स्थित जिला राजद कार्यालय में शोकसभा कर दो मिनट का मौन धारण कर दिवगंत आत्मा की शांति के लिए ईश्वार से प्रार्थना की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने कहा कि डॉ. मनोहन सिंह देश के बहुत बड़े अर्थशास्त्री थे। उन्हें भारत का आर्थिक सुधारों का जनक कहा जाता है। उन्होंने अपने प्रधानमंत्रीत्व काल में मनरेगा, वनाधिकार व सूचना का अधिकार कानून ला कर प्रशासन के कामकाज को पारदर्शी बनाने की पहल की। लक्ष्मण यादव ने डॉ. मनमोहन सिंह को आर्थिक सुधारक बताया। कहा कि उनके निधन से पूरे देश को क्षति पहुंची है। प्रधान महासचिव मोहर सिंह यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह सभी दलों के आदर्श नेता थे। उन्होंने देश के आर्थिक विकास में अहम योगदान दिया। कार्यक्रम में प्रदेश समिति सदस्य रंजीत यादव, जिला उपाध्यक्ष भोला सिंह, प्रदीप यादव, निजाम अंसारी, विनय कुमार, प्रदीप यादव, अजीत श्रीवास्तव व विनय कुमार सहित राष्ट्रीय जनता दल के अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

### जहरीले फ्लाई एश ग्रामीणों को कर रहा है बीमार

**टंडवा (चतरा)।** प्रखंड मुख्यालय के समीप संचालित एनटीपीसी बिजली प्लांट से निकलने वाले जहरीले राख से प्रदूषित वातावरण में रहने वाले परेशान ग्रामीण कराह रहे हैं। इसे लेकर राहम पंचायत के मुखिया विश्वजीत उरांव ने बताया कि विभागीय उदासीनता से सड़क किनारे रहने वाले ग्रामीण दुर्घटनाओं का शिकार व प्रदूषण से बीमार और लाचार हो रहे हैं। टंडवा-पिपरवार सड़क से राख ढुलाई कर रहे सौरभ सागर, नवकार, आरटीपीएल समेत दूसरी अन्य कंपनियां व संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों के चित्कार से कोई फर्क नहीं पड़ता। निर्धारित मानकों को ताक पर रखकर ओवर लोड ढुलाई किया जा रहा है। बता दें कि पिछले ही दिनों सैंकड़ों शोषित आदिवासी परिवारों ने जिला व प्रखंड मुख्यालय का घेराव कर 11 सूत्री मांग का अल्टीमेटम पर विभागीय पहल अब तक कुछ भी नहीं हुआ। ऐसे में कयास लगाया जाता है कि ग्रामीणों के अंदर हीं अंदर सुलग रहे विरोध की चिंगारी विकराल रूप यहां कभी भी धारण कर सकता है।

### बच्चों को मौका देने से उनके अंदर की छिपी प्रतिभा बाहर आती है : प्राचार्य

**लातेहार।** डीएवी पब्लिक स्कूल लातेहार में सहगामी क्रियाकलाप गतिविधि प्रतियोगिता के तहत अंतर सदनीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यालय के कक्षा सात व आठ के छात्रों ने चारों सदन के हाउस बोर्डों को नये वर्ष के स्वागत के लिए हैप्पी न्यू ईयर 2025 लिखित अपनी हाथों से बनाई गई कई कलाकृति को बोर्ड पर प्रदर्शित किया। कक्षा पांच व छह के बच्चों ने नए वर्ष की शुभकामनाओं सहित न्यू ईयर ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में अपनी आर्ट एंड क्राफ्ट को प्रदर्शित किया। एलकेजी से वर्ग चार के बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लिया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में छोटे बच्चों ने कई रोल मॉडल चरित्र का प्रदर्शन किया। सभी बच्चे काफी उत्साहित थे। प्राचार्य घनश्याम कुमार सहाय ने कहा कि बच्चों को इस तरह के मौके प्रदान करने से उनके अंदर की छिपी प्रतिभा बाहर आती है। विद्यालय में इस तरह के आयोजन समय-समय पर होते रहने चाहिए। डीएवी विद्यालय साप्ताहिक सीसीए प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### आयुष्मान मेला में कई मरीज का किया गया निःशुल्क इलाज

**बालूमाथ।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बालूमाथ में आयुष्मान मेला का आयोजन किया गया। जिसमे डॉ. अमरनाथ प्रसाद, डॉ. सुरेंद्र कुमार के द्वारा कई रोगियों का निःशुल्क इलाज किया गया। गैर संचारी रोग का 45 रोगी, शिशु स्वास्थ्य के 10, मातृ स्वास्थ्य के10, रोगियों का ईलाज किया गया। 42 रोगियों का लैब टेस्ट किया गया। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में बीपीएम मृत्युंजय कुमार, बीडीएम योगेंद्र राम, एएनएम रीता टोप्पो, बिमला कुमारी, दिपांसु कुमार,अनिल कुमार, सीएचओ सरिता कुमारी, तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया।

# भाजपा नेता के प्रयास से 70 पीड़ित परिवारों को मिली मुआवजा राशि

नवीन मेल संवाददाता

**चंदवा।** प्रखंड क्षेत्र में हाथियों का उत्पात बदस्तूर जारी है। हाथी लगातार क्षेत्र में उत्पात मचा रहे हैं। हाथी ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों के फसलों व घरों को निशाना बना रहे हैं। इससे ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। शुक्रवार की रात हाथियों ने चंदवा प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र हेसालोंग निवासी सह बरवाटोली पंचायत के उप मुखिया परमेश्वर यादव के 50 डिसमिल में लगाये गए गेहूं व सरसो की फसल को रौंद डाला। इससे उन्हें भारी नुकसान पहुंचा है। पीड़ित परमेश्वर गंझू ने बताया कि देर रात हाथियों का झुंड गांव में आ धमका और खेत में लगे फसल को बर्बाद कर दिया। हाथियों के कारण उन्हें नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना मिलते ही प्रखंड प्रमुख पति सह भाजपा नेता राजू उंराव ने पीड़िता परमेश्वर यादव से हाथियों द्वारा पहुंचाये गए नुकसान की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वन विभाग से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

**पीड़ित परिवारों को मिला मुआवजा :** चंदवा प्रखंड के बुढ़मू वन क्षेत्र अंतर्गत बरवाटोली पंचायत के बेतर,रोहुम,मड़मा क्षेत्रों में हाथियों द्वारा जुलाई व सितंबर माह में उत्पात मचाते हुए सैकड़ों किसानों के घर व फसलों को नुकसान पहुंचाया गया था। इन परिवारों ने चंदवा प्रखंड प्रमुख पति सह भाजपा नेता राजू उंराव से मिलकर हाथियों द्वारा पहुंचाये गए नुकसान का मुआवजा दिलाने का आग्रह किया गया था। इसके बाद बुढ़मू वन विभाग द्वारा शनिवार को 70 पीड़ित परिवार के बीच मुआवजा राशि के रूप में चेक वितरण किया गया। मुआवजा राशि मिलने के बाद पीड़ित परिवारो ने बुढ़मू वन विभाग समेत राजू उंराव को साधुवाद दिया है। चेक मिलने के बाद सभी के चेहरों पर खुशी देखी गई। मौके पर बुढ़मू वन विभाग के अधिकारियों व भाजपा नेता राजू उंराव समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

# भगवान शिव गुरु के रूप में कार्य करते हैं : जिला संयोजक

### ▸▸ शिव गुरू शिष्य परिवार ने जिला संगोष्ठि का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

**लातेहार।** सदर प्रखंड के नावागढ़ पंचायत में शनिवार को शिव गुरू शिष्य परिवार का जिला स्तरीय संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लातेहार जिला के विभिन्न प्रखंडों से शिव शिष्य परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। जिला संयोजक नुनू मल्हार ने कहा कि हमें अधिक से अधिक शिव शिष्यों को जोड़ना है, ताकि उन्हें भी शिव का आर्शिवाद प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि प्रथमतः यह स्मरण रखना है कि भगवान शिव के गुरू स्वरूप से शिष्य के रूप में सानिध्य के लिए कोई वर्जना या बाध्यता नहीं है और न ही हो सकती है। उन्होंने कहा कि कम से कम एक माह में पुराने (तीन वर्ष के) गुरू भाई-बहन 10 व्यक्तियों को शिव गुरू से शिष्य के रूप में जोड़ कर तीन माह में मिल सकते हैं। अध्यात्म के क्षेत्र में हम जगत गुरु शिव और उनके शिष्यत्व की अवधारणा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। यह अवधारणा सबसे अनमोल भारतीय आध्यात्मिक विरासत में से एक है, जो दुर्भाग्य से केवल किताबों में ही रह गया। यह श्रद्धेय वारेण्य गुरु भ्राता हरींद्रानंद है। उन्होंने महसूस किया है कि भगवान शिव गुरु के रूप में कार्य करते हैं। भगवान शिव का शिष्य बनने के लिए तीन सूत्र प्रतिपादित किए हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव की उपासना करने से साधक के सभी रोग, दोष, पीड़ाएं दूर हो जाती है। बता दें कि भगवान शिव को आदिगुरु के नाम से भी जाना जाता है। गोष्ठि में जिला से सभी शिव शिष्य परिवार उपस्थित थे। सभी लोगों ने शिष्य से जोड़ने का संकल्प लिया। मौके पर रामसेवक साव, संतोष पासवान, पुष्प लता, अरुण विश्वास, तिरूपु कामेश्वर, गुड़िया, बिल्लू, प्रहलाद साहू और पृथ्वी साहू समेंत सैकड़ो शिव शिष्य मौजूद थे।

### अफीम फसल नष्ट करने की कार्रवाई जारी

**कुन्दा (चतरा)।** कुंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलवरिया के कामत जंगल में सात एकड़ में अवैध रूप से लगा अफीम फसल को ट्रैक्टर की सहायता से अभियान चलाकर नष्ट किया गया। नष्ट अभियान कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाई गई। थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह ने कहा कि थाना क्षेत्र में किसी भी परिस्थिति में अफीम की फसल नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि लोग खुद से अफीम फसल को नष्ट कर दें। अन्यथा पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई करेगी। खेती में संलिप्त लोगों को चिन्हित किया जा रहा है। जल्द चिन्हित कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आगे भी लगातार अफीम नष्ट करने का अभियान जारी रहेगा। अफीम नष्ट अभियान में थाना बल व वन विभाग के कर्मी शामिल थे।

### पुलिस ने 8 एकड़ में लगे पोस्ता की खेती को किया नष्ट

**बारियातू।** अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद रवानी ने गुप्त सूचना के आधार पर बारियातू थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन कर पुलिस व वन विभाग के संयुक्त करवाई में थाना क्षेत्र के बालूभांग पंचायत अंतर्गत ग्राम करम टांड़ के आसपास जंगली क्षेत्रों में आठ एकड़ में लगे पोस्ता के फसल को काटकर व ट्रैक्टर के माध्यम से जुताई कर नष्ट किया। थाना थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की यह कार्रवाई भविष्य में भी जा रहेगी। छापामारी दल में थाना के अन्य पदाधिकारी, थाना सशस्त्र बल, वन विभाग के रेंज ऑफिसर, वन क्षेत्र पदाधिकारी व अन्य कर्मी शामिल थे।

### गरीबों के बीच भोजन व कंबल का वितरण

**चंदवा।** शहर के मेन रोड निवासी रहे समाज सेवी रामेश्वर प्रसाद (अढ़तिया) की पुण्यतिथि पर उनकी पुत्री श्यामा रानी द्वारा सैकड़ों असहाय बुजुर्गों के बीच कंबल का वितरण किया गया। कंबल वितरण के दौरान सांसद प्रतिनिधि महेंद्र साहू ने कहा कि गरीबों की सेवा ही सच्ची सेवा है। इससे मन को शांति मिलती हैं। सभी लोगों को बेसहारों की मदद करनी चाहिए। इससे बड़ा कोई धर्म नहीं है। श्यामा रानी ने कहा कि मेरे पिता स्व रामेश्वर प्रसाद जी की पुण्यतिथि पर ठंड को देखते हुए 100 कंबल व भोजन का वितरण करवा रही हूँ, ताकि इस ठंड में कुछ गरीबों को राहत मिल सके। मौके पर प्रदीप साहू, राजकुमार साहू, दिलीप टुन्नू, भास्कर साहू,संतोष प्रसाद,सतीश प्रसाद, रामबाबू, सुधीर प्रसाद, राजेश प्रसाद मुकेश साहू, आशीष गुप्ता, विकास, मो. फैयाज, सीताराम समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

### एसडीएम ने जमीन संबंधी मामलों में किया स्थलीय निरीक्षण

# सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

**पथरगलड़ा (चतरा)।** शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सह आईएएस सन्नी राज जमीन संबंधी माले को लेकर स्थल निरीक्षण करने पहुंचे पत्थलगड़ा प्रखंड। इस दौरान एसडीएम ने बताया कि जमीन संबंधी विवाद एसडीएम कोर्ट में चल रहा है। उक्त मामले के विवादित स्थल गैरमजूरवा भूमि पर रुदो सिंह और दोदी साव दोनों पक्षों द्वारा दावा किया जा रहा है। जिसका औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रखंड के बरवाडीह शास्त्री चौक पहुंचकर ग्रामीणों द्वारा रोड के किनारे सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से बिल्डिंग बनाकर किए गए अतिक्रमण का निरीक्षण करते हुए एसडीएम ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नवाडीह-डमौल से लेकर सुभाष चौक व गांधी चौक पत्थलगड़ा एवं नोनगांव मोड़ तक रोड के किनारे लोगों द्वारा सरकारी जमीन का अतिक्रमण किया गया है। जिससे राहगीरों को दिक्कत होती है, रोड जाम लगता है और सड़क निर्माण में व्यवधान उत्पन हो रहा है। ऐसे में वैसे लोग स्वेच्छा से अतिक्रमण को छोड़ दे। दो दिनों का समय दिया गया है। आगे कहा कि समय का पालन नहीं किया गया तो प्रशासन की ओर से बुलडोजर चला कर अतिक्रमण हटाया जाएगा। साथ ही संबंधी को तोड़ने का खर्च देना होगा और साथ में कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं बरवाडीह निवासी रामलखन प्रजापति व गोविंद प्रजापति के ममाले में खाता 46 व प्लॉट 720 खतियानी जमीन का स्थल निरीक्षण करते हुए एसडीओ ने सीओ उदल राम को निर्देश दिया कि 1 जनवरी 2025 को स्थल पर दोनों पक्षों के साथ बैठक करें। बैठक मुखिया संदीप कुमार सुमन के अध्यक्षता में सीओ व थाना प्रभारी के संयुक्त निगरानी में किया जाएगा। जो पक्ष फैसला नहीं मानेंगे उनपर कानूनी कार्रवाई की निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बीडीओ कलिंदर साहू, मुखिया संघ के अध्यक्ष संदीप कुमार सुमन उर्फ महेश दांगी, कर्मचारी दिनेश रविदास, सरकारी अमीन संदीप रजक आदि उपस्थित थे।


जिला शिक्षा अधीक्षक, पलामू

पलामू समाहरणालय, मेदिनीनगर- 822101 दूरभाष सं0-06562-222621 ई-मेलः-Palamau.MDM@gmail.com

-: आवश्यक सूचना :-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सरकार के प्रभारी सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड, रांची के पत्रांक-17/विविध-06/2024....1528 दिनांक 24.12.2024 के द्वारा पलामू जिला अंतर्गत संचालित गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को RTE Act के तहत मान्यता प्रदान किया जाना है। मान्यता प्राप्त करने हेतु निम्नांकित तिथि निर्धारित की गई है।

1. जिले के सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को RTE के तहत मान्यता हेतु दिनांक 15.01.2025 तक Online आवेदन करना है।
2. सभी विद्यालयों द्वारा https://ret.jharkhand.gov.in पोर्टल पर विद्यालयों को मान्यता हेतु Online Form भरते हुए आवश्यक राशि का भुगतान दिनांक 15.01.2025 तक कर Online आवेदन समर्पित करना।
3. दिनांक 20.01.2025 को विद्यालयों द्वारा भरे गये सभी आवेदन का Online Scrutiny करते हुए Scrutiny में सफल विद्यालयों का Field Verification हेतु निर्धारण तिथि को असफल विद्यालयों का आवदेन कारण सहित विद्यालयों को Online वापस करना।
4. Online Verification में सफल विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए तत्संबंधित प्रतिवेदन दिनांक 15.02.2025 तक Online upload करना।
5. स्थलीय निरीक्षण में सही पाये गये विद्यालयों का Online आवेदन जिला प्रारंभिक शिक्षा समिति की बैठक हेतु उपायुक्त को online अग्रसारित कराना एवं दिनांक 20.02.2025 तक असफल विद्यालयों का आवेदन कारण सहित विद्यालयों को online वापस करना।
6. दिनांक 15.03.2025 तक जिला प्रारंभिक शिक्षा समिति की बैठक आयोजित कर विद्यालयों को मान्यता देने संबंधी विषय पर निर्णय लेना एवं बैठक की कार्यवाही Online Portal पर Upload करना।
7. दिनांक 20.03.2025 तक विहित प्रपत्र में मान्यता संबधी पत्र निर्गत करना तथा Online Portal पर उक्त पत्र का reference अपलोड करते हुए RTE Recognltion Certificate Online Generate करना।

नोट :- सभी निजी विद्यालय को सूचित किया जाता है कि दिनांक 15.01.2025 मान्यता प्राप्त करने हेतु Online Portal पर आवेदन करना सुनिश्चित करें।

जिला शिक्षा अधीक्षक,
पलामू।

PR 343069 District(24-25)D



कार्यालय जिला परिषद, पलामू।
E-mail-zilaparishad.palamu@gmail.com

ऑनलाईन नक्शा स्वीकृति संबंधी आवश्यक सूचना।

विभागीय संकल्प संख्या 3428/दिनांक 10.10.2017 द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के क्षेत्राधिकार में निर्माण होने वाले भवनों का झारखण्ड बिल्डिंग बायलॉज 2016 के प्रावधान के तहत ऑनलाईन नक्शा की स्वीकृति हेतु प्रावधान किया गया है।

उक्त के आलोक में पलामू जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित सभी आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10.10.2017 के उपरान्त ग्रामीण क्षेत्रों में 5000 वर्गफीट से अधिक क्षेत्रफल में निर्माण होने वाले आवासीय एवं व्यवसायिक भवनों का जिला परिषद स्तर से ऑनलाईन नक्शा पारित कराना अनिवार्य है। अन्यथा उक्त निर्माण को अवैध निर्माण की श्रेणी में माना जाएगा एवं अवैध निर्माण के विरूद्ध झारखण्ड बिल्डिंग बायलॉज 2016 के प्रावधानों के अधीन विधिसम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

ह0/-
उप विकास आयुक्त -सह-
मुख्य कार्यापालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, पलामू।

PR 343088 (District) 24-25 (D)



Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Medininagar Municipal Corporation

e-Procurment Short Tender Notice

| Sl. No.. | Tender id | Name of work | Estimate | Earnest Money | Tender Fee | Completion of Work |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Part – A | | | | | | |
| 1 | UDHD/MMC/22/ 2024-25 | Construction of RCC drain and pcc road from Ramjeet Vishwakarma house to sharwan kumar thakur and rcc drain from amreshlal house to chhotu singh house in ward no 3 under Medininagar Municipal Corporation | 1465880 | 29400 | 5000 | चार माह |
| 2 | UDHD/MMC/23/ 2024-25 | Construction of PCC Road, RCC drain Slab and chequered precast Cement Concrete tiles from Bairiya Chowk towards Patan Road in Ward No.-03 under Medininagar Municipal Corporation | 1653164 | 33100 | 5000 | चार माह |
| 3 | UDHD/MMC/24/ 2024-25 | Construction of PCC road from RCC Drain Nikunj Kumar Pal house via ramesh kumar, Vishal Kumar Sudhir Singh house to PCC road in ward no. 33 under Medininagar Municipal Corporation | 1761090 | 35300 | 5000 | चार माह |
| 4 | UDHD/MMC/25/ 2024-25 | Construction of paver block road from (i) Dumari Aahar to Anilm kumar house (ii) Tad tree to pintu thakur house in ward no 34 under Medininagar Municipal Corporation | 1075370 | 21600 | 5000 | चार माह |

Part – B

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Date Of Publication Of Tender | 30/12/2024 At 10:00 AM |
| 2 | Date Of Publication Of Tender On Website | 30/12/2024 At 10:00 AM |
| 3 | Mode Of Submission Of Bids | E-Tendering Http//:Jharkhandtenders.gov.in |
| 4 | Date Start Of Submission Of Bids | 30/12/2024 At 10:00 AM |
| 5 | Last Date/Time Of Submission Of Bids | 15/01/2025 AT 02:00 PM |
| 6 | Date Of Bid Opening | 16/01/2025 AT 02:00 PM |
| 7 | Name & Address Of Office Inviting Tender | Municipal Commissioner, Medininagar Municipal Corporation |
| 8 | Contact No. Of Procurement Officer | 9430783582, 8409756635 & 9386849354 |
| 9 | Helpline Number Of E-Procurement Cell | 9430783582, 8409756635 & 9386849354 |

NOTE :- Only E-Tender will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in & Notice Board office of the Medininagar Municipal Corporation

ह0/- नगर आयुक्त -सह- प्रशासक
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 343062 District (24-25)_D

## नए साल में सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने की तैयारी में परिवहन विभाग, चलेगा सघन जांच अभियान

# जांच अभियान साथ टैक्स डिफॉल्टरों पर होगी कड़ी कार्रवाई: डीटीओ

**नवीन मेल संवाददाता**

**लोहरदगा।** परिवहन विभाग मंत्रालय झारखंड सरकार के निर्देश पर नए साल में लोहरदगा जिले में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी लोहरदगा जिले के परिवहन पदाधिकारी सुधीर प्रकाश ने देते हुए बताया कि नये वर्ष के आगमन पर लोग पिकनिक स्थल में आते-जाते है तथा नशीलें पदार्थों का सेवन कर तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाते है। जिसके कारण सड़क हादसे में वृद्धि होती है। साथ ही ठंड बढ़ने के कारण कोहरे का प्रकोप भी बढ़ रहा है। घने कोहरे से लो विजिबलिटी के कारण की वजह से भी दुर्घटनाएँ बढ़ती है। उन्होने बताया कि पूर्व में हुए सड़क दुर्घटनाओं के विभाग द्वारा प्राप्त आंकड़े के आकलन से दिसंबर तथा जनवरी माह में दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ जाती है। जिसका मुख्य कारण ड्रंक एंड ड्राइविंग ओवर स्पीडिंग एवं रेस ड्राइविंग है। इसपर पुरी तरह लगाम लगाने हेतु दुर्घटना संभावित क्षेत्र पिकनिक स्थल, चौक चौराहो एवं अधिक आवागमन वाले स्थान पर ध्यान देने एवं सघन जांच अभियान चलाने तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर निदानात्मक उपाय संबंधी कार्य किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होने बताया कि स्कूल बस सहित सभी वाहनो के फिटनेस एवम परमिट जाँच की जाएगी। सभी टैक्स डिफॉल्टर अपना बकाया टैक्स भी जल्द से जल्द जमा कराए। अगामी 27 जनवरी तक जमा करने टैक्स डिफाल्टर वाहनो के 50 प्रतिशत अर्थदंड माफ किये जायेंगे। एवं जमा नही करने वालो पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आम लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाने के लिए प्रेस विज्ञप्ति एव बस स्टैंड में माइकिंग करवाई गयी है।

# मोटरसाइकिल जांच के दौरान 09 हजार फाइन की वसूली

**नवीन मेल संवाददाता**

**सेन्हा–लोहरदगा।** सड़क हादसे में कमी को लेकर पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां के निर्देश पर यातायात प्रभारी शिवशंकर मार्डी के नेतृत्व में सेन्हा थाना के समीप दो पहिया वाहन जांच अभियान चलाया गया। विदित हो कि सेन्हा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना आये दिन होना आम हो गया है.जिसे देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से क्षेत्र में लगतार वाहन जांच चलाने का निर्देश यातायात प्रभारी सहित विभिन्न थाना प्रभारियों को दिया गया है। वहीं जिला के वरीय पुलिस पदाधिकारी के निदेर्शानुसार सेन्हा थाना के समीप यातायात प्रभारी शिवशंकर मार्डी द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच के क्रम में 8 मोटरसाइकिल को जप्त कर सेन्हा थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया। सक्षम वाहन मालिक द्वारा जांच स्थल पर फाइन कटवा कर जप्त मोटरसाइकिल को मुक्त करवाया गया। यातायात प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया जाता है कि जांच के दौरान लगभग 16 मोटरसाइकिल चालक को बिना हेलमेट के चलाते हुए पकड़ा गया।

# डीएवी स्कूल में विज्ञान, कला एवं शिल्प प्रदर्शनी सह बाल महोत्सव का आयोजन

## उपायुक्त, एसडीपीओ समेत अन्य अतिथि हुए शामिल

**नवीन मेल संवाददाता**

**लोहरदगा।** एमबी डीएवी विद्यालय लोहरदगा में प्राचार्य जी पी झा के नेतृत्व व निर्देशन में विज्ञान, कला एवं शिल्प प्रदर्शनी सह बाल महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपायुक्त डॉ. बाघमारे प्रसाद कृष्णा मुख्य अतिथि तथा अतिथि एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा ,एलएमसी सदस्य चंद्रशेखर भगत, जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रिंसिपल, डीएवी लातेहार, डीएवी सिमडेगा, डीएवी खेलारी के प्रिंसिपल, सीओ कुडू मधुश्री तथा डिप्टी कमांडेंट सीआरपीएफ सुमित कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर रिबन काटकर किया गया। मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों व अभिभावकों द्वारा विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडल का निरीक्षण व प्रशंसा किया गया। तत्पश्चात रंगारंग कार्यक्रम की शुरूआत की गई। प्राचार्य जी पी झा द्वारा मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन किया गया। संगीत शिक्षक श्रवण कुमार पाठक के सहयोग से छात्राओं द्वारा मनोरम संगीत प्रस्तुत किया गया। नन्हें-नन्हें बच्चों द्वारा समाज को संदेश देता हुआ मोबाइल गेम के स्थान पर पारंपरिक खेल पर आधारित नृत्य, शिक्षिका आरती कुमारी, ज्योति पांडे और खुशबू कुमारी द्वारा सुर कोकिला लता मंगेशकर पर आधारित नृत्य, छात्रा स्नेहा देवघरिया द्वारा एकल नृत्य तथा शिक्षिका रीना रितिका तिर्की द्वारा नागपुरी नृत्य प्रस्तुत करवाया गया। जूनियर डीएवी के विविध प्रतियोगिताओं में विजित नन्हें विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. बाघमारे प्रसाद कृष्ण ने प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के प्रयास, उनकी रचनात्मकता तथा उनके पीछे शिक्षकों के सहयोग को काफी सराहा। नन्हे बच्चों द्वारा नृत्य के माध्यम से दिए गए संदेश की प्रशंसा करते हुए डीएवी संस्था के प्रति अपनी आस्था को व्यक्त किया। अंत में शांति पाठ द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया।

# ब्लूमिंग बड्र्स पब्लिक स्कूल में शोक सभा का आयोजन

**लोहरदगा।** ब्लूमिंग बड्र्स पब्लिक स्कूल लोहरदगा में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को विपदा सहन करने की शक्ति को लेकर ईश्वर से प्रार्थना की गई। विद्यालय के संचालक मुकेश कुमार गुप्ता ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और विख्यात अर्थशास्त्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी एवं कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस कार्यकाल में इन्होंने देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। डॉ मनमोहन सिंह डॉक्टरेट के डिग्री ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से प्राप्त किए थे और उन्होंने अपने करियर की शुरूआत चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में की। 1882 में वे आरबीआई के गवर्नर बने, पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में भारत के वित्त मंत्री रहे, इस दौरान उन्होंने कई नई आर्थिक नीति 1991 द्वारा लोग सुधार लाया और भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व अर्थव्यवस्था से जोड़ा। इस प्रकार उनके व्यक्तित्व के चर्चा करते हुए कहा कि उनके विचार और आदर्श सदैव प्रेरणादायक रहेंगे एवं उनकी सादगी और विद्वत्ता सभी के लिए अनुकरणीय है।

# यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल में शोक सभा का आयोजन

**भंडरा।** युनिवर्सल पब्लिक स्कूल नवडीह में शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में विद्यालय के निदेशक बैद्यनाथ कुमार पाण्डेय ने डॉ मनमोहन सिंह के जीवन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला । उन्होंने बताया कि अगर आप उनके जीवन को ध्यान से दिखेंगे तो पता चलेगा कि वे कितना संघर्ष कर जीवन में इतनी उंचाई तक पहुंचे। वे सादगी से परिपूर्ण मगर उच्च कोटि के विचारक थे। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्होंने बहुत सारे कदम उठाए। आज हमें उन्हें अपना आदर्श मानना चाहिए। इस मौके पर सभी टीचर्स, स्टूडेंट्स और स्टॉफ दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम में बबीता पाण्डेय, रमेश शर्मा, मनोज राय, मोशद्दिक अंसारी,जेबा परवीन, रामलाल महतो, फलक, मनीषा,मनीषा उराँव, रेखा, सीमरन, रेशम, नुतन, कामीनी, काजल और स्कूल के सभी स्टाफ उपस्थित थे।

# डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस जनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

**लोहरदगा।** जिला कांग्रेस कमेटी ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। कांग्रेस जनों ने स्वर्गीय डॉक्टर मनमोहन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। मौके पर जिला अध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह आर्थिक सुधारो के जनक थे। एक सफल अर्थशास्त्री एक दूरदर्शी राजनेता एक विद्वान और एक सौम्य व्यक्तित्व वाले नेता थे। जिनकी नीतियों ने भारत को विश्व की कतार में लाकर खड़ा किया था। उन्होंने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में राइट टू इनफार्मेशन, राइट टू एजुकेशन, राइट टू फूड, मनरेगा, वन अधिकार कानून, आधार, जमीन अधिग्रहण कानून, महिला सुरक्षा कानून और लोकपाल जैसे कानून लाए। देश की जनता के अधिकारों को मजबूत किया और जनता के हाथों में ताकत दिया।


# समाहरणालय, लातेहार
## (भू-अर्जन शाखा)

**समाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना**
(देखें नियम 6 का उप–नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0 दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक– 07.06.2024 के द्वारा राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतु S.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक हेतु ग्राम–डडैया चादर–I में भूमि का रकबा–**215.44** एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :– राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक मौजा– डडैया अंचल–चन्दवा जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :– डडैया चादर–I थाना नं0–247 राजस्व, थाना–चन्दवा पुलिस स्टेशन–चन्दवा, जिला लातेहार
3. भूमि की विवरणी :–

| क्र० सं० | ग्राम का नाम | खाता संख्या | प्लॉट संख्या | भूमि का वर्गीकरण | कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा) | अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में) | खतियानी रैयत का नाम | पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम | भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | डडैया चादर–I | 1 | 876 (P) | धान एक | 0.32 | 0.20 | अर्जुन यादव, पिता–त्रिलोकी यादव, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन टोला सरसा | अर्जुन यादव, पिता–त्रिलोकी यादव, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन टोला सरसा | उत्तर– राजेंद्र यादव दक्षिण– बनधनि उरांव |
| 2 | डडैया चादर–I | 2 | 99 | टांड़ दो | 1.05 | 1.05 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– रामचंद्र उरांव दक्षिण– निज |
| 3 | डडैया चादर–I | 2 | 105 | धान दो | 0.66 | 0.66 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– वासुदेव उरांव दक्षिण– निज |
| 4 | डडैया चादर–I | 2 | 106 | टांड़ दो | 0.19 | 0.19 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 5 | डडैया चादर–I | 2 | 107 | टांड़ दो | 0.95 | 0.95 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 6 | डडैया चादर–I | 2 | 111 | धान दो | 0.95 | 0.95 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 7 | डडैया चादर–I | 2 | 128 | धान दो | 2.39 | 2.39 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– करमनाथ सिंह दक्षिण– राजेंद्र यादव |
| 8 | डडैया चादर–I | 2 | 131 | टांड़ दो | 0.28 | 0.28 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– लालजित उरांव दक्षिण– पुरानी परती |
| 9 | डडैया चादर–I | 2 | 135 | मकान मय शहन | 0.03 | 0.03 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– दक्षिण– |
| 10 | डडैया चादर–I | 2 | 136 | टांड़ एक | 2.35 | 2.35 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 11 | डडैया चादर–I | 2 | 139 | टांड़ दो | 0.26 | 0.26 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 12 | डडैया चादर–I | 2 | 140 | टांड़ दो | 0.50 | 0.50 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– हरिलाल महतो |
| 13 | डडैया चादर–I | 2 | 144 | धान दो | 1.42 | 1.42 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 14 | डडैया चादर–I | 2 | 302 | धान दो | 0.82 | 0.82 | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | अली उराइन, पति– बुन्दो उराँव एक अंश, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। व भुनवा उरांव वो पुरना उरांव, पति–लधिया उरांव एक अंश समान, जाति– उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला पखल कोदुवा पत्रालय होलन। | उत्तर– एतवा उरांव दक्षिण– शीतल उरांव |
| 15 | डडैया चादर–I | 3 | 124 | टांड़ एक | 0.23 | 0.23 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– भोला उरांव दक्षिण– निज |
| 16 | डडैया चादर–I | 3 | 125 | टांड़ एक | 0.14 | 0.14 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– वासुदेव उरांव |
| 17 | डडैया चादर–I | 3 | 151 | टांड़ एक | 1.26 | 1.26 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– भगत दक्षिण– मोहित महतो |
| 18 | डडैया चादर–I | 3 | 454 | धान एक | 0.03 | 0.03 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– हरहन महतो |
| 19 | डडैया चादर–I | 3 | 455 | टांड़ दो | 0.10 | 0.10 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– हरिलाल उरांव दक्षिण– निज |
| 20 | डडैया चादर–I | 3 | 456 | टांड़ दो | 0.11 | 0.11 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– मंगल उरांव |
| 21 | डडैया चादर–I | 3 | 459 | धान एक | 0.08 | 0.08 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– रामचंद्र सिंह दक्षिण– एतवा उरांव |
| 22 | डडैया चादर–I | 3 | 460 | धान एक | 0.25 | 0.25 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– एतवा उरांव |
| 23 | डडैया चादर–I | 3 | 467 | टांड़ दो | 0.30 | 0.30 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– मंगल उरांव दक्षिण– निज |
| 24 | डडैया चादर–I | 3 | 468 | टांड़ दो नई परती | 1.05 | 1.05 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– सोमरी कुवंर |
| 25 | डडैया चादर–I | 3 | 521 (P) | टांड़ दो | 0.82 | 0.66 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– हुत्माश गंझु दक्षिण– कुलदेव उरांव |
| 26 | डडैया चादर–I | 3 | 580 | टांड़ दो | 0.55 | 0.55 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– मंगल उरांव दक्षिण– रामवृक्ष गंझु |
| 27 | डडैया चादर–I | 3 | 584 | टांड़ दो | 0.76 | 0.76 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– रामजीत उरांव दक्षिण– वरही उरांव |
| 28 | डडैया चादर–I | 3 | 585 | टांड़ दो | 0.03 | 0.03 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– मंगल उरांव दक्षिण– निज |
| 29 | डडैया चादर–I | 3 | 675 | टांड़ दो | 0.85 | 0.85 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– रामवृक्ष सिंह |
| 30 | डडैया चादर–I | 3 | 676 | टांड़ दो | 0.35 | 0.35 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 31 | डडैया चादर–I | 3 | 677 | टांड़ दो | 0.29 | 0.29 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 32 | डडैया चादर–I | 3 | 678 | टांड़ दो नई परती | 0.28 | 0.28 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 33 | डडैया चादर–I | 3 | 679 | टांड़ दो नई परती | 0.39 | 0.39 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 34 | डडैया चादर–I | 3 | 680 | टांड़ दो नई परती | 0.34 | 0.34 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– मोहित महतो दक्षिण– निज |
| 35 | डडैया चादर–I | 3 | 692 (P) | धान दो | 0.70 | 0.24 | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | आनन्द गंझिन उर्फ तेतरी गंझिन, पति– ललू पाहन, जाति–खरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय होलन। | उत्तर– मंगल उरांव दक्षिण– शुकुलनाथ सिंह |
| 36 | डडैया चादर–I | 6 | 306 | मकान मय शहन | 0.02 | 0.02 | बाडा एतवा, पिता–चरवा उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम कुशूम टोला | बाडा एतवा, पिता–चरवा उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम कुशूम टोला | उत्तर– दक्षिण– |
| 37 | डडैया चादर–I | 6 | 307 | टांड़ दो | 0.94 | 0.94 | बाडा एतवा, पिता–चरवा उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम कुशूम टोला | बाडा एतवा, पिता–चरवा उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम कुशूम टोला | उत्तर– बुद्धू उरांव दक्षिण– रास्ता |
| 38 | डडैया चादर–I | 7 | 211 | मकान मय शहन | 0.06 | 0.06 | एतवा उराँव, पिता–नन्हकू उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन | एतवा उराँव, पिता–नन्हकू उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन | उत्तर– दक्षिण– |
| 39 | डडैया चादर–I | 7 | 212 | टांड़ एक | 0.44 | 0.44 | एतवा उराँव, पिता–नन्हकू उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन | एतवा उराँव, पिता–नन्हकू उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन | उत्तर– एतवा उरांव दक्षिण– रास्ता |
| 40 | डडैया चादर–I | 7 | 213 | टांड़ एक | 0.38 | 0.38 | एतवा उराँव, पिता–नन्हकू उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन | एतवा उराँव, पिता–नन्हकू उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन | उत्तर– एतवा उरांव दक्षिण– निज |
| 41 | डडैया चादर–I | 7 | 268 | धान दो | 0.25 | 0.25 | एतवा उराँव, पिता–नन्हकू उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन | एतवा उराँव, पिता–नन्हकू उराँव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन | उत्तर– होन्जा उराईन दक्षिण– नन्दलाल उरांव |
| 42 | डडैया चादर–I | 8 | 55 | धान दो | 0.15 | 0.15 | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | उत्तर– धान दो रास्ता दक्षिण– निज |
| 43 | डडैया चादर–I | 8 | 56 | धान दो | 0.15 | 0.15 | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | उत्तर– धान दो निज दक्षिण– निज |
| 44 | डडैया चादर–I | 8 | 57 | धान दो | 0.10 | 0.10 | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 45 | डडैया चादर–I | 8 | 58 | धान दो | 0.15 | 0.15 | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | उत्तर– निज दक्षिण– बिहार सरकार |
| 46 | डडैया चादर–I | 8 | 59 | धान दो | 0.21 | 0.21 | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | उत्तर– निज दक्षिण– बिहार सरकार |
| 47 | डडैया चादर–I | 8 | 60 | धान दो | 0.11 | 0.11 | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 48 | डडैया चादर–I | 8 | 61 | टांड़ दो | 0.15 | 0.15 | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 49 | डडैया चादर–I | 8 | 62 | टांड़ दो | 0.24 | 0.24 | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 50 | डडैया चादर–I | 8 | 63 | टांड़ दो | 0.21 | 0.21 | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परवा पत्रालय होलन | उत्तर– निज दक्षिण– निज |

PR.NO.343116 Land Reforms(24-25):D

ह0/– उपायुक्त, लातेहार।

### स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

# विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों में फाइलेरिया की दवा का वितरण किया जाएगा : उपायुक्त

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

गुमला जिला मुख्यालय में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिविल सर्जन, एसीएमओ, डेम, डीएस सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और चिकित्सकीय कर्मी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की समीक्षा और आगामी अभियानों की तैयारियों को सुनिश्चित करना था।

**फाइलेरिया मुक्त अभियान की तैयारी**

बैठक में आगामी 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलने वाले फाइलेरिया मुक्त अभियान पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने बताया कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों में फाइलेरिया से बचाव हेतु दवाइयों का वितरण

किया जाएगा। गर्भवती महिलाओं, दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को छोड़कर, सभी को दवा का सेवन कराना अनिवार्य होगा। साथ ही, जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से फाइलेरिया के खतरों और रोकथाम के उपायों की जानकारी दी जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर जोर बैठक में अस्पताल प्रबंधन समिति के कार्यों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने खराब उपकरणों की मरम्मत, स्वास्थ्य केंद्रों के बुनियादी ढांचे के सुधार, और ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए। टीबी मुक्त अभियान, सिकल सेल कार्यक्रम, दिव्यांग प्रमाणपत्र, ओपीडी सेवाओं और एंबुलेंस प्रबंधन पर भी चर्चा हुई।

**ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं पर फोकस**

उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को गांवों में नियमित स्वास्थ्य जांच करने और प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित करने और ब्लॉक स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकों के आयोजन पर भी जोर दिया गया।

बैठक में उपायुक्त ने योजनाओं को समयबद्ध और प्रभावी तरीके से लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सभी संबंधित विभागों को मिलकर काम करना होगा।

# जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं : उपायुक्त

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में आयोजित ई-जनशिकायत कार्यक्रम में चैनपुर और भरनो प्रखंड के नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी समस्याओं को साझा किया। लगभग 20 आवेदकों ने पेंशन, राशन, जॉब कार्ड, सड़क निर्माण, सिंचाई सुविधाओं, विद्यालय भवनों की मरम्मती, और आंगनवाड़ी केंद्रों की समस्याओं समेत अन्य मुद्दे उठाए। उपायुक्त ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते

हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-जनशिकायत कार्यक्रम दूरस्थ नागरिकों के लिए प्रशासन से जुड़ने और राहत पाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही, उपायुक्त ने अधिकारियों को आधार कार्ड निर्माण और आम बागवानी योजना जैसी लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में नागरिकों ने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की।

# बाइक-ऑटो की टक्कर में दो गंभीर रूप से घायल

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** गुमला के एनएच-23 पर भरनो थाना क्षेत्र के दुम्बो मंदिर के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सिसई थाना क्षेत्र के लकेया गांव निवासी तीन दोस्त–कार्तिक लकड़ा (27), राजेंद्र महली (25), और राजा लोहरा (25)–एक ही बाइक पर सवार होकर जुरा बाजार से भरनो की ओर जा रहे थे। इसी दौरान, दुम्बो मंदिर के समीप सिसई की ओर तेज गति से जा रही एक ऑटो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के तुरंत बाद तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े, तभी वहां से

गुजर रहे एक ट्रैक्टर ने उन्हें और अधिक चोटिल कर दिया।

स्थानीय पुजारी दयानंद पुरी और अन्य ग्रामीणों ने तत्काल मदद करते हुए तीनों घायलों को ऑटो की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भरनो पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल कार्तिक लकड़ा और राजेंद्र महली को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। बाइक चालक राजा लोहरा को मामूली चोटें आईं और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

## आंदोलनकारी मोर्चा गुमला की बैठक में लिया गया अहम निर्णय

**गुमला।** झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा गुमला की बैठक आज मनोज कुमार भगत की अध्यक्षता में सूचना भवन गुमला में आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आंदोलनकारियों ने कई अहम प्रस्ताव पारित किए। विश्रामगृह और कार्यालय की मांगः झारखंड आंदोलनकारियों के लिए जिला मुख्यालय में विश्रामगृह और कार्यालय उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। पेंशन भुगतान पर रोषः बैठक में यह भी चर्चा हुई कि कई अंचल कार्यालयों द्वारा झारखंड आंदोलनकारियों की पेंशन राशि का भुगतान अब तक नहीं किया गया है।

## बकसपुर में नववर्ष पर मेले का आयोजन नागपुरी ऑर्केस्ट्रा रहेगा मुख्य आकर्षण

**गुमला।** गुमला प्रखंड के बकसपुर गांव में हर वर्ष की भांति इस बार भी 1 जनवरी को नववर्ष के उपलक्ष्य में मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला समिति के अध्यक्ष मुकेश नाग उर्फ फगुआ ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार मेले में नागपुरी ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम विशेष आकर्षण होगा।

इस कार्यक्रम में नागपुरी कलाकार नितेश कच्छप, चिंतामणि देवी, आरती देवी, चमरु महली, हुलास महतो समेत अन्य गायक-गायिकाएं अपनी प्रस्तुति देंगे। साथ ही, छत्तीसगढ़ से आने वाले डांसर्स भी मेले की रौनक बढ़ाएंगे। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न खेल-तमाशे और झूलों की व्यवस्था की जा रही है। मेला समिति ने बताया कि मेले टांड़ पर साफ-सफाई और तैयारियां जोरों पर हैं, ताकि आगंतुकों को बेहतर अनुभव मिल सके।

# तस्करी कर ले जाए जा रहे 21 गोवंशीय पशुओं को पुलिस ने किया जब्त

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र में पुलिस और ग्रामीणों की सतर्कता ने पशु तस्करों की योजना पर पानी फेर दिया। रायडीह थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह ने जानकारी दी कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 21 गोवंशीय पशुओं को तस्करी से बचाया।

सूचना मिली थी कि कांसीर से बांसडीह जाने वाले मार्ग पर परसा गांव के पास एक पगडंडी से पशु तस्कर गोवंशीय पशुओं को तस्करी के लिए हांक रहे हैं। पुलिस ने तुरंत परसा गांव पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से इलाके की घेराबंदी शुरू कर दी। लेकिन टॉर्च की रोशनी देखकर तस्करों ने अंधेरे का फायदा उठाया और जंगल में भाग निकले, पशुओं को वहीं छोड़ दिया। रायडीह पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से सभी 21 गोवंशीय

पशुओं को जप्त कर परसा गांव के एक सुरक्षित स्थान पर रखा। पशु तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और बाद में सभी पशुओं को जिम्मेदारी के साथ ग्रामीणों को सुपुर्द किया गया।

## पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर झारखंड नवनिर्माण दल ने व्यक्त किया गहरा शोक

**गुमला।** देश के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह के निधन पर झारखंड नवनिर्माण दल (जेएनडी) ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने कहा कि स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में देश को आर्थिक संकट से उबारने में ऐतिहासिक योगदान दिया। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान किए गए अनेक महत्वपूर्ण कार्यों के लिए देश उन्हें सदियों तक कृतज्ञता के साथ याद करेगा। स्वर्गीय मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए झारखंड नवनिर्माण दल ने अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों को रद्द करने की घोषणा की।

# करोड़ों की लागत से बन रहे पालकोट अस्पताल की दीवारों में दरार, निर्माण कार्य पर उठे सवाल

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** पालकोट प्रखंड मुख्यालय के पास गांधी नगर बस्ती के चट्टान पर करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे सरकारी अस्पताल की दीवारों में दरारें पड़ने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बसिया रोड के समीप स्थित इस अस्पताल भवन की स्थिति पर स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी है। संवेदक बबलू सिंह ने फोन पर स्वीकार किया कि समस्या है और इसे जल्द ठीक करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि साइड इंचार्ज मुंशी गुड्डू इस पर काम कर रहे हैं। वहीं, मुंशी गुड्डू ने बताया कि मुख्य दीवार को कोई नुकसान नहीं हुआ है, केवल बारिश के कारण साइड में ईंट का सपोर्ट ढह गया था, जिसे दोबारा बनाया जा

रहा है। हालांकि, जब अस्पताल भवन का निरीक्षण किया गया, तो सभी दीवारों में दरारें साफ नजर आईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य की सही समय पर जांच नहीं की गई, तो अस्पताल गिरने में देर नहीं लगेगी।

गांधी नगर बस्ती में बन रहे इस नए अस्पताल पर पहले से ही सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पालकोट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की उपस्थिति पहले से ही नगण्य रहती है। ऐसे में यह नया अस्पताल भी भूत बंगला बनने की कगार पर है। लोगों ने वरीय अधिकारियों से तत्काल जांच और सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की है।

### भरनो प्रखंड में आंगनबाड़ी सहायिका का चयन

# सुशीला उरांव और सुशांति बाड़ा बनीं नई सहायिकाएं

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** भरनो प्रखंड के दक्षिणी भरनो पंचायत अंतर्गत चेचियाटोली और पंडकीटोली गांव में बाल विकास परियोजना कार्यालय के तत्वाधान में आंगनबाड़ी सहायिका चयन के लिए आमसभा आयोजित की गई।

मुखिया ललिता देवी, सीडीपीओ नीलम केरकेट्टा, महिला सुपरवाइजर सुमन देवी और वार्ड सदस्य की उपस्थिति में हुए चुनाव में पंडकीटोली गांव से सर्वसम्मति से सुशीला उरांव और चेचियाटोली गांव से सुशांति बाड़ा को आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए चुना गया।

चयन के बाद सीडीपीओ नीलम केरकेट्टा ने चयनित सहायिकाओं को अपने मूल प्रमाण पत्र कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया।

### आमसभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया

आमसभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और चयन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से योगदान दिया।

# सिसई प्रखंड में सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना के तहत वस्त्रों का किया गया वितरण

**गुमला, सिसई।** सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना के तहत शनिवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद उमर फारूक अंसारी ने सिसई प्रखंड के शिवप्रसाद साहू के राशन दुकान में कार्डधारकों के बीच धोती, साड़ी और लुंगी का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान उमर फारूक ने कहा कि राज्य सरकार गरीबों के सम्मान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। हर साल इस योजना से गरीब कार्डधारकों को जोड़ते हुए मात्र ?10 में वस्त्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रखंड के सभी 81 राशन डीलरों को अनुदानित दर पर धोती, साड़ी और लुंगी उपलब्ध करा दी गई है। कार्डधारी अपने संबंधित डीलर से इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्डधारी उपस्थित रहे और सरकार की इस पहल की सराहना की।

# कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बेहतर परीक्षा परिणाम आए : अजय तिवारी

**नवीन मेल संवाददाता**

**गुमला।** सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गुमला के सभागार में विद्या भारती झारखंड प्रधानाचार्य सम्मेलन की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह सम्मेलन 5 से 8 फरवरी 2025 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से लगभग 250 प्रधानाचार्यों के शामिल होने की संभावना है।

बैठक की अध्यक्षता विद्या भारती झारखंड के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी ने की, जबकि गुमला विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में सम्मेलन के सुचारू संचालन हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं और दायित्वों की रूपरेखा तैयार की गई। इनमें कार्यालय व्यवस्था, भोजन, विद्युत, ध्वनि, जल, स्वच्छता, मंच सज्जा, चिकित्सा और स्वागत विभाग के कार्यों को प्राथमिकता दी गई।

**सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का लक्ष्य**

प्रदेश सचिव अजय तिवारी ने इस सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की बात कही। उन्होंने आचार्यों से विद्यालयों के शैक्षणिक पक्ष को सुदृढ़ करने और कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बेहतर परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने भैया-बहनों के साथ आत्मीय संबंध स्थापित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

**स्थानीय समिति के अधिकारियों की भागीदारी**

बैठक में स्थानीय समिति के अध्यक्ष रामकिशोर रजक, सचिव विजय बहादुर सिंह, प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष प्रभात कुमार दास, डॉ. कृष्ण कुमार, राजेश कुमार और रंजना साहू उपस्थित रहे। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर स्थानीय समिति के अधिकारियों के साथ भी विस्तृत चर्चा की गई।

शांति मंत्र के साथ बैठक का समापन हुआ।

# महाराष्ट्र से घर लौटते समय रहस्यमय तरीके से लापता हुआ कुंटवा का मजदूर

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

गुमला जिला के कुरुमगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत चैनपुर प्रखंड के कुंटवा गांव के निवासी बिरेंद्र मुंडा (पिता सोहराई मुंडा) महाराष्ट्र से मजदूरी कर अपने घर लौटने के दौरान 20 दिसंबर 2024 को रहस्यमय ढंग से लापता हो गए।

लापता मजदूर के पिता ने आज गुमला में मजदूर संघ उ.ऋ्ळ.व.क के जिला और प्रदेश कार्यालय में लिखित आवेदन देकर अपने बेटे को तलाशने की गुहार लगाई है।

**घटना का विवरण**

बिरेंद्र मुंडा अपने दो अन्य साथियों के साथ वास्को डी गामा रेल से मड़गांव रेलवे स्टेशन (महाराष्ट्र) से सवार होकर घर के लिए निकले थे। नागपुर रेलवे स्टेशन के आसपास से वह संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गए। उनके साथ मौजूद अन्य दो साथी भी इस बात की जानकारी नहीं दे पा रहे हैं कि बिरेंद्र अचानक कहां लापता हो गए।

**मजदूर संघ ने जताई चिंता**

इस घटना पर के प्रदेश सचिव जुम्मन खान ने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा की यह बेहद चिंता का विषय है कि हमारे जिले के मजदूर दूसरे राज्यों में काम करने जाते हैं और वहां से रहस्यमय तरीके से गायब हो जाते हैं। यह एक बड़ी चुनौती बन गया है। संघ ने आश्वासन दिया है कि वे अपने स्तर से बिरेंद्र मुंडा की तलाश के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

**सवालों के घेरे में सुरक्षा व्यवस्था**

यह घटना मजदूरों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

# गुमला विज्ञान केंद्र में नो-फायर कुकिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

गुमला विज्ञान केंद्र में साइंस हाइव गतिविधि के तहत नो-फायर कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 15 से अधिक छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और नवाचार का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को व्यावहारिक विज्ञान, स्वस्थ जीवन शैली, और आत्मविश्वास बढ़ाने के प्रति प्रेरित करना था।

**साइंस हाइव की खासियतें:**

इस अनोखी पहल के तहत बच्चों को न केवल विज्ञान की प्रायोगिक शिक्षा दी जा रही है, बल्कि रोचक गतिविधियों जैसे रोबोटिक्स, रागी प्रोसेसिंग सेंटर भ्रमण, और अन्य मनोरंजक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर दिया जा रहा है।

**रागी प्रोसेसिंग सेंटर का दौरा:**

छात्रों ने हाल ही में रागी प्रोसेसिंग सेंटर का दौरा किया, जहां उन्होंने तकनीकी प्रक्रियाओं और व्यवसाय विकास की बारीकियों को समझा।

**रोबोटिक्स और प्रैक्टिकल लर्निंग**

विज्ञान केंद्र में बच्चों को रोबोट बनाने और प्रायोगिक विज्ञान के माध्यम से उनकी तकनीकी और वैज्ञानिक सोच को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। साइंस हाइव गतिविधियां बच्चों को टीमवर्क, नवाचार, और आत्मनिर्भरता की भावना से लैस कर रही हैं, जो उनके व्यक्तित्व विकास और भविष्य की सफलता के लिए सहायक साबित हो रही हैं। बच्चों और अभिभावकों ने इस पहल को सराहा और इसे एक प्रेरणादायक कदम बताया।

### लावापानी में 1000 फीट की ऊंचाई से सात चरणों में गिर रहा पानी

# कुदरत के नायाब झरने से मोहित हो रहे पर्यटक, दूर दूर से देखने आते है लोग

**नवीन मेल संवाददाता**

**लोहरदगा।** जिले के पेशरार प्रखंड अंतर्गत लावापानी जलप्रपात की सुंदरता से लोग मोहित होकर खींचे चले आ रहे हैं. 1000 फिट की ऊंचाई से 7 चरणों में गिरने वाले झरने का पानी लोगों को खुद ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है. लोहरदगा ही नहीं बल्कि दूसरे जिलों के लोग भी अब आने लगे हैं. तत्कालीन एसपी कार्तिक एस की पहल पर लावापानी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का जो प्रयास हुआ था, वह आज रंग ला रहा है. भले ही एसपी कार्तिक एस फिलहाल लोहरदगा जिले से स्थानांतरित हो चुके हैं, लेकिन उनका किया गया प्रयास आज रंग लाता दिखाई दे रहा है. लावापानी में आने वाला हर कोई इसकी सुंदरता से मंत्रमुग्ध हो जाता है. हर कोई अपने कैमरे में लावापानी की सुंदरता को कैद कर लेना चाहता है. कल तक नक्सलवाद के नाम से लोहरदगा की पहचान थी, आज लावापानी जैसे पर्यटन स्थल लोहरदगा की पहचान को बदल चुके हैं. लोग लोहरदगा को खूबसूरत वादियों के जिले के रूप में जानते हैं. हर रोज लोहरदगा के विभिन्न पर्यटन स्थलों के साथ-साथ लावापानी में भी बड़ी संख्या में लोगों का पहुंचना होता है. लोगों का आना-जाना यहां के पर्यटन विकास को प्रोत्साहन दे रहा है. यही वजह है कि जिला प्रशासन और वन विभाग द्वारा भी क्षेत्र को इको टूरिज्म के माध्यम से विकसित करने को लेकर प्रयास कर रहे हैं. स्थानीय लोगों के लिए भी पर्यटन विकास के माध्यम से रोजगार के साधन बढ़ने के आसार दिखाई दे रहे हैं. जल्द ही लावापानी तक जिला प्रशासन द्वारा पर्यटकों के लिए वाहन की सुविधा भी उपलब्ध कराए जाने की योजना है. बहरहाल जिले के पर्यटन स्थलों से लावापानी झरना का एक महत्वपूर्ण स्थान है। यह झरना पेशरार प्रखंड के ग्राम मवनपुर में स्थित है । यह जिला के अन्य पिकनिक स्थलों में से एक है यहां पानी पहाड़ के सात चरणों में कल कल प्रवाहित होती है लावा पानी जलप्रपात जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पेशरार ब्लॉक जाने के क्रम में केकरांग के लवासा रोड के माध्यम से जाया जा सकता है । लावापानी दावा करता है कि एक बार आकर इस प्राकृतिक सुंदरता को लोग निहारे । दिसंबर माह आने के बाद से लोग सोचने लगते हैं कि पिकनिक मनाने के लिए कहां जाये नए साल में सभी लोग सोचते हैं कि सुंदर जगह पर जाया जाए ताकि यादगार फोटो ले सके । लावापानी जलप्रपात झरना जाने के बाद मोबाइल में नेटवर्क नहीं पकड़ता है । लावापानी झरना में सैलानियों ने रोजाना लगभग सैकड़ों की संख्या में यहां आते जाते हैं यह झरना सुंदरता में चार चांद लग गया है । लावापानी दृश्य के चारों ओर कई प्रजातियों का वृक्ष है जो काफी मनमोहक है। नववर्ष हो कार्तिक पूर्णिमा का दिन हो या आषाढ़ की रथयात्रा या फिर मकर संक्रांति का पर्व यह गांव के लोग के साथ शहर के लोगो को अपनी ओर खींचता है झरना धारा पर खड़े सैकड़ों से अधिक चिकने पत्थर लावा पानी जलप्रपात का सौंदर्य आपको अपनी ओर जरूर आकर्षित करेगा। प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करने के लिए काफी संख्या में पर्यटक इस जगह पर आते हैं। लावापानी झरना प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध रहा है। बहुत ऊंचाई से गिरते हुए कई खंडों में कुंडों का निर्माण करता है । झरना हरे-भरे जंगलों से घिरा हुआ है। यह आकर्षिक जलप्रपात पहाड़ी पर स्थित एक कुंड से नीचे गिरती है जलधारा अलौकिक दृष्ट पैदा करती यह झरना इतनी ही मनमोहक है कि कई दिनों तक सैलानियों के आंखों के सामने घूमती रहती है।

# वरिष्ठ पत्रकार दीपक मुखर्जी निर्विरोध चुने गए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

**लोहरदगा।** लोहरदगा के वरिष्ठ पत्रकार दीपक मुखर्जी को दोबारा निर्विरोध राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुन लिया गया है। जिससे जिले के पत्रकारों में हर्ष का माहौल है। बताते चले कि नेशनल यूनियन का जर्नलिस्ट (इंडिया) के नए सत्र के लिए हुए चुनाव में पूर्वी क्षेत्र से झारखंड लोहरदगा के दीपक मुखर्जी को पुनः दो वर्षों के लिए निर्विरोध राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुन लिया गया है। इस पद के लिए उनका चयन दूसरी बार हुआ है। उन्हें बिहार, झारखंड, उड़ीसा के संगठन प्रभारी भी बनाया गया है। श्री मुखर्जी ने देश भर के पत्रकारों और संगठन से जुड़े अधिकारियों के प्रति कृतज्ञता जताते हुए संगठन को सर्वपरी बताया और कहा है कि इस राष्ट्रवादी संगठन से जुड़कर काम करने का अपना ही आनंद और सांगठनिक कामों को करने की अनुभूति है। झारखंड के लोहरदगा से पत्रकारिता के लिए राष्ट्रीय परिदृश्य में विशेष पहचान बनाने वाले दीपक मुखर्जी को तमाम लोगों ने बधाई दी है बधाई देने वालों में राष्ट्र के तमाम राज्यों के अलावा झारखंड बिहार असम उड़ीसा और पूर्वोत्तर राज्यों के पत्रकारों के अलावा स्थानीय पत्रकारों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

# रामनगर : बनारस के साए तले

अनिता रश्मि

वाराणसी में रहते हुए रामनगर की स्मृति भी ताजा हुई। वास्तव में इससे पूर्व मैं रामनगर...जी हाँ, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री जी के रामनगर में ही एक वैवाहिक समारोह में आई थी। वहाँ से विशाल गंगा के पीपा पुल को पारकर बनारस आना हुआ था...मात्र एक दिन के लिए। रामनगर में लाल बहादुर शास्त्री जी का पुश्तैनी पाएदार, लंबे बरामदेवाले खपरैल का मकान देखकर अभिभूत थी। उस जमाने के अन्य घरों की तरह ही वह आम घर था। फिर राजा का महल, जो संग्रहालय में ढल चुका था, देखा था। संग्रहालय में राजा-रानी, राजकुमारों की राजसी पोशाकें, सिंहासन, जिरह-बख्तर, छत्र, विविध प्रकार के हथियार और हाथी का विशाल हौदा आदि देखकर बहुत चकित हुई थी। उस समय किसी भी संग्रहालय को देखने का पहला अवसर जो था। बीत गए समय के एकांश को वर्तमान में जिलाए रखने की कवायद। सब कुछ देखने के बाद हम महल के पीछे तक गए थे। पीछे नजर आया था, बड़ा सा कुंड, कुंड तक उतरती रनिवास की चौड़ी सीढ़ियाँ। कुछेक लोग सीढ़ियों पर उतरते हुए भी दिखाई दिए थे। बताया गया, इन्हीं सीढ़ियों से रानी-राजकुमारियाँ स्नान के लिए आती थीं। अब न राजा के वे ठाठ रहे, न राजसी वस्त्र में सजी राजमहल की महिलाएँ, न कुंड में स्नान की आवश्यकता। हाँ, अब भी उनके कपड़े वगैरह धुलते हैं यहाँ। किसी ने बताया था, लेकिन अब भी वहाँ काशी नरेश के वशंज अनंत नारायण सिंह रहते हैं। हाथी पर या गाड़ी में नरेश जब निकलते हैं, डंका बजाया जाता है।'पूरी जनता भर रास्ते आनंदातिरेक में डूब राजा की अभ्यर्थना में खड़े होकर पुकार उठती है,

**हर-हर गंगे !...हर-हर गंगे !**

रामनगर में दशहरे में जगह-जगह रामलीला होती थी। उसके लिए जगह-जगह मैदान के आगोश में चबुतरे बने हुए थे। जिधर से निकली, अनेक रामलीला स्थल देखे। वाराणसी के नागरिक महाराज को अब भी आदर और प्यार देते हैं, ऐसा अस्सी घाट पर एक चायवाले से बात करते वक्त महसूस भी हुआ। उसकी श्रद्धा उसकी बातों से छलक रही थी। कमोबेस यह हालत वहाँ के हर नागरिक की है। अभी भी पीपा पुल देखने और रामनगर जाकर शास्त्री जी के घर का दर्शन करने की इच्छा पुनः बलवती। लेकिन साध पूरी नहीं हो सकी। कोरोना काल में ज्यादा घूमना उचित न था। अभी-अभी तो जानलेवा बीमारी की की दहशत कम हुई थी। गंगा वही थी पर पीपा पुल अब आधुनिक पुल में बदलकर रामनगर और वाराणसी को जोड़ रहा था। पर मेरे जेहन में दोनों को जोड़नेवाला वही पुराना पीपा पुल कैद था।

# मेरी ललिया

उम्र का सबसे सुंदर पड़ाव जहाँ से जीवन यात्रा शुरू होती है, वह शायद ही किसी के जेहन से निकलता है। बचपन दुःख में बीते या सुख में, इसकी एक अमिट छाप होती है। बात अगर बचपन के किसी दोस्त के साथ की हो,तब तो क्या कहने! थर्मल पावर परियोजना की एक कॉलोनी में मेरा बचपन बीता। पहाड़ियों से घिरा बेहद रमणीक स्थान। यह जगह बहुत छोटी थी इसलिए ज्यादातर लोग परिचित थे। प्राइमरी स्कूल में हम पाँच सहेलियाँ बहुत अच्छे दोस्त थे। आज भी उनसे सम्पर्क बने हुए हैं। यूँ तो सभी पढ़ाई में अच्छे थे,केवल एक को छोड़ कर। लालिमा , छोटे कद की, साधारण नाक - नक़्श वाली एक मितभाषी लड़की थी। हम दोनों साथ बैठते थे। मैं कक्षा में जो भी लिखती,उसे वह उतार लिया करती थी। छोटे - छोटे, अलग - अलग अक्षर होते थे। अनेक बार मैं छिपाने का कोशिश करती लेकिन वह मेरा हाथ हटाकर देख लेती और उतार लेती। मैंने घर में अपनी माँ को यह बात बतायी । माँ ने कहा, '' सब की दिमागी हालत एक - सी नहीं होती है। हो सकता है पढ़ाई उसके पल्ले न पड़ती हो। उसे यथासम्भव मदद करना। उससे तुम्हारा कुछ नहीं जाएगा ,लेकिन किसी के ऊपर उपकार हो जाएगा। '' माँ की यह बात मैंने ऐसी गाँठ बांधी कि कई दफा उसके गृहकार्य भी स्कूल में ही मैं बना दिया करती। इससे वह बहुत खुश होती। पहले कभी - कभार ही वह खेलने निकलती,पर अब अक्सर आने लगी। कोई मेरे बारे में कुछ कह दे तो वह लड़ जाती। स्कूल के नियमानुसार पाँचवीं - छठी कक्षा तक तो किसी को फेल करना भी नहीं था इसलिए जैसे - तैसे वह पास होती गयी। मैं प्यार से उसे 'ललिया' कहती और वह मुझ 'मिनवा'।

डॉ. कविता विकास

इस दौरान मैंने पाया उसे खाना बनाने में बहुत मन लगता था। 10-11 साल की उम्र से ही वह अपने बनाए हुए टिफि न लेकर स्कूल आती और हम सब मजा लेकर उसके टिफि न खाते,बदले में उसे अपनी - अपनी टिफि न खिला देते। पाँचवीं के बाद मेरे पापा के ट्रान्स्फर की बात चलने लगी। स्कूल में सभी को पता चल गया कि अगले सेशन में मैं स्कूल छोड़ दूँगी। लालिमा अचानक से उदास रहने लगी। एक दिन उसने मुझसे कहा, ''तू थी तो मैं पास हो जाती थी,अब शायद मैं आगे पढ़ भी न पाऊँ। तूने मेरे लिए बहुत किया है, मैं तेरे बिना कैसे रह पाऊँगी। बाकी सहेलियाँ तो मेरे कद - काठी का भी मजाक बनाते हैं, मुझे बुद्धू कहते हैं।'' उस उम्र में हम अपना अपमान नहीं समझ पाते थे। अब याद आता है तो लगता है,लालिमा का अपमान तो स्कूल क्या, उसके घर पर भी होता था। उसके मौन रहने का शायद यही कारण रहा होगा। मैंने उससे कहा, '' तू किसी की बात पर ध्यान न देना। दसवीं तक तेरा प्रोमोशन तो हो जाएगा लेकिन बोर्ड परीक्षा के लिए मेहनत करनी होगी। तू महत्त्वपूर्ण प्रश्नों को केवल पढ़ना। पास हो जाएगी।'' उस समय मोबाइल का जमाना तो था नहीं। हमलोग पटना आ गए। लालिमा का साथ छूट गया। अपने विद्यालयीय जीवन के बाद, कॉलेज और फिर शिक्षिका की नौकरी, कहीं भी कोई ऐसा मंद विद्यार्थी मिलता तो लालिमा की याद आ जाती। 'तारे जमीं पर' देख कर समझ में आया था कि हो न हो लालिमा भी डिसलेक्सिया की ही मरीज तो नहीं थी जो उस समय पता नहीं चला था। सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ने लगी तो पुराने फ्रेंड्ज भी मिले, लेकिन लालिमा नहीं मिली। किसी प्रोग्राम में जब मैंने अपने बचपन के स्थान पतरातु की चर्चा की तब एक लड़की, जो दर्शक दीर्घा में बैठी थी,ने बताया कि उसकी मौसेरी बहन भी वहीं रहती थी और उसका नाम लालिमा था। मैं इस तरह से लालिमा के बारे में जानूँगी यह तो सपने में भी नहीं सोचा था। मैंने उसे जिसका नाम बिन्नी था उसे अपनी दोस्ती, अपने प्यार के बारे में बताया। उसने बताया कि लालिमा की शादी हो गयी है, और उसने इंटर पास कर ली थी। मैंने उसका नम्बर लिया। बहुत कोशिश की उससे बात करने की, पर उसने फोन नहीं उठाया। फिर मैंने बिन्नी को फोन लगाया। उसने कहा, ''लालिमा दी किसी का फोन नहीं उठाती है। लेकिन मैं आपको उनसे अभी वाहट्स ऐप पर जोड़ती हूँ। '' बिन्नी ने ऐसा ही किया। मैंने उसे देखते ही कहा, ''लालिमा,कैसी हो?'' उसने कोई जवाब नहीं दिया। आँखें भी झुकीं हुईं थीं। उम्र के पैंतालिसवें पायदान पर भी वो बच्ची की तरह लग रही थी। बस गाल भर गए थे और भर माँग सिंदूर थे। मैंने फिर कहा, 'ललिया, ऐ ललिया, कुछ बोल।' उसने देखा, और बड़े प्यार से कहा,' मिनवा।' फिर हम दोनों रोते रहे। हमें बात करने की स्थिति में न देख कर बिन्नी ने फोन काट दिया। बाद में मेरे नम्बर पर उसकी बेटी ने अपना नम्बर दिया। उसने बताया, ''माँ ज्यादा नहीं बोल पाती है। लेकिन उसने कभी बताया था कि आप उनकी सच्ची सहेली थीं। वह काम चलने भर पढ़ -लिख लेती हैं। हमलोग उनका बहुत केयर करते हैं और वह भी घर के कामों में लगी रहतीं हैं। उन्होंने घर को सुंदर से सजाया है और नए-नए व्यंजन बना कर सबकी वाहवाही लूटती रहतीं हैं। किसी से अपनी तारीफ सुनकर खुश हो जाती हैं।'' मैंने बिटिया को सलाह दी,'' तुम ललिया के डिशेज को यू ट्यूब पर शेयर करो और धीरे-धीरे इस तकनीक को सीख कर माँ को इसमें व्यस्त करो। उनकी ओर से तुम अपनी आवाज देना।'' बेटी ने ऐसा ही किया, वह तो स्वयं कम्प्यूटर इंजीनियर थी। धीरे-धीरे अपनी घर- गृहस्थी में हम सब व्यस्त हो गए। वर्षों तक सम्पर्क नहीं हुआ।

नौकरी से अवकाश का समय भी नजदीक आ रहा था। एक दिन पोस्टमैन ने एक लिफाफा दिया, पता हिंदी में लिखा हुआ था। लिखावट भी पहचानी - सी लगी। छोटे-छोटे, अलग-अलग अक्षरों को जोड़कर बनाए हुए शब्द। अंदर एक गुलाबी रंग के पन्ने पर लिखा था,'' मेरी मिनवा, खूब लिखो, तुम्हें खूब यश मिले। फेसबूक में देखकर तुम्हारी छपी हुई रचनाओं वाली पत्रिका बेटी हमेशा लाती है। मुझे पढ़कर सुनाती है और मैं तुम्हारी तस्वीर उसके बच्चों को दिखा कर कहती हूँ, 'ये नानी है-कविता नानी। वहीं से तुम्हारा पता भी मिला। मैं तो तुम्हें कभी नहीं भूलूँगी। तुमने तो जीना सिखाया है।
शेफ लालिमा

**यू ट्यूबर : मेरी ललिया**

यह पत्र अभी भी मेरे पास है। अक्षर अब धुँधले हो गए हैं। आखिर आँसुओं की बूँदों को यह पत्र भी कितना सहता! मेरी सखी तुम प्रसन्न रहना, यह दुआ है ईश्वर से। यह सच है,भगवान एक राह बंद करता है तो अनेक राहें खोल भी देता है। मेरा भोगा हुआ यह सत्य है और लालिमा बहुतों के लिए आज प्रेरक बन गयी है।

# गृहप्रवेश

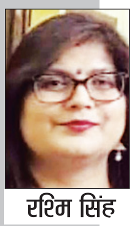

रश्मि सिंह

गजब की रौनक लगी थी। सोनल भारी बनारसी साड़ी और लकदक मेकअप में दुल्हन सी लग रही थी, ये बात और है कि लीपापोती के बाद भी उम्र तो चुगली कर ही दे रही थी। शर्मा जी(सोनल के पति) को भी उसने शेरवानी पहना कर ही दम लिया था। आखिर उसकी स्टेटस, उसके क्लास का सवाल था। बेटे बेटी भी आधुनिक परिधानों में लैस......यानि कुल मिलाकर एक हाई प्रोफाइल पार्टी दी थी सोनल ने अपने गृहप्रवेश में। शानदार ड्यूप्लेक्स जगमगा रहा था। एक एक सामान कीमती लगवाया था स्वयं सोनल ने अपनी पसंद का। अब उसे लगने लगा था कि अपने मायके और हाई क्लास दोस्तों को वह कॉम्पिटिशन दे सकती है। खैर पूरे विधि-विधान से गृहप्रवेश की पूजा सम्पन्न हुई। सबने उसकी और उसके घर की खूब तारीफ की। शर्मा जी को भी सब बधाई दे रहे थे, जिसका जवाब वह मुस्कराकर दे रहे थे पर मन बहुत बेचैन था। पिता की छवि बार बार आंखों में आती, जिन्होंने मरते हुए इकलौते बेटे से वचन लिया था....बेटा अपनी मां का और मां समान इस पुरखों की हवेली का हरदम मान बनाए रखना। इसकी हर ईंट में हमारे खानदान के संघर्ष की कहानी है। बेटा तेरी मां की जान बसती है इसमें, इसी में गृहप्रवेश किया था तब से इसकी जान इसी में बसती है। बेशक इसकी रौनक न रही,पर ये मान है हमारी। यहां हमें और तेरी माँ को सुकून मिलता है बेटा। इसे सम्भालना। हम दोनों के जाने के बाद इसे गांववालों के लिए स्कूल बना दिया जाय, यही मेरी इच्छा है।

शमार्जी ने चुपके से अपनी नम आंखें पोंछ ली। खुद से ही वितृष्णा हो रही थी उन्हें। पत्नी की मनमानी पूरी करते करते कितना गिर गये। वह पिता को दिया वचन मां के जीते जी तोड़ दिया। अपनी पत्नी संग गृहप्रवेश तो किया पर बूढ़ी मां को बेघर करके। उसका घर उसके जीते जी उसे बताए बिना बेचकर....मां सामने कुरसी पर बैठे गर्व से बेटे को निहार रही थी, उसकी उपलब्धि पर रश्क कर रही थी।

# जिंदगी आस में

जिंदगी आस में हम बिताते रहे,
ख्वाहिशों को लिए राह ताके रहे।
कुछ भी बदला नहीं वक्त इंसान ही,
आसरा हम लिए रोज घुटते रहे।
ओढ़ चोला शराफत का खामोश हो,
खुद को साबित जमाने में करते रहे।
बुजदिली की हदें पार सब ने किया,
हम यहाँ बेशबब चोट खाते रहे।
काट लोहे की लोहा ही होता यहाँ,
बदसलूकी में खामोश कैसे रहे।
अब न रखते किसी से कभी आसरा,
बस खुदाया मेरा हाथ थामे रहे।
लोग पाते वही जो वो देते 'अना',
रख गुमाँ रब खुदी को समझते रहे।

अनामिका मिश्रा

# जीवन तिरंगा

खुशबू बरनवाल 'सीपी'

भारत माता की जय। समिति अध्यक्ष ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान सभी के साथ गाएँ। सभी के अनुरोध पर उन्होंने समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा- तिरंगे के रंग और जीवन के रंग में बहुत हीं समानता है। तिरंगा में केसरिया रंग शक्ति और शौर्य का प्रतीक है। उसी तरह जब मुसीबतों का पहाड़ जीवन में टूट पड़ता है तो अपने अंदर की शक्ति को जागृत कर जीवन के इस साहसी केसरिया रंग के संग प्रत्येक समस्याओं का हल निकालने के लिए योद्धा बनना पड़ता है।.... तिरंगा का सफेद रंग शांति का प्रतीक है। उसी तरह जीवन जब शांति के साथ समतल सतह में आगे बढ़ता है और कोई उतार-चढ़ाव नहीं आता है। दैनिक कार्यों में परिवर्तन नहीं होता है। वह जीवन का शांत सफेद रंग है।... जिस तरह हरा रंग हरियाली और खुशहाली का प्रतीक है, जीवन में जब संपन्नता और प्रसन्नता होती है तो चारों ओर खुशियों का त्योहार मनाया जाता है। मन उल्लासित रहता है और नीरसता का नामोनिशान नहीं होता। और चक्र का रंग...? आयोजन में उपस्थित एक सदस्य ने पूछा। अध्यक्ष हँसते हुए बोलें, नीले रंग का चक्र आकाश, महासागर और सत्य को दशार्ता है। जीवन क्षण आकाश और महासागर की तरह अनंत है और मृत्यु अटल सत्य। अच्छे विचारों कार्यों और कर्तव्यनिष्ठ होकर हीं हम मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं। तभी ओजपूर्ण भाषण केसरिया रंग को, कई वादों की हरियाली दिखाकर हरे रंग को, जीत जाने के पश्चात कर्तव्य के प्रति उनकी सुकून विमुखता सफेद रंग को और पूरी प्रक्रिया के जाल चक्र में फँसने के लिए तर्जनी में नीले रंग की स्याही की उपेक्षा कर जीवन को रंगहीन बना देते हैं। कई दुष्ट और भ्रष्ट नेता ! इन पंक्तियों के तेज स्वर को सुनकर सभी स्तब्ध रह गएँ और सभी की दृष्टि उस सांवली सूरत परंतु आत्मविश्वास से भरी हुई लगभग अट्ठारह वर्ष की किशोरी की ओर ठहर गई।

गीत

# अलाव

पुष्पा पाण्डेय

हार गया ऊनी अम्बर अब,
थर-थर काँपे आँत।
जब चलती है हवा हिमानी,
किट- किट करता दाँत।।
तब अलाव ही रक्षक लगता,
मिलता बहुत सुकून।
रही 'बोरसी' दादी की जो, आज उसे ही गून।
होती गर्म जब द्रव हथेली,
गरमाता है गात।
जब चलती है हवा हिमानी,
किट- किट करता दाँत।।
बैठक होती नर- नारी की, घेरे रहे अलाव।
कई तरह की बातें होती, नहीं रहा भटकाव।
गर्म लहू जब दौड़ पड़े तब,
यौवन देता मात।
जब चलती है हवा हिमानी,
किट- किट करता दाँत।।
जो नभ के हैं नीचे रहते, खूब सताती शीत।
है अलाव तब प्राण दायिनी,
सबसे प्यारा मीत।
अग्नि देव को नमन करे सब,
कट जाती है रात।
जब चलती है हवा हिमानी,
किट- किट करता दाँत।।
हार गया ऊनी अम्बर अब, थर-थर काँपे आँत।
जब चलती है हवा हिमानी,
किट- किट करता दाँत।।

# हौसला

गीता सिन्हा गीतांजलि

विशालाक्षी लाल बनारसी साड़ी और दुल्हन के जेवरातों से लदी फंदी थी। जब दूल्हे के साथ गाड़ी में बैठी तो उसका सारा साहस न जाने क्यों जवाब दे रहा था? रोती बिलखती माँ, दादी माँ, बाबूजी, छोटा भाई रोशन सब के सब आंसुओं के बीच दिखाई पड़ रहे थे। चचेरी बहनों में उमा, रमा, शारदा ऐसी मूर्तियां बन गई थी जिसे देखना भी पता नहीं भविष्य में नसीब होगा कि नहीं?

आँखों में सबकी तस्वीरें लिए वह सिसक रही थी। दूल्हा अपनी मोर मुकुट उतारकर अपनी दुल्हन की ओर देखा। कुछ बोलना चाह रहा था.... क्यों रो रही हो? हम हैं न तेरे साथ। इस बोल से भी विशालाक्षी को जरा भी धैर्य नहीं आया। उसे दादी माँ के आंचल की याद आई। वे शब्द जो मेहंदी, कंगन वाले हाथ पकड़ कर बोली थी .... 'हौसला' रख बेटी...... फिर फुसफुसाहट...... आवाजें कुछ भी सुनाई ना पड़ी.....

विशालाक्षी के कानों में विदाई के समय की आवाजें गूंज रही थी वो आवाजें...... हाँ, 'हौसला' ही तो रखना है...... ये जो जीवन साथी बन मुझे लिए जा रहा है, न जाने कब अपना रुख बदल ले। सासू माँ जिसे सिर्फ एक बार मैं देखी हूँ, न जाने मेरे किस काम में कमी निकाल दे....... ससुर जी न जाने कम दहेज के लिए ताने मार दें.... ननदें कब माँ से मेरे काम में मीन - मेख निकाल शिकायत कर दे....... दादी माँ ने ठीक ही कहा है...... 'हौसला' रख..... लेकिन यही तो मैं रख नहीं पा रही हूँ....... मायका छूटा, अब वह ससुराल में कदम रखने वाली थी।

## काव्य कोना

# दुर्योधन और कालचक्र

अवसर की पहचान उसे खुब थी
किन्तु राजपुत्र होने का अभिमान
कहीं और भी अधिक था
होता भी न क्यों कर उसे
द्रोण सरीखे गुरु थे उसके
देवव्रत (भीष्म) थे संरक्षक
वचनबध्दता उनकी कमजोरी,
अहंकार का खेल होना ही था
अंधभक्तों के बीच था बैठा।
यज्ञशाला में कौरव-पांडु पुत्रों
की धूम मची थी जौहर दिखलाने
की होड़ मची थी चमकते कवच-
कुंडल सुशोभित युवक
अनायास आया
अपने युद्ध कौशल के प्रदर्शन
की इच्छा दिखलाया
दर्शक दीर्घा में हुई कुन्ती मुर्छित
द्रोण हुए सबसे आशंकित
ज्येष्ठ कुरु ने भांप लिया
अपनत्व से वासुसेन को बाँध लिया।
अवसर की पहचान उसे खूब थी
पर हाय रे, अंत में काल ने
अपना रंग दिखलाया
केशव का सामायिक परामर्श
ठुकराया आगे केशव ने
पार्थ के सारथी होने का
निर्णय सुनाया युद्ध के पहले
युद्ध ने निर्णय सुनाया दुर्योधन
को अपने पराजय का
आभास कराया
कालचक्र ने अपना महत्व
समझाया।

नाग मणि

# पिता बिन मायका

मीरा सिंह

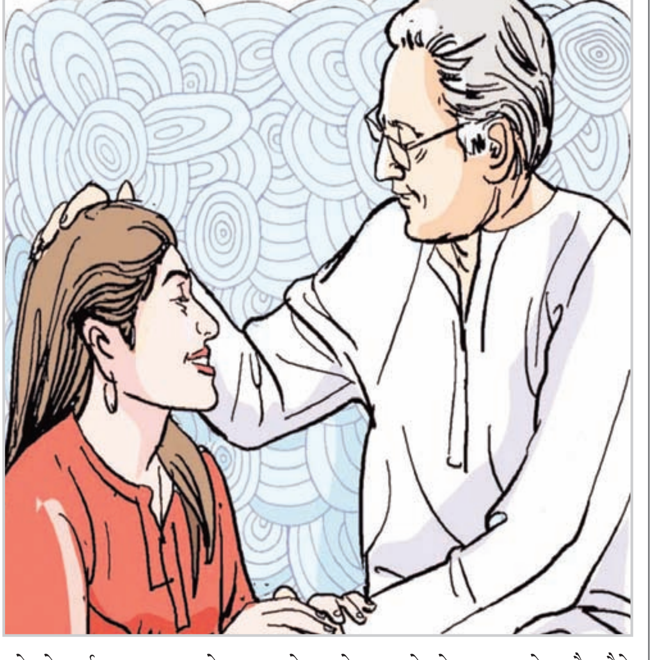

रेवती के मायके में सभी साथ मिलकर रहते थे। पिता को भी अपने बेटों पर नाज था। मुहल्ले के लोगों में भी उसके परिवार की चर्चा होती। सभी की नजरों में उनका परिवार एक आदर्श परिवार के रूप में स्थापित था। पर अंदर की बात कुछ और ही थी। वही जो अमूमन और घरो में होता था वो सब यहाँ भी होता। मानो सब पिता के डर से साथ रह रहे हों। वैसे रसोई सब की साथ ही बनती, पर अगर किसी को कुछ अच्छा खाने का मन किया तो वे लोग बाहर से मंगवा कर अपने कमरे में छुपाकर खा लेंते। भाभियाँ भी मिठाई और फल अपने अपने कमरें में ही रखा करतीं। पिता ये सब देखकर भी परिवार की शान्ति के लिए चुप रहते ।उन्होंने नोटिस किया था कि, उनके रिटायरमेंट के बाद बहुएँ ज्यादा हावी थी पतियों पर। उस समय रेवती अपने मायके आई हुई थी। उसके पिता एक रात कभी ना उठने के लिए सो गये थे। उनके इस तरह अचानक जाने के बाद वह माँ के पास ज्यादा से ज्यादा समय बिताने की कोशिश करती। बच्चों की जब भी छुट्टियाँ होतीं वह माँ के पास चली आती थी। उसने प्रायः नोटिस किया था दोनों भाई भी माँ के प्रति थोड़े लापरवाह हो गये हैं। इसका फायदा उन सब की पत्नियाँ भी उठातीं। सास को दो टाईम का खाना देकर अपने कर्तव्य से इतिश्री कर लेंतीं। बेचारी बूढ़ी अपने कमरे में पड़ी रहतीं। पति के जाने के बाद उनका खुद का घर ही उन्हें अपरिचित सा लगता। पोते पोतियाँ भी दादी से दूरी बनाकर रखते। उस दिन रात में सोने के समय रेवती का पाँच वर्षीय बेटा अचानक बोलने लगा, माँ हम लोग अपने घर कब जायेंगे। जल्दी ही, पर तुम ऐसा क्यों पूछ रहे हो। मम्मी जब बुआ आती हैं तो तुम कितना खुश हो जाती हो। रोज नये नये पकवान बना कर उन सबको खिलाती हो। पापा जो कुछ भी लाते हैं वो उसे डाइनिंग टेबल पर ही रख देते हैं। जिसको जितना खाना होता है वो खुद से लेकर खा लेता है। मैने कभी भी तुम्हें अपने कमरें में उन सब से कुछ भी छुपाकर रखते नहीं देखा। फिर ये मामी जी लोग मिठाई और फल अपने कमरे में क्यों रखती हैं माँ। आज खेलने के लिए नयन भैया को बुलाने गया तो वहाँ मैने नयन और विकास भैया को छुपकर कमरें में मिठाई खाते हुए देखा। वे लोग वहाँ किससे छुपकर खा रहे थे माँ।
बच्चे के मुख से ये सब सुन रेवती की आँखों में आसूँ आ गयें। वह सोचने लगी कि, आज अगर उसके पिता जिंदा होते तब भी क्या भाई और भाभियाँ उसके बच्चों के साथ ऐसा ही व्यवहार करतें।

# आजादी की कविता

मनीषा सहाय 'सुमन'

एक उड़ता पक्षी उँचे गगन में
उड़ता छूने को आसमान!
खोल हवा में पंखो को
फड़फड़ाते दूर निकल जाता
भरने आकाश का खालीपन!
पिंजड़े में बैठा
पंक्षी!
सलाखों की ओट
से, चुपचाप
एकटक आँखों
से, निहारता
अंतहीन ये गगन,
कह नही पाए वेदन अपनी!
भूल चूका है आकाश का स्पर्श!
क्योंकि! बाँध दिये गये उसके पैर!!
कतर कर उसके सुंदर पंख!
रोक दी गई है, उसकी उड़ान,
बेड़ियों के बंधन में जकड़कर!
सुख, सुरक्षा की बेरहम जंजीरों
में!
जकड़ा आज छटपटा रहा है
देख उँचे आकाश में
उड़ते स्वछंद नभचर को
और पिजड़े से ही दर्द भरी
आवाज में गाता है वह,
आजादी के कुछ नये गीत ,
अब चाहता है!
संघर्ष से भरे कुछ लम्हें,
स्वछंद भरना को तैयार एक
उड़ान, जो दे उसे जिंदगी की नई
पहचान!
आजादी! आजादी! आजादी!
केवल पिजड़े से नही,
बल्कि मानसिक गुलामी से!
हर सलाख को तोड़ने की
आजादी!
इसलिये गा रहा पिजड़े से
गीत आजादी के!
तोड़ दे अब हर बंधन
बना एक नई पहचान
लिख आजादी की एक कविता!
जो सदियों तक रचे इतिहास!

## रचना भेजिए

**समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/ व्हाट्सएप 82925 53444। –संपादक**

## आज का दोहा

**खुली खिडकियां बंद कर, बैठा है वह कौन।**
**पंडित जन हैरान हैं, संविधान भी मौन।।**
**सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)**

# खास्ता नाश्ता

सविता गुप्ता

भारतीय नाश्ता यानी अपना त्रिकोणीय ऊँची नाक वाला, भरा पुरा नमकीन गरमा गरम खास्ता समोसा। सुनते ही मुँह में पानी आ गया ना! नाम सुनते ही जी मचलने लगता है और खाने की ललक जाग जाती है। खुशबू ऐसी की भूख जगा दे। सच में मन करता है कि इसको इजाद करने वाले को सौ तोपों की सलामी दें। हर कोई चाहे पैसे वाला हो या कम पैसे वाला सबकी पहली पसंद अपना समोसा सस्ता, सुलभ,और स्वाद के तो क्या कहने...चाय के संग तो इसकी जोड़ी मानो ये इक दूजे के लिए ही बने हों। किसी से भी या जब भी पूछो समोसा हो जाए? मजाल है कोई ना कर दे। घर पर कोई मेहमान आ रहा हो तो कौन झंझट पाले नाश्ता बनाने का तुरंत दौड़ा दिया पास के नुक्कड़ पर झट पट आ गया गर्मी गर्म समोसा। मेहमान भी खुश, पूछ बैठेंगे कहाँ से मंगाया? बहुत अच्छा है। हम भी खुश चलो मेहमान को नाश्ता पसंद आया। हर छोटी मोटी पार्टी चाहें किटी पार्टी, बर्थडे, प्रमोशन, परीक्षा पास, या यार दोस्तों संग तफरी करना हो सबसे पहले समोसे की ही याद आती है। ये जनाब हर पार्टी में शान से प्लेट में मुस्कुराते पाए जाते हैं। इमली, धनिया, पुदीने की चटनी का भी इनके संग खूब भाव बढ़ जाता है।

कम कमाने वाला भी इसे खाकर तृप्त हो जाता है। जनाब हर दो कदम पर गर्मागर्म छनते हुए दिख भी जातें है मात्र पाँच से दस रुपए में आसानी से उपलब्ध। ठंड और बारिश के दिनों में तो इनकी इतनी पूछ होती है कि बस पूछो मत। भारत में तो समोसा प्रसिद्ध है ही विदेशों में भी जनाब बड़े शौक से खाए जाते हैं। क्रेडिट भारतीयों को ही जाता है जो जहाँ भी जाएँ इनके बिना रह नहीं पाते। हम भारतीय इनके स्वाद के इतने दीवाने हैं कि विश्व के हर कोने में समोसे को पहुँचा दिया है। वो अलग बात है इनका भाव विदेशों में आसमान छूता हैं। स्पेशल समोसा के तो क्या ही कहने थोड़ा पनीर, मटर, मूँगफली, किशमिश समोसे में डाल दिया और जनाब के नाम के आगे शाही जुड़ गया। चाइनीज फ़्लेवर वाले समोसे और समोसा चाट के चटकारे का आनंद ही कुछ और है। क्यों आप भी मानते हैं ना खास्ता नाश्ता समोसा हर नाश्ते पर भारी।

*–संयोजन : नरेश अग्रवाल*

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

# महाकुंभ में पहली बार होगा ड्रोन शो
## यूपी टूरिज्म की बड़ी तैयारी

**महाकुंभ नगर।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए तैयारियां काफी तेज गति से हो रही है। इसी क्रम में यूपी टूरिज्म विभाग महाकुंभ में पहली बार ड्रोन शो करवाने जा रहा है। महाकुंभ मेला क्षेत्र में संगम नोज पर यह अद्भुत नजारा श्रद्धालुओं को शाम के समय आकाश में देखने को मिलेगा। महाकुंभ का आयोजन प्रत्येक बारह वर्ष पर होता है। इस साल महाकुंभ 13 जनवरी से प्रारंभ होकर 26 फरवरी तक चलेगा। महाकुंभ को लेकर तैयारियां अंतिम दौर में हैं। यूपी टूरिज्म विभाग महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को नए अनुभव देने का प्रयास कर रहा है। महाकुंभ में यूपी टूरिज्म जहां एक ओर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, वाटर एक्टिविटी, हॉट एयर बैलून, लेजर लाइट शो जैसी गतिविधियां करवा रहा है, तो वहीं दूसरी ओर महाकुम्भ में पहली बार ड्रोन शो का भी आयोजन होने जा रहा है। इस संबंध में जिला पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने कहा कि महाकुंभ की शुरुआत और समापन के समय संगम नोज पर ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह महाकुंभ के यात्रियों और प्रयागराज वासियों के लिए एक नया और अनोखा अनुभव होगा। लगभग 2000 लाइटिंग ड्रोन प्रयाग महात्म्य और महाकुंभ की पौराणिक कथाओं का प्रदर्शन करेंगे।

# भाजपा बंद करना चाहती है दिल्ली वालों की सुविधाएं : केजरीवाल

**एजेंसी। नई दिल्ली**

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार द्वारा महिलाओं को 2,100 रुपये प्रतिमाह दिए जाने और बुजुर्गों का निःशुल्क इलाज कराए जाने जैसी योजनाओं को भाजपा रोकना चाहती है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इन योजनाओं की जांच के आदेश पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें किस चीज की जांच होगी। यह हमारी चुनावी घोषणाएं हैं, जिन्हें जांच के नाम पर ये रोकना चाहते हैं। केजरीवाल का कहना है कि भाजपा ने अपने इस कदम से अपनी नियत साफ कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा दिल्ली के लोगों को मिलने वाली सुविधाएं रोकना चाहती है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस मिलकर आम आदमी पार्टी को रोकने की कोशिश कर रही है। भाजपा की हिम्मत नहीं हुई तो भाजपा ने कांग्रेस के संदीप दीक्षित से उपराज्यपाल को शिकायत करवाई। केजरीवाल ने कहा कि वह इन योजनाओं को रुकने नहीं देंगे और हर हाल में दिल्ली में लागू करवाएंगे। उन्होंने दिल्लीवासियों से दोनों योजनाओं के तहत पंजीकरण करवाने को कहा।

# गुजरात में छह हजार करोड़ के घोटाले का हुआ पर्दाफाश

**एजेंसी। गांधीनगर**

गुजरात के गांधीनगर में सीआईडी क्राइम ने छह हजार करोड़ रुपये के घोटाले के मुख्य संदिग्ध भूपेंद्र सिंह झाला को गिरफ्तार किया है। यह घोटाला कथित तौर पर बीजेड ग्रुप द्वारा रचा गया था। झाला पिछले एक महीने से फरार था। गांधीनगर में सीआईडी क्राइम की आईजी परीक्षिता राठौड़ ने बताया कि झाला के खिलाफ पांच एफआईआर दर्ज की गई हैं। सीआईडी क्राइम टीम ने उसके दफ्तरों पर छापेमारी की थी, इसके बाद से वह फरार चल रहा था। झाला ने गुजरात के विभिन्न शहरों में बीजेड फाइनेंशियल सर्विसेज, बीजेड इंटरनेशनल ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड, बीजेड प्रॉफिट प्लस, बीजेड मल्टी ट्रेड, बीजेड ग्रुप ऑफ मैनेजमेंट, बीजेड ग्रुप ऑफ डेवलपर्स, बीजेड कैपिटल सॉल्यूशंस और बीजेड हैवी इलेक्ट्रॉनिक्स समेत कई कंपनियां स्थापित की थी।आईजी ने आगे बताया कि इन कंपनियों ने उच्च रिटर्न का वादा किया और मुफ्त टीवी, मोबाइल फोन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दौरे जैसे प्रोत्साहनों के साथ-साथ सावधि जमा पर सात प्रतिशत अधिक ब्याज की पेशकश की। सीआईडी के अनुसार, कंपनी ने निवेशकों को सामान्य बैंकों द्वारा दी जाने वाली ब्याज दरों से अधिक ब्याज दरों का लालच दिया। पांच लाख रुपये के निवेश के लिए, निवेशकों को 32 इंच का टीवी या मोबाइल फोन देने का वादा किया गया था। 10 लाख रुपये के लिए, कंपनी ने गोवा की यात्रा की पेशकश की और 7 फीसदी ब्याज की लिखित प्रतिबद्धताएं प्रदान की, साथ ही 18 प्रतिशत ब्याज के मौखिक वादे भी किए।गुजरात पुलिस की सीआईडी क्राइम ने बताया कि झाला पिछले एक महीने से फरार था। तकनीकी सर्विलांस के बाद उसे महेसाणा से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा है कि जो लोग इस फर्जीवाड़े यानी पोंजी स्कीम का शिकार बने हैं, वे अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

# आज का राशिफल

**मेष :** कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा।

**वृष :** स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ।

**मिथुन :** महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

**कर्क :** धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

**सिंह :** मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा।

**कन्या :** धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं।

**तुला :** रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है।

**वृश्चिक :** कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें।

**धनु :** जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा।

**मकर :** परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी।

**कुंभ :** मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

**मीन :** शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

# समाहरणालय, लातेहार
## (भू-अर्जन शाखा)

### सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना
(देखें नियम 6 का उप–नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0 दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक– 07.06.2024 के द्वारा राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतु S.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक हेतु ग्राम–डडैया चादर–I में भूमि का रकबा–**215.44** एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :– राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक मौजा– डडैया अंचल–चन्दवा जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :– डडैया चादर–I थाना नं0–247 राजस्व, थाना–चन्दवा पुलिस स्टेशन–चन्दवा, जिला लातेहार
3. भूमि की विवरणी :–

| क्र0 सं0 | ग्राम का नाम | खाता संख्या | प्लॉट संख्या | भूमि का वर्गीकरण | कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा) | अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में) | खतियानी रैयत का नाम | पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम | भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 146 | डडैया चादर–I | 37 | 155 | टांड दो | 0.61 | 0.61 | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 147 | डडैया चादर–I | 37 | 156 | टांड दो | 0.81 | 0.81 | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 148 | डडैया चादर–I | 37 | 157 | टांड दो | 0.71 | 0.71 | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 149 | डडैया चादर–I | 37 | 158 | टांड दो | 0.44 | 0.44 | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 150 | डडैया चादर–I | 37 | 159 | टांड दो | 0.11 | 0.11 | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 151 | डडैया चादर–I | 37 | 160 | टांड दो | 0.34 | 0.34 | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | उत्तर– निज दक्षिण– निज |
| 152 | डडैया चादर–I | 37 | 161 | टांड दो | 0.60 | 0.60 | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | दुलारी देवी, पिता–श्यामनारायण उराँव अठारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात सुमित्री कुँवर वो मुस्मात रधुआ, पति–टीपू उराँव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व रामचरन उराँव, पिता–टिपू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व एतवा उराँव वो दीपन उराँव वो नन्दलाल उराँव, पिता–नन्हकू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व सुर्या उराँव, पिता–चोटना उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व मुस्मात तेतरी उराइन, पति–लक्ष्मन उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व ओली उराँव, पिता– साहिवू उराँव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व जगु उराँव वो करमा उराँव वो धरमा उराँव, पिता–भिखी उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व धौउस वो शितल उराँव, पिता–रतिया उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला कुशुम पत्रालय होलन व बदरी उराँव, पिता–बिरसा उराँव | उत्तर– निज दक्षिण– निज |

PR.NO.343124 Land Reforms(24-25):D

ह0/– उपायुक्त, लातेहार।

## क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना, कहा-
# विनिसियस जूनियर गोल्डन बॉल जीतने के हकदार थे

**दुबई(हि.स.)।** दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना की और कहा कि रियल मैड्रिड और ब्राजील के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के रूप में नामित होने के हकदार थे। इससे पहले अक्टूबर में, मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री को 2024 पुरुष बैलन डी'ओर विजेता नामित किया गया था, उन्होंने अपने क्लब को लगातार चौथी बार इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब दिलाने में मदद की। क्लब फुटबॉल के अलावा, रॉड्री ने स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जर्मनी में 2024 यूरो में उनकी जीत में योगदान दिया, जहाँ उन्होंने जुलाई में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूनामेंट चुना गया। बैलन डी'ओर पुरस्कार समारोह के एक महीने बाद, विनीसियस ने द बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ द ईयर जीता और उन्हें दुबई ग्लोब सॉकर अवाड्र्स में प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी दिया गया। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवाड्र्स में 'बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर' का पुरस्कार भी दिया गया। ग्लोब सॉकर अवाड्र्स में रोनाल्डो ने कहा, विनिसियस को 2024 का पुरुष बैलन डी'ओर पुरस्कार देने से मना करना अनुचित था। मेरी राय में, वह [विनिसियस] गोल्डन बॉल [बैलन डी'ओर पुरस्कार] जीतने के हकदार थे। मैं यहां सबके सामने कह रहा हूँ। वे इसे रॉड्री को देते हैं, वह भी इसके हकदार थे, लेकिन उन्हें इसे विनिसियस को देना चाहिए था क्योंकि उन्होंने चैंपियंस लीग जीती और फाइनल में गोल किया। पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि ग्लोब सॉकर अवाड्र्स अन्य गाला से बेहतर है क्योंकि वे पारदर्शी हैं।

# रिकार्ड पांचवें फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से भिड़ेंगे पटना पाइरेट्स

**पुणे(आईएएनएस)।** रोमांच से भरे दूसरे सेमीफाइनल में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी को हराते हुए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के फाइनल में जगह बना ली है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में शुक्रवार रात को हुए इस मुकाबले में पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया। अब 29 दिसंबर को फाइनल में उसका सामना हरियाणा स्टीलर्स से होगा, जिसने सेमीफाइनल-1 में यूपी योद्धाज को हराया। पटना की जीत में अयान और देवांक (8-8 अंक) के अलावा डिफेंस से शुभम शिंदे (5), अंकित (4) और दीपक (3) का अहम रोल रहा। पटना के डिफेंस ने 9 के मुकाबले 12 अंक लिए। दिल्ली ने देर से ही सही रेडिंग में बेहतर करते हुए 16 के मुकाबले 17 अंक लिए। इसमें आशू (9) और मोहित (7) चमके। चौथे खिताब के लिए बेकरार पटना की टीम ने शुरूआती 10 मिनट में 8-3 की लीड बना ली थी। देवांक और अयान लगातार अंक ले रहे थे और डिफेंस भी खुलकर खेल रहा था। दूसरी ओर, दिल्ली के रेडर्स और डिफेंडर संघर्ष करते दिख रहे थे। एक समय दिल्ली ने स्कोर 3-4 कर दिया था लेकिन इसके बाद पटना ने लीड दोगुना से अधिक करते हुए दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। ब्रेक के बाद पटना ने दिल्ली को आलआउट की ओर धकेला लेकिन मोहित ने सुपर रेड के साथ न सिर्फ उसे बचा लिया बल्कि स्कोर भी 6-9 कर दिया। इस बीच अयान ने गौरव का और देवांक ने आशीष का शिकार कर दिल्ली को आलआउट सिचुएशन में ला दिया। फिर डिफेंस ने आशू को लपक पहले आलआउट के साथ 14-8 की लीड ले ली।

आलइन के बाद देवांक लपके गए लेकिन अगली रेड पर अयान ने उन्हें रिवाइव करा लिया। फिर अंकित ने नवीन को लपक स्कोर 16-9 कर दिया। इसके बाद शुभम ने आशू को भी लपक दिल्ली की मुश्किल बढ़ा दी। दिल्ली ने हालांकि डू ओर डाई रेड पर अयान को लपक नुकसान की भरपाई की कोशिश की। बहरहाल, पटना ने 17-10 के स्कोर पर पाला बदला।

## मैं हाईकोर्ट जाऊंगा : योगेश कथुनिया

**नई दिल्ली(आईएएनएस)।** दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने कहा कि वह खेल मंत्रालय से लिखित जवाब मांगने के लिए हाईकोर्ट जाएंगे कि प्रतिष्ठित सम्मान के लिए मानदंड पूरा करने के बावजूद उन्हें खेल रत्न पुरस्कार के लिए पात्र क्यों नहीं बनाया गया। टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीतने वाले पैरा डिस्कस थ्रोअर खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकित न किए जाने से निराश हैं।

कथुनिया ने शनिवार को आईएएनएस को बताया, यह खेल मंत्रालय के साथ मामला है, लेकिन उन्होंने अभी तक मुझसे संपर्क नहीं किया है। यह स्पष्ट पक्षपात है, जिन खिलाड़ियों का पीआर अच्छा है, उन्हें पुरस्कार मिल रहा है। वे हमारे जैसे खिलाड़ियों की अनदेखी करते हैं। इस तरह का व्यवहार एक ऐसे एथलीट के लिए निराशाजनक है, जिसने अपने जीवन के आठ साल देश को दिए हैं। भले ही मैं अपने लिए खेल रहा हूं, लेकिन मैं भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं।

अगर मैं हारता हूं, तो भारत हारेगा और अगर मैं जीतता हूं, तो भारत जीतेगा।

नवंबर 2021 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाले कथुनिया ने खेल मंत्रालय से अपनी चूक के पीछे स्पष्टीकरण मांगने के लिए मामले को अदालत में ले जाने का मन बना लिया है।

## महिला एशेज से बाहर हुई ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स

**मेलबर्न(हि.स.)।** ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स इंग्लैंड के खिलाफ 12 जनवरी से शुरू होने वाले वनडे मैचों के साथ मल्टी-फॉर्मेट महिला एशेज के दौरान एक्शन में नहीं दिखेंगी। मोलिनक्स, जिन्होंने इस महीने की शुरूआत में मेलबर्न रेनेगेड्स को महिला बिग बैश लीग खिताब दिलाया था, घुटने की समस्या से जूझ रही थीं। हाल ही में भारत के साथ सीरीज के बाद उन्हें दर्द हुआ और पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गईं। अब उन्हें घुटने की सर्जरी करानी होगी, जिससे वह कुछ समय के लिए आराम कर सकेंगी। टीम की फिजियोथेरेपिस्ट केट बीरवर्थ ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, सोफी मोलिनक्स अगले महीने अपने बाएं घुटने की सर्जरी करवाएंगी, जिसके बाद हम वापसी की अनुमानित तारीख के बारे में जानकारी देंगे।

## मेलबर्न टेस्ट : तीसरे दिन का खेल खत्म
# ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी के शतक की बदौलत भारत नौ विकेट पर 358 रन बनाए

**मेलबर्न (हि.स.)।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट खोकर 358 रन बना लिए हैं। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने बेहतरीन शतक जड़ा है और वह फिलहाल 176 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ मोहम्मद सिराज भी दो रन बनाकर नाबाद हैं। मेलबर्न में खेले जा रहे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारतीय टीम अभी भी 116 रन पीछे है। भारतीय टीम तीसरे दिन आज अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने संभलकर पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि पंत टीम के 191 के कुल स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने। पंत ने 28 रन बनाए। रवींद्र जडेजा भी 221 के कुल स्कोर पर नाथन लियोन का शिकार बने।

**ऑस्ट्रेलिया से 116 रन पीछे है भारतीय टीम**

## नीतीश रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने दिलाई वापसी

221 रन पर 7 विकेट खोकर भारतीय टीम मुश्किल में फंस गई थी और ऐसा लग रहा था कि भारत फॉलोआन खेलेगा, लेकिन यहां से नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर भारत को न सिर्फ फॉलोआन से बचाया, बल्कि मैच में वापसी भी दिला दी। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले पुरानी और फिर नई गेंद को भी संभलकर खेला और भारत के स्कोर को तीन सौ के पार पहुंचाया। नीतीश ने इस दौरान अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। नीतीश के बाद सुंदर ने भी अर्धशतक जड़ दिया। हालांकि इसके बाद वह ऑउट हो गए। उन्होंने 162 गेंद में 50 रन बनाए। 350 के स्कोर पर भारत को नौवां झटका लगा। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद नीतीश रेड्डी ने शानदार शतक जड़ दिया। उन्होंने 171 गेंद में चौका लगाकर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। इसके बाद खराब रोशनी की वजह से खेल रोका गया, लेकिन फिर बारिश शुरू हो गई जिसके चलते दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई। इससे पहले दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 82 रन, कप्तान रोहित शर्मा तीन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन बनाकर आउट हुए थे।

- ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे।
- पंत टीम के 191 के कुल स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने।

**नीतीश रेड्डी 85 और वाशिंगटन सुंदर 40 रन बनाकर खेल रहे हैं।**

### नितीश कुमार रेड्डी के पिता ने कहा
## 'हम अपने जीवन में इस दिन को नहीं भूल सकते'

***मेलबर्न।*** *28 दिसंबर, 2024 मुत्याला रेड्डी के जीवन में हमेशा के लिए एक अविस्मरणीय दिन रहेगा, क्योंकि उनके बेटे नितीश कुमार रेड्डी ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन नाबाद 105 रन बनाकर भारत के लिए मुश्किल परिस्थिति में हीरो बनकर खड़े हुए। जब नितीश ने स्कॉट बोलैंड की गेंद पर 171 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा, तो स्टैंड में बैठे मुत्याला की आंखों में आंसू थे और उन्होंने अपने आस-पास के सभी लोगों से बधाई मिलने पर दिल से हाथ जोड़कर भगवान का शुक्रिया अदा किया। हमारे परिवार के लिए, यह एक खास दिन है और हम अपने जीवन में इस दिन को नहीं भूल सकते। वह 14-15 साल की उम्र से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में, यह एक बहुत ही खास एहसास है। मैं बहुत तनाव में था (जब नितीश 99 रन पर थे)। केवल आखिरी विकेट बचा था। शुक्र है कि सिराज बच गया, मुत्याला ने ब्रॉडकास्टर फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए एडम गिलक्रिस्ट से कहा। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने एमसीजी में उपस्थित 87,073 प्रशंसकों के बीच अपने परिवार के सामने नितीश द्वारा अपना पहला टेस्ट शतक बनाने के क्षण को अभूतपूर्व बताया।*

## रेड्डी ने आज जिस तरह से अपना काम किया वह अद्भुत है : सुंदर

**मेलबर्न(आईएएनएस)।** भारत के ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में अपने पहले टेस्ट शतक को यादगार बनाने के लिए नितीश कुमार रेड्डी की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह से सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर ने अपना काम किया, वह शानदार था।तीसरे दिन के खेल में, रेड्डी भारत के लिए नाबाद 105 रन बनाकर हीरो बनकर उभरे - एक शानदार पहला टेस्ट शतक, जिससे मेहमान टीम ने 116 ओवर में 358/9 रन बनाए और वह ऑस्ट्रेलिया से 116 रन पीछे है। अपने पिता मुत्याला और परिवार के अन्य सदस्यों के सामने, रेड्डी ने स्कॉट बोलैंड की गेंद पर एक लॉफ्टेड ऑन-ड्राइव लगाया और 171 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। वह मानसिक रूप से बहुत मजबूत है। मैं उसे काफी वर्षों से जानता हूं। आज जिस तरह से उन्होंने अपना काम किया, वह अद्भुत है।" उन्होंने खेल में उन चरणों को चुना, जहां उन्हें लगा कि हम कुछ बाउंड्री लगा सकते हैं। उन्हें यह भी पता था कि हमें कुछ गेंदों को पार करने की भी जरूरत है, जब स्थिति हमारे लिए थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो। एक अविश्वसनीय शतक, इसके बारे में बहुत लंबे समय तक बात की जाएगी। सुंदर ने पोस्ट-डे प्रेस कॉन्फ्रेंस में शनिवार को कहा, नितीश के बारे में एक बात, चाहे वह कुछ भी कर रहा हो - मैदान पर या मैदान के बाहर - वह अपना 120 प्रतिशत देने वाला है। यह जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण है, न कि केवल क्रिकेट के प्रति। जाहिर है, मैंने उन्हें आईपीएल के दौरान भी काफी करीब से देखा है, उनका काम करने का तरीका, खेल के दौरान वह जो कुछ भी करते थे, वह हम सभी के लिए बहुत ही सुखद था।



## भारत के चालू खाता घाटे पर बैंक ऑफ बड़ौदा ने जारी की रिपोर्ट
# घाटा जीडीपी का 1.2 से 1.5 प्रतिशत तक रहेगा

### तेल की कम कीमतों के बावजूद रेमिटेंस भी लचीला रहा है : अदिति गुप्ता

**नई दिल्ली (आईएएनएस)।** एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) सकल घरेलू उत्पाद के 1.2-1.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की रिपोर्ट के अनुसार, सेवा निर्यात में तेजी और मजबूत रेमिटेंस (श्रमिक या प्रवासी हस्तांतरण) के सपोर्ट से उच्च व्यापार घाटे के बावजूद, देश का सीएडी वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद के 1.2 प्रतिशत पर सिमट गया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) के प्रवाह के कारण पूंजी खाता अधिशेष में वृद्धि हुई, जबकि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश फ्लो (एफडीआई) अधिक दर्ज किया गया। इस वजह से भुगतान संतुलन

(बीओपी) अधिशेष वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही के 2.5 बिलियन डॉलर की तुलना में 18.6 बिलियन डॉलर अधिक दर्ज किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री अदिति गुप्ता ने कहा, पिछले कुछ महीनों में भारत के एक्सटर्नल सेक्टर आउटलुक में कोई खास बदलाव नहीं आया है। नवंबर 2024 में व्यापार घाटे में तेज उछाल ने कुछ चिंताएं पैदा की हैं, लेकिन यह एक बार की बात हो सकती है, क्योंकि घाटा लगभग पूरी तरह से सोने के आयात में उछाल के कारण हुआ है।

कुल मिलाकर, भारत के भुगतान संतुलन को एफपीआई, ईसीबी और एनआरआई डिपोजिट्स से मजबूत प्रवाह का समर्थन मिला। इसके अलावा, व्यापारिक आयात में वृद्धि माल निर्यात में वृद्धि से आगे निकल रही है, जिसके कारण वित्त वर्ष 2014-15 के आधार पर व्यापार घाटा बढ़ गया है।

अर्थशास्त्री अदिति गुप्ता ने कहा, सकारात्मक पक्ष यह है कि सेवा निर्यात लचीला रहा है। उन्होंने कहा, तेल की कम कीमतों के बावजूद रेमिटेंस भी लचीला रहा है। आने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लागू की जा रही संरक्षणवादी व्यापार नीति के बढ़ते खतरे एक्सटर्नल सेक्टर आउटलुक के लिए एक प्रमुख खतरा होंगे। इधर, रिपोर्ट में कहा गया है, हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 1.2-1.5 प्रतिशत के प्रबंधकीय दायरे में रहेगा।

## डीजीसीए ने अकासा एयर के प्रशिक्षण और उड़ान संचालन निदेशकों को किया निलंबित

**नई दिल्ली (हि.स.)।** नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए अकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह-छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। डीजीसीए ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी है। अकासा एयर ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि डीजीसीए ने शुक्रवार को पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए उसके संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को 6-6 महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है। कंपनी ने जारी इस आदेश पर कहा कि वह डीजीसीए के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी और उसके अनुरूप अनुपालन करेगी। एयरलाइन ने कहा, सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं।

## वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहन में चीन का योगदान है 80 प्रतिशत
# इलेक्ट्रिक वाहन बनाने में चीन विश्व गुरु

**ब्यूरो**

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ोतरी में चीन का योगदान लगभग 80 प्रतिशत है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री वर्ष 2023 की पहली छमाही में 3 मिलियन (30 लाख) से बढ़कर वर्ष 2024 की इसी अवधि के दौरान 4 मिलियन (40 लाख) से ज्यादा हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 के पहले छह महीनों में वैश्विक स्तर पर 7 मिलियन (70 लाख) से अधिक इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं, जो वर्ष 2023 की इसी अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दशार्ती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक कार बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी वर्ष 2024 के आखिर तक लगभग 5 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। चीन के प्रभुत्व के बावजूद, अन्य बाजारों में भी

बढ़ोतरी देखी गई है। चीन के बाहर इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। इसमें ब्राजील, इंडोनेशिया, मैक्सिको जैसे देशों और मध्य पूर्व और कैस्पियन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। हालांकि, विकसित बाजारों में प्रदर्शन मिलाजुला रहा।

यूरोपीय संघ में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री स्थिर रही, जबकि जर्मनी में गिरावट आई। वहीं, अन्य यूरोपीय संघ के देशों में लगभग 3 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई। इस दौरान, यूनाइटेड किंगडम में ईवी की बिक्री में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जबकि यूरोपीय संघ में बिक्री स्थिर रही, जर्मनी में गिरावट ने अन्य जगहों पर हुए औसतन लगभग 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को संतुलित कर दिया।

रिपोर्ट में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) की तुलना में प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों (पीएचईवी) की बढ़ती लोकप्रियता पर भी जोर दिया गया है, जो 2024 की पहली छमाही में कुल ईवी बिक्री का 35 प्रतिशत से अधिक हिस्सा था। रिपोर्ट में एक अहम ट्रेंड बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों की तुलना में फेव को बढ़ती प्राथमिकता है।

चीन में, फेव की बिक्री में 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिसका मुख्य कारण रेंज-एक्सटेंडेड इलेक्ट्रिक वाहन (रीव) हैं। ये बड़ी बैटरी के कारण लंबी ड्राइविंग रेंज प्रदान करते हैं। इसमें कहा गया है, चीन में, फेव की बिक्री में बढ़ोतरी मुख्य रूप से रेंज-विस्तारित इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण हुई है। इनकी बड़ी बैटरी के कारण ड्राइविंग रेंज लंबी होती है। रीव की औसत रेंज 130 किलोमीटर है, जबकि मानक फेव की रेंज 80 किलोमीटर है। इसी तरह, संयुक्त राज्य अमेरिका में फेव की बिक्री में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि बेव की बिक्री में मात्र 5 प्रतिशत का इजाफा हुआ। रिपोर्ट में रेंज की चिंता को दूर करने के लिए बेहतर रिचार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर भी जोर दिया गया है। ड्राइविंग रेंज को लेकर चिंता, ईवी की खरीद को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। जैसे-जैसे ईवी बाजार का विस्तार होता है, चार्जिंग सुविधाओं

# नए साल को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

## हुड़दंगियों से सख्ती से निपटने का निर्देश

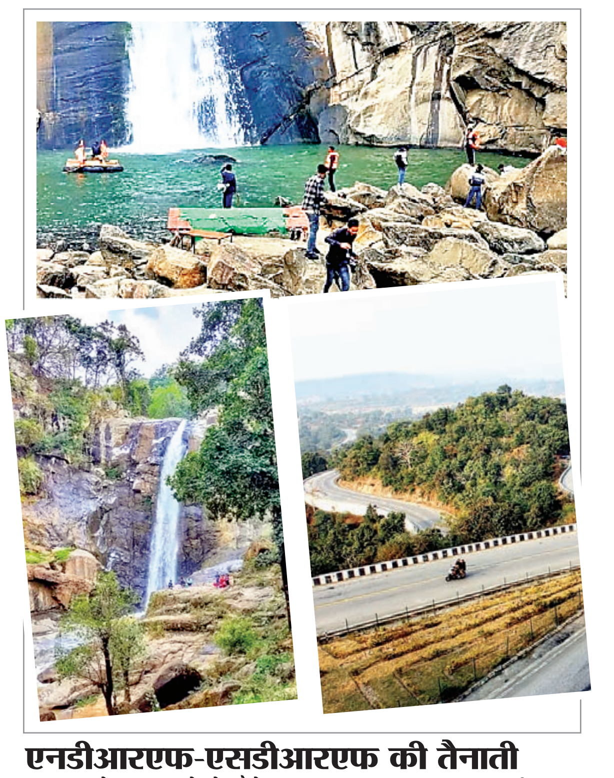

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** नए साल के स्वागत को लेकर पूरे झारखंड में कई कार्यक्रमों का आयोजन होना है। वहीं, साल खत्म होने से पहले पिकनिक स्पॉट पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इसे देखते हुए पुलिस मुख्यालय के द्वारा राज्य के सभी जिलों में पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। झारखंड पुलिस मुख्यालय की तरफ से सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपने-अपने जिले के सभी पिकनिक स्पॉट के अलावा शहर के रेस्टोरेंट और होटलों में सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से अलर्ट रहें।

**नए साल से पहले शुरू होगी ड्रंक एंड ड्राइव जांच**

झारखंड पुलिस के प्रवक्ता सह आईजी अभियान अमोल वी होमकर ने बताया कि नए साल के जश्न में किसी भी तरह का कोई बाधा ना आए, इसके लिए पुलिस ने अपनी पूरी तैयारी की है। आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि नए साल के मद्देनजर राज्य के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। सभी पार्कों, डैम, पर्यटन स्थलों के इर्द-गिर्द स्टैटिक फोर्स की प्रतिनियुक्ति की गई है। मजिस्ट्रेट भी सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। साथ ही न्यू ईयर पार्टियों पर भी ध्यान रखने को कहा गया है।

**शराब पीकर ड्राइविंग करने वालों की खैर नहीं**

राज्य में नए साल के जश्न के दौरान शराब पीकर ड्राइविंग करने के कारण दुर्घटना न हो, इसके लिए पुलिस की सख्ती रहेगी। रांची समेत राज्य के अन्य जिलों में पुलिस के द्वारा रात में स्पेशल ड्राइव चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। रांची में ट्रैफिक और दूसरे जिलों में भी इसके लिए ब्रेथ एनालाइजर का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस दौरान अगर शराब पीकर ड्राइविंग करते पकड़े गए तो लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान 31 दिसंबर की शाम से जनवरी के पहले हफ्ते तक चलाया जाएगा।

**एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की तैनाती**

झारखंड के हर जिले में वैसे पिकनिक स्पॉट्स पर जहां नदी, तालाब और झील हैं, वहां एहतियातन एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को अलर्ट किया गया है। वहीं, कुछ खतरनाक जगहों पर पहले से ही एनडीआरएफ की टीम को तैनात कर दिया गया है।

# प्रदेश कांग्रेस ने भूतपूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** प्रदेश कांग्रेस ने रांची कांग्रेस भवन में भूतपूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ मनमोहन सिंह के कार्यों ने भारत के भविष्य को दिशा दिखाई। डॉ. सिंह भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में एक विशाल व्यक्तित्व थे, जिनके योगदान ने देश को रूपांतरित किया और उन्हें विश्वभर में सम्मान प्राप्त हुआ। वर्ष 1990 के दशक के प्रारंभ में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह भारत के आर्थिक उदारीकरण के शिल्पकार थे। अपनी अद्वितीय दूरदृष्टि के साथ उन्होंने आर्थिक सुधारों की शुरुआत कर न केवल देश को संकट से उबारा, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए द्वार भी खोले। उनके द्वारा किए गए विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने वाले नीतिगत कदमों ने भारत के तेजी से विकास की नींव रखी। उनके नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया, जो उनकी प्रतिभा और दृष्टिकोण का प्रमाण है। भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने देश का नेतृत्व शांति, दृढ़ संकल्प और असाधारण बुद्धिमत्ता के साथ किया। श्रद्धांजलि सभा में ममता देवी, रविन्द्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, शाहजादा अनवर, जय शंकर पाठक, कुमार गौरव, राकेश सिन्हा, सोनाल शांति सहित अन्य कई नेता शामिल थे।

## न्यूज | बॉक्स

### जगन्नाथपुर एमटीएस में कचरा पृथक्करण की जांच की

**रांची।** रांची नगर निगम की टीम ने शनिवार को जगन्नाथपुर इलाके में संचालित एमटीएस में स्वच्छता कॉरपोरेशन के कार्य का निरीक्षण किया। निगम के उप प्रशासक के नेतृत्व में टीम ने एमटीएस में कचरा संग्रहण से जुड़ी गतिविधियों का मुआयना किया एवं अद्यतन स्थिति की जानकारी हासिल की। इसके बाद एमटीएस में गीला व सूखा कचरा के अलग-अलग संग्रहण को लेकर जरूरी निर्देश दिए।

### विद्यार्थियों ने किया मयूराक्षी सिल्क उत्पादन केंद्र का भ्रमण

**रांची।** बिरसा कृषि विवि अंतर्गत रांची एग्रीकल्चर कॉलेज तथा दुमका स्थित रवींद्र नाथ टैगोर एग्रीकल्चर कॉलेज देवघर के विद्यार्थियों ने 15 दिवसीय ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम में भाग लिया। 20 विद्यार्थियों की टीम ने दुमका स्थित मयूराक्षी सिल्क उत्पादन केंद्र दुमका जाकर वहां की कार्यप्रणाली जानी। विद्यार्थियों के साथ क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के डॉ एके साहा भी थे। इस अवसर पर संताल परगना के सेवानिवृत्त सहायक उद्योग निदेशक (रेशम) सुधीर कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को तसर कोकून का उत्पादन, धागा के निर्माण की प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही निर्मित धागा से रेशमी वस्त्र निर्माण करने के तरीके भी बताये।

### राज्य की छवि बेहतर बनाने के लिए सिविक सेंस पर दें ध्यान : आदित्य

**रांची।** फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने राष्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता से विशेष बातचीत के दौरान कहा कि नए साल की शुरूआत नए उमंग, नई संकल्प, शांति, सौहाद्र और सकारात्मक विचार के साथ शुरूआत करनी चाहिए। राज्य की छवि को और बेहतर बनाने के लिए सभी को सिविक सेंस का घ्यान रखना चाहिए। सिविक सेंस के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि सिविक सेंस का मतलब है सामाजिक नैतिकता। यह सिर्फ साफ-सफाई और शिष्टाचार रखने के बारे में नहीं है। इसमें नियमों का पालन करना, सार्वजनिक स्थानों पर शिष्टाचार बनाए रखना और दूसरों के प्रति विचारशील और दयालु होना शामिल है। यह समाज के मानदंडों के लिए एक विचार है। इसमें कानून के प्रति सम्मान और दूसरों की सहजता और भावनाओं के प्रति सम्मान है। सार्वजनिक स्थान में समाज के प्रत्येक सदस्य का अधिकार हैं और उन्हें साफ रखना हमारा कर्तव्य है। सामाजिक नैतिकता का अर्थ दूसरों की निजता और स्वतंत्रता का सम्मान करना भी है। पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए नव वर्ष में एक पेड़ लगाएं।

### डीपीएस के खेल उत्सव में सतलज हाउस चैंपियन

**रांची।** डीपीएस रांची में शनिवार को वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन किया गया। आईपीएस प्रभात कुमार, डीपीएस मथुरा रोड दिल्ली और डीपीएस रांची के पूर्व प्राचार्य डॉ राम सिंह, वर्त्तमान प्राचार्य डॉ आरके झा ने उत्सव का शुभारंभ किया। इसमें विद्यार्थियों ने 100 मीटर, 200, 800, 3000 मीटर, 4100 रिले, जेवलिन, डिस्कस थ्रो, शॉटपुट आदि प्रतियोगिताओं में दमखम दिखाया। सर्वाधिक 439 अंक हासिल कर सतलज हाउस की टीम चैंपियन रही। सर्वश्रेष्ठ हाउस (मार्च पास्ट) सीनियर विंग में चेनाब हाउस और प्राइमरी विंग में सतलज हाउस रहे। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार कक्षावार दिया गया। भारत की संस्कृति को दशार्ती सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश हुए। डॉ राम सिंह ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साहपूर्ण प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को धैर्य एवं संकल्प की दृढ़ता के साथ अपने लक्ष्य को पाने के लिए के लिए प्रोत्साहित किया। प्राचार्य डॉ आरके झा ने भी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

### सुदेश महतो ने मनमोहन सिंह के निधन पर जताया शोक

**रांची।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री व विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन पूरे देश के लिए अपूर्णीय क्षति है। आर्थिक सुधार में उनके अतुलनीय योगदान और कुशल नेतृत्व को देश सदैव याद रखेगा। उनकी सादगी और ईमानदारी हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।

### अस्पताल प्रबंधन के छात्रों ने सेफ एंड सस्टेनेबल हॉस्पिटल कॉन्फ्रेंस में लिया भाग

**रांची।** रिम्स के अस्पताल प्रबंधन विभाग से अस्पताल प्रबंधन में मास्टर्स कर रहे पीजी छात्र-छात्राओं ने नई दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय सेफ एंड सस्टेनेबल हॉस्पिटल (एसएएसएच)-24 कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के उच्चतम संस्थान जैसे एम्स नई दिल्ली, एसजीपीजीआई लखनऊ, केजीएमयू मणिपाल के विशेषज्ञ शामिल थे। रिम्स के छात्रों ने एसएएसएच-2024 में उपस्थित विशेषज्ञों से बातचीत की एवं अस्पताल प्रबंधन से संबंधित कई विषयों का ज्ञान लिया। उन्होंने ने कार्यशाला में इफेक्ट्स ऑफ लीगल एंड रेगुलेटरी बॉडी ऑन ऑटोनॉमी ऑफ ए मेडिकल इंस्टीट्यूट - ए रेस्ट्रोसपेक्टिव स्टडी विषय एक प्रेजेंटेशन भी दिया। इसके अलावा छात्रों द्वारा देश के शीर्ष संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली का भी भ्रमण किया। जहां उन्होंने अस्पताल प्रबंधन के गुर सीखे। भ्रमण के दौरान वे अस्पताल के कंट्रोल रूम, ट्रामा सेंटर, बर्न इमरजेंसी, ओपीडी भी गए और प्रबंधन से संबंधित कई जानकारी प्राप्त की।

# निजी स्कूलों ने आरटीई नियम में संशोधन को निरस्त करने की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** झारखंड के विभिन्न निजी स्कूलों के संगठन की संयुक्त बैठक मोरहाबादी मैदान में शनिवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड निजी स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने की। स्कूल संचालकों ने बैठक में एक स्वर से मांग की है कि 2019 में आरटीई एक्ट में किए गए संशोधन को तत्काल निरस्त किया जाए। देश के विभिन्न राज्यों में स्कूलों को मिल रही मान्यता की तर्ज पर झारखंड में भी संचालित यू डाइस प्राप्त सभी विद्यालयों को मान्यता दिया जाए। बैठक के बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से मिलकर एक मांग पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से कहा कि मध्य विद्यालयों की स्थिति में 0.75 शायरी और 1.00 एकड़ ग्रामीण क्षेत्र के लिए जमीन की बाध्यता समाप्त कराएं और यथास्थिति में मान्यता दिलाएं। विद्यालय द्वारा जमा कराई जा रही सुरक्षित राशि एक लाख और निरीक्षण शुल्क कक्षा 1 से 5 तक के लिए 12,500 और कक्षा 1 से 8 तक के लिए 25000 को समाप्त किया जाए। अन्य मांगों पर भी मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया गया।

बैठक में निजी स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष मो उस्मान, मसूद कच्छी, प्रदेश सचिव तौफीक हुसैन आदि शामिल थे।

इधर, एक दिन पहले रांची में जिला शिक्षा अधीक्षक ने बैठक कर निजी स्कूलों को मान्यता संबंधी दिशा-निर्देश दिया था। निर्देश दिया गया कि अगले दो दिनों के अंदर गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को मान्यता से संबंधित ऑनलाइन आवेदन सरकार की वेबसाइट पर करना होगा। वैसे सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय, जहां किसी भी स्तर पर वर्ग 1 से 8 की पढ़ाई होती है को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधान के अनुरूप अनिवार्य रूप से मान्यता प्राप्त किया जाना है।

# सोनाहातु कस्तूरबा विद्यालय में नामांकन में अनियमितता का आरोप

## डीसी व डीएसई को ज्ञापन सौंप कर जांच कराने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** सोनाहातु प्रखंड अन्तर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन में अनियमितता बरते जाने का आरोप समाजसेवी महादेव महतो ने लगाया है। इस संबंध में श्री महतो ने उपायुक्त, जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रभारी सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, और सिल्ली के विधायक अमित महतो को ज्ञापन सौंपकर उच्च स्तरीय जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उपरोक्त पदाधिकारियों को सौंपे गए ज्ञापन में श्री महतो ने कहा है कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन में अभ्यर्थी को निम्न स्तरीय परिवार से सम्बन्ध रखना अनिवार्य है। साथ ही कच्चे और खपरैल मकान में निवास करने वाली बालिकाओं का चयन में प्राथमिकता दी जाती है। लेकिन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में एक बालिका पिंकी कुमारी, पिता भूषण महतो, निवासी ग्राम- डोमाडीह, पंचायत तेलवाडीह, थाना- सोनाहातु का नामांकन लिया गया है, जिसका चयनित सूची के क्रम संख्या 31 में अंकित है, उक्त बालिका ने अपने

आवासीय स्तर का विवरण नामांकन प्रक्रिया के तहत कच्चे और खपरैल मकान में निवास करने का हवाला दिया है जो कि पूरी तरह से गलत है। वास्तविकता यह है कि उक्त बालिका के पिता का उपरोक्त वर्णित गांव में दो मंजिला पक्का मकान है। इस तरह से उपरोक्त बालिका निम्न स्तरीय आवास से संबंध नहीं रखती है। श्री महतो ने ज्ञापन में कहा है कि मैंने जन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत जनसूचना पदाधिकारी सह प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सोनाहातु, राँची के यहाँ यह सूचना मांगी थी कि उपरोक्त नामित बालिका पिंकी कुमारी ने अपने नामांकन चयन की प्रक्रिया में अपने आवास कच्चा खपरैल बताया है और क्या वह निम्न स्तर से सम्बन्ध रखती है। उपरोक्त सूचना के आलोक में जनसूचना पदाधिकारी सोनाहातु, राँची द्वारा अपने प्रतिउत्तर में बताया गया कि उपरोक्त बालिका के पिता के द्वारा आवासीय प्रमाण व साक्ष्य के रूप में मुखिया एवं वार्ड पार्षद द्वारा अभिप्रमाणित प्रति और घर का फोटो जमा किया गया है जिसके अवलोकन के पश्चात नियमानुसार चयन समिति की बैठक में नामांकन के लिए निर्णय लिया गया।

# पिछड़ा वर्ग के 91 हजार छात्र-छात्राओं के लिए 157 करोड़ कराया जा रहा उपलब्ध : अजय नाथ झा

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा ने कहा है कि प्री मैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक 2023-24 के लिए 39 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी जा चुकी है। यह राशि वर्ष 2024 में दो चुनाव (लोकसभा और विधानसभा) होने के बावजूद दी गई है। इसमें प्री मैट्रिक में छात्रवृत्ति लेने वालों की संख्या 35,09,863 है। वहीं, पोस्ट मैट्रिक में 4,89,765 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिली है। प्री-मैट्रिक के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए भी 18,08,878 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी गई है। कल्याण आयुक्त ने शनिवार को सोशल मीडिया में किए अपने एक पोस्ट में ई-कल्याण छात्रवृत्ति के महत्वपूर्ण तथ्य की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में पिछड़ा वर्ग के लगभग 91,000 छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान अभी किया जाना है। इसके लिए कल्याण मंत्री के अनुमोदन से विभाग द्वारा 157 करोड़ राशि उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है।

उन्होंने लिखा है कि वित्तीय 2022-23 में छात्रवृत्ति की ई-कल्याण पोर्टल पोस्ट मैट्रिक के लिए नहीं खुली थी। इसी तरह प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान भी दिसंबर 2022 में शुरू हुआ। इसके कारण ई-कल्याण एक शैक्षणिक सत्र पीछे हो गया था। वर्ष 2023-24 में और 2024-25 में छात्रवृत्ति वितरण को पूरी तरह नियमित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। अजय नाथ झा ने कहा कि प्री-मैट्रिक के लिए स्कूली शिक्षा विभाग के विद्यालयों से आवेदन प्राप्त होते हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विद्यालयों से 28 लाख आवेदन आए हैं। इसमें से 18,08,878 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिल चुकी है। प्री मैट्रिक के लिए आवंटित राशि कार्यालय को उपलब्ध है। जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 की समाप्ति से पहले और भी जितने आवेदन प्राप्त हों उन सभी का संपूर्ण भुगतान पूरा कर दें। इसके अलावा किसी भी मामले में आवंटन की तत्काल कोई कमी नहीं है।

# मुआवजा दर नहीं बढ़ी तो नहीं देंगे जमीन : रैयत

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** पंडरा से कांके तक फोर लेन सड़क निर्माण के लिए हो रहे भू-अर्जन कार्य का नवासोसो के रैयतों ने विरोध शुरू कर दिया है। जमीन की मुआवजा दर बढ़ाने को लेकर शनिवार को यहां ग्राम सभा की बैठक भी हुई। जिसमें निर्णय लिया गया कि अगर मुआवजा दर नहीं बढ़ा, तो रैयत अपनी जमीन नहीं देंगे। जमीन की मापी करने भी नहीं देंगे। ग्राम प्रधान संजू प्रधान की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुखिया लीला तिर्की, वार्ड सदस्य रेणु देवी, मंजू मुंडा सहित बड़ी संख्या में रैयत मौजूद थे।

**रेट 4.60 लाख रुपये प्रति डिसमिल मांग रहे रैयत**

ग्रामीणों ने कहा कि नवासोसो में जहां जमीन ली जा रही है, वहां

का रेट 4.60 लाख रुपये प्रति डिसमिल होना चाहिए, लेकिन उन्हें 56 हजार रुपये प्रति डिसमिल दिया जा रहा है। जिन रैयतों ने अपनी जमीन का निबंधन आवासीय दर पर कराया है, उनकी जमीन को भी कृषि भूमि मान कर मुआवजा निर्धारित किया गया है।

**रेट तय करने में मनमानी, अब जमीन देने का दबाव**

रैयतों ने कहा कि जिला भू-अर्जन कार्यालय के कर्मियों ने रेट निर्धारण में मनमानी की है। इसकी जानकारी रैयतों को भी नहीं दी गयी थी। अब जाकर उन्हें रेट का पता चल रहा है। रेट तय करने में लापरवाही की गयी है और अब ग्रामीणों पर जमीन देने का दबाव दिया जा रहा है।

**मापी का किया विरोध, लौटना पड़ा कर्मियों को**

शुक्रवार को भू-अर्जन कार्यालय के कर्मी व पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर वहां मापी के लिए गये थे, लेकिन रैयतों ने उन्हें मापी करने नहीं दी। इस कारण बिना मापी के ही कर्मियों को लौटना पड़ा।

### भाजपा से जन-जन को जोड़ना आवश्यक : राकेश

**रांची।** वरीय संवाददाता भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर की ओर से शनिवार को मेन रोड के अलबर्ट एक्का चौक पर शिविर लगाकर संगठन महापर्व सदस्यता अभियान आरंभ किया गया। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सह सदस्यता अभियान संयोजक राकेश प्रसाद ने कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि संगठन में प्रत्येक सदस्य की महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। पार्टी और आगे बढ़े, इसके लिए जन-जन को जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकताओं से कार्यक्रम में विशेष रूप से अपनी ऊर्जा समर्पित करने का आह्वान किया। विधायक सीपी सिंह ने कार्यकताओं के महत्व और कर्तव्यों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी को संगठन और उसके विचार से अवगत कराना होगा। इससे मजबूत समाज का निर्माण होगा।

## पृष्ठ एक के शेष

**एमएमसीएच की अव्यवस्था देख भड़के राज्य...**

डॉ. धर्मेंद्र कुमार ड्यूटी से गायब मिले। सिविल सर्जन भी मौके पर नहीं थे। सुपरिटेंडेंट छुट्टी पर थे। प्रभारी सुपरिंटेंडेंट डॉ संजय कुमार मौके पर थे। वित्त मंत्री अस्पताल परिसर में गंदगी देखकर काफी नाराज हुए। उन्होंने प्रभारी सुपरीटेंडेंट डॉ. संजय को साफ-सफाई का विशेष निर्देश दिया। मरीजों से बातचीत करने पर उन्हें कई कमियां बताई।

**आयुष्मान भारत के तहत नहीं हो...**

नहीं मिल रहा है। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, जिसको जो जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरी करनी होगी अन्यथा उन पर कार्रवाई होगी। पहले दिन चेतावनी देकर सुधार करने का निर्देश दिया गया है। अगली बार कमियां पाए जाने पर सीधे कार्रवाई होगी। वित्त मंत्री ने डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों को ड्यूटी के दौरान यूनिफॉर्म में रहने का निर्देश दिया है, ताकि उनकी पहचान हो सके और मरीजों को लाभ मिल सके।

**छह मेगावाट के फ्लोटिंग पावर से...**

कॉर्पोरेशन के जरिए प्राप्त कर चुके हैं, जो डीवीसी और एनटीपीसी का संयुक्त उद्यम है। यह कार्य जल्दी शुरू होगा, और स्टर्लिंग कंपनी को यह काम सौंपा गया है।ह्न उन्होंने आगे कहा, ह्ययह फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट झारखंड का सबसे बड़ा होगा, क्योंकि 155 मेगावाट का कोई अन्य प्रोजेक्ट राज्य में नहीं है। फ्लोटिंग सोलर पावर के कई फायदे हैं। इससे जलस्तर नियंत्रित रखने में मदद मिलती है और मछुआरों को होने वाले नुकसान की भी चिंता नहीं है, क्योंकि वे अब 'केज फिशिंग' की तकनीक का इस्तेमाल करके मछली पालन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, डीवीसी का यह फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट कोडरमा में स्थापित किया जाएगा, जो डीवीसी का सबसे बड़ा प्लांट होगा। फिलहाल, मेरे पास 500 मेगावाट के दो यूनिट चल रहे हैं, और आठ सौ मेगावाट के दो और यूनिट जुड़ने से कोडरमा में डीवीसी का कुल 1600 मेगावाट का प्रोजेक्ट बन जाएगा। यह ऑर्डर बीसीएल को दे दिया गया है और जनवरी-फरवरी तक इसका काम पूरा होगा।

**एसडीओ की पत्नी की...**

थी। राजू कुमार के मुताबिक 26 दिसंबर को सुबह 8:45 बजे एसडीओ के भाई ने फोन कर कहा कि अनिता जल गई है। यह कहकर फोन काट दिया। फिर मैंने फोन किया तो पता चला कि हजारीबाग के एक अस्पताल से बहन को रेफर कर दिया गया है। उन्हें बोकारो के बीजीएच ले जा रहे हैं। घटना कब हुई, कैसे हुई, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बाद में पता चला कि घटना सुबह सात बजे की है। हमलोग बोकारो पहुंचे तो देखा कि बहन बुरी तरह से झुलस चुकी थी। अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि वह 65 फीसदी तक झुलस गई थी। जहां इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। इधर एसडीओ अशोक कुमार ने कहा कि गुरुवार को पत्नी मॉर्निंग वॉक जाने को तैयार थी। घर में रंग-रोगन का काम चल रहा है। इसलिए मैंने पत्नी को रोका तो वह नाराज हो गई और खुद पर तेल छिड़ककर आग लगा ली। उसे बचाने में मेरे हाथ भी जल गए।

**1 जनवरी को बाबा का शीघ्र दर्शन...**

की अत्यधिक भीड़ देखने को मिलती है। आने वाली भीड़ को देखते हुए देवघर जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन के द्वारा एक जनवरी के दिन शीघ्र दर्शनम कूपन के दर में बढ़ोतरी की गई है। देवघर बाबा मंदिर के मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी एक जनवरी को शीघ्र दर्शनम कूपन के दर में बढ़ोतरी की गई है। क्योंकि नए साल के पहले दिन में हजारों की संख्या में ऐसे श्रद्धालु आते हैं, जो बाबा का दर्शन करना चाहते हैं। इसके अलावा मंदिर के प्रभारी सह जिला के अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार के द्वारा भी मंदिर में व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं। जिससे नए साल पर मंदिर में दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई दिक्कत ना हो। जिला प्रशासन के द्वारा जारी किया गया शीघ्र दर्शनम कूपन का नया दर सिर्फ एक जनवरी के लिए मान्य होगा। उसके बाद फिर से आम दिनों की तरह शीघ्र दर्शनम कूपन का दर 300 रुपए कर दिया जाएगा। मालूम हो कि सावन के समय में भी 600 रुपए शीघ्र दर्शनम कूपन का दर किया गया था। लेकिन सावन के बाद फिर से बाबा का दर्शन करने वाले लोगों के लिए दर 300 रुपए किया गया था। नए वर्ष में मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए एक बार फिर से शीघ्र दर्शनम कूपन के दर में बदलाव किया गया है। बता दें कि शीघ्र दर्शन कूपन कटवाने के बाद लोगों के लिए एक विशेष लाइन बनाई जाती है। जिसमें लोग जल्द से जल्द बाबा का दर्शन कर मंदिर से बाहर निकल पाते हैं।

**डॉ. भारती कश्यप को मिला आईएमए...**

की गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच की जा चुकी है। वर्ष 2024 में उन्होंने कोल्हान प्रमंडल में कुल 3 मेगा हेल्थ चेकअप कैंप लगाए, जिसका लाभ हजारों आदिवासी परिवारों को मिला।

### संजय सेठ ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

**रांची।** नई दिल्ली में देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ सम्मिलित हुए और उन्होंने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

## कांग्रेस मुख्यालय से निकली डॉ सिंह की अंतिम यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लगाया नारा

# जब तक सूरज चांद रहेगा मनमोहन सिंह का नाम रहेगा

- *अंतिम यात्रा में वाहन में साथ मौजूद रहे राहुल गांधी*
- *सोनिया और खड़गे ने कांग्रेस का ध्वज अर्पित कर दी श्रद्धांजलि*

एजेंसी

**नई दिल्ली।** 'जब तक सूरज चांद रहेगा मनमोहन सिंह का नाम रहेगा', जैसे नारों के बीच शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा कांग्रेस मुख्यालय से निकली। इससे पहले शनिवार की सुबह पूरे सम्मान के साथ भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर लेकर कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे, जहां स्वर्गीय मनमोहन सिंह की धर्मपत्नी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का ध्वज अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री का पार्थिव शरीर अंतिम यात्रा के लिए सेना के वाहन पर रखा गया। इस वाहन में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के परिवार के लोगों के साथ मौजूद रहे। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार दिल्ली के निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम संस्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए।

इससे पहले, कांग्रेस मुख्यालय पर डॉ. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, डीके शिवकुमार, अशोक गहलोत, केसी वेणुगोपाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखु, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी समेत कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। तीनों सशस्त्र सेनाओ के अधिकारियों ने पूर्ण सम्मान के साथ पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर को उनकी शव यात्रा के लिए फूलों से सजाए गए वाहन पर रखा। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का बड़ा हुजूम कांग्रेस मुख्यालय के बाहर उमड़ा। कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं द्वारा श्रद्धांजलि दिए जाने के बाद कांग्रेस मुख्यालय से श्मशान घाट के लिए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा शुरू हुई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हुजूम मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर के पीछे-पीछे चलता रहा। कांग्रेस कार्यकर्ता 'मनमोहन सिंह अमर रहें' के नारे लगाते रहे।

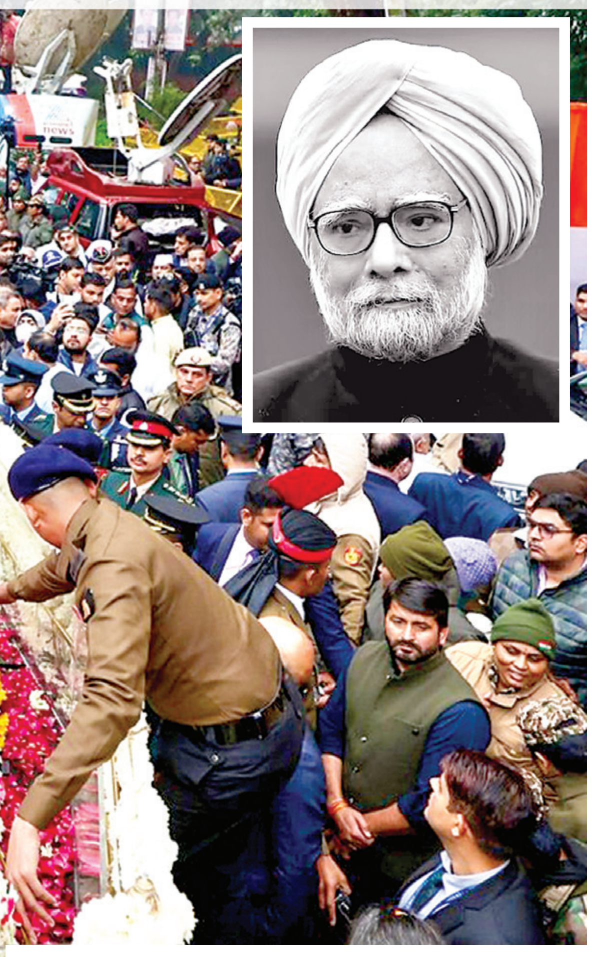

## राहुल ने कहा, निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार मनमोहन सिंह का अपमान

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का शनिवार को दिल्ली के निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई बड़े नेता मौजूद थे। अंतिम संस्कार के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निगमबोध घाट पर उनके अंतिम संस्कार को पूर्व पीएम का अपमान बताया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार आज निगमबोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया गया है। कांग्रेस नेता ने लिखा कि मनमोहन सिंह एक दशक के लिए देश के प्रधानमंत्री रहे। उनके दौर में देश आर्थिक महाशक्ति बना और उनकी नीतियां आज भी देश के गरीब और पिछड़े वर्गों का सहारा हैं। आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए हैं, ताकि आम लोग बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाएं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि डॉ मनमोहन सिंह 'हमारे सर्वोच्च सम्मान और समाधि स्थल के हकदार' हैं। सरकार को देश के इस महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था।

डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए राहुल गांधी ने कहा, आज डॉ मनमोहन सिंह को अंतिम विदाई दी। डॉ मनमोहन सिंह की विनम्रता, मार्गदर्शन और देश के लिए उनका योगदान इतिहास के पन्नों में सदा जीवित रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी को देश और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से आखिरी सलाम।

## मनमोहन सिंह का योगदान अमूल्य : जो बाइडेन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

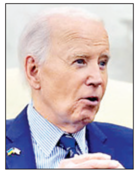

व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया है, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर भारत के लोगों के दुख में मैं और जिल शामिल हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने आगे कहा कि आज भारत और अमेरिका के बीच जो अभूतपूर्व स्तर का सहयोग है, वह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के रणनीतिक विजन और राजनीतिक साहस के बिना संभव नहीं होता। अमेरिका-भारत नागरिक परमाणु समझौता बनाने से लेकर, इंडो-पैसिफिक साझेदारों के बीच पहले क्वाड की शुरूआत करने तक, उन्होंने ऐसा खाका तैयार किया, जिसने दोनों देशों के रिश्तों को सशक्त किया और भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारे देशों और दुनिया को मजबूती प्रदान करना जारी रखेगा। वह एक सच्चे राजनेता, समर्पित सार्वजनिक सेवक और सबसे बढ़कर, एक दयालु और विनम्र व्यक्ति थे।

जो बाइडेन ने कहा, मुझे 2008 में सीनेट फॉरेन रिलेशंस कमेटी के चेयरमैन के तौर पर और उप राष्ट्रपति के तौर पर 2009 में हुई अमेरिकी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री सिंह से मिलने का मुझे मौका मिला था। उन्होंने 2013 में नई दिल्ली में भी मेरी मेजबानी की थी। जैसा कि हमने तब चर्चा की थी, अमेरिका-भारत संबंध दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है और साथ मिलकर, साझेदारों और मित्र के रूप में, हमारे राष्ट्र हमारे लोगों के लिए गरिमापूर्ण और असीमित संभावनाओं के द्वार खोल सकते हैं।

बाइडेन ने आगे कहा, इस कठिन समय में, हम उस विजन को फिर से अपनाते हैं, जिसे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने जीवन को समर्पित किया। जिल और मैं पूर्व प्रथम महिला गुरशरण कौर उनके तीन बच्चों और भारत के सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया था, वो 92 साल के थे। गुरुवार की शाम तबीयत बिगड़ने पर उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था, जहां रात करीब 10 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। मनमोहन सिंह लगातार दो कार्यकाल के लिए 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। नब्बे के दशक की शुरूआती में दम तोड़ती भारतीय अर्थव्यवस्था को वित्त मंत्री के रूप में डॉ सिंह ने आर्थिक सुधारों के जरिए नया जीवन दिया।

## मनमोहन सिंह के निधन से पाकिस्तान में उनके पैतृक गांव 'गाह' में भी लोग दुखी

ब्यूरो

**नई दिल्ली।** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से पाकिस्तान में उनका पैतृक गांव 'गाह' में भी बहुत दुखी है। उनके गांव के लोग डॉक्टर साहब के लिए अंतिम दुआ करने के लिए इकट्ठा हुए। वे राजा मोहम्मद अली के घर पर मिले। उन्होंने मनमोहन सिंह को उस समय देखा था, जब भारत विभाजन के पहले वे चकवाल जिले के इस गांव से एक छोटे बच्चे के तौर पर निकले। दोनों पक्षों की यही पीड़ा था कि सिंह फिर से यहां की यात्रा नहीं कर सके।

मनमोहन सिंह ने एक बार कहा था कि 'गाह' से जुड़ी विभाजन की बहुत सारी दर्दनाक यादें उनके पास हैं। उनके बचपन के दोस्त और सहपाठी अली ने 2008 में मनमोहन सिंह से मुलाकात की थी। हालांकि, 'गाह' के लिए सिंह से इसके जुड़ाव के संकेत हर जगह हैं। जैसा कि अली के भतीजे आशिक हुसैन ने दुआ समारोह में कहा, अगर डॉ. साहब नहीं होते, तो हमारे गांव में दो लेन वाली सड़क, हाई स्कूल और सोलर एनर्जी भी नहीं होते। पूरा गांव अफसोस का इजहार कर रहा है जैसे कोई घर का बड़ा चला गया हो। एक अन्य व्यक्ति इबरार अख्तर जंजुआ ने कहा, उन्होंने हमारे लिए बहुत कुछ किया, हमारी इच्छा थी कि वह कम से कम एक बार अपने गांव आएं। लेकिन वह इच्छा पूरी नहीं हुई।

● तत्कालीन राष्ट्रपति मुशर्रफ के आदेश पर इसे मॉडल गांव के तौर पर विकसित किया गया था

आशिक ने अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि अली, मनमोहन सिंह के बारे में बहुत सारी कहानियां सुनाया करते थे, खास तौर पर वे कितने पढ़ने-लिखने वाले थे, यह एक ऐसी बात है जो पूर्व प्रधानमंत्री के बारे में बातचीत में अक्सर सामने आती है। जब वे दिल्ली में मिले, तो डॉ साहब ने अपनी पत्नी गुरशरण कौर को बताया कि गांव में जब वे पेड़ों से पत्थर मारकर जामुन तोड़ते थे, मेरे चाचा सब जामुन खा जाते थे। आशिक ने बताया कि जब अली का निधन हुआ, तो भारतीय हाई कमीशन से एक शोक पत्र आया था। इसमें मनमोहन सिंह का एक संदेश भी आया था।

'गाह' में जन्मे मनमोहन सिंह ने स्थानीय सरकारी स्कूल में एडमिशन लेने से पहले एक स्थानीय गुरुद्वारे में उर्दू व पंजाबी की शिक्षा ली थी। बाद में अपने पिता गुरमुख सिंह के साथ पेशावर चले जाने के बाद उन्होंने खालसा स्कूल में पढ़ाई की। विभाजन के दंगों के दौरान अपने दादा संत सिंह को खोने के सदमे के बाद परिवार 1947 में भारत आ गया।

मनमोहन सिंह की बेटी दमन सिंह ने अपनी किताब स्ट्रिक्टली पर्सनल मनमोहन एंड गुरशरण में बताया था कि कैसे सिंह विभाजन के दंगों के दौरान अपने दादा की हत्या के दर्द से कभी उबर नहीं पाए। किताब के अनुसार, जब उनकी दूसरी बेटी किकी ने पूछा कि क्या वह कभी 'गाह' लौटना चाहेंगे, तो उन्होंने विनम्रता से जवाब दिया, नहीं, वास्तव में नहीं। यहीं पर मेरे दादा की हत्या हुई थी। हालांकि, 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के आखिर में उन्होंने पाकिस्तान में अपने जन्म स्थान की यात्रा करने की इच्छा जाहिर की थी, लेकिन जब हालात सामान्य हों। लेकिन ऐसा कभी भी हो नहीं पाया।

जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने और 'गाह' से उनके संबंध जगजाहिर हुए, तो स्थानीय सरकार ने तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के आदेश पर इसे मॉडल गांव के तौर पर विकसित करने की कसम खाई। सड़कें, एक स्वास्थ्य केंद्र, एक सरकारी हाई स्कूल और उसके बाद स्ट्रीट लाइट, गांव की मस्जिदों में सोलर एनर्जी से चलने वाले वाटर हीटर, कंप्यूटर और सरकारी स्कूल के लिए फर्नीचर बनाया गया। पाकिस्तान सरकार ने यह भी घोषणा की कि वह सिंह के स्कूल का नाम बदलकर उनके नाम पर रखेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उस गांव के प्राइमरी स्कूल के वर्तमान प्रधानाध्यापक अल्ताफ हुसैन ने द इंडियन एक्सप्रेस को फोन पर बताया कि जब से सिंह भारत के वजीर-ए-आजम बने हैं, तब से वे 'गाह' के लोगों की प्रार्थनाओं में शामिल हैं। अल्ताफ ने कहा कि यह केवल उनकी वजह से ही संभव हो पाया कि पाकिस्तान सरकार ने भी गांव पर ध्यान दिया। 'गाह' के लोगों के लिए यह एक बड़ा पल था, जब हमें यहां से 30 किलोमीटर दूर चकवाल शहर तक पक्की सड़क मिल गई। पहले यह अकेले ही एक बड़ा काम था। गाह को आदर्श गांव घोषित किए जाने के बाद, लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए एक हाई स्कूल भी खोला गया।

*पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर को नई दिल्ली स्थित निगमबोध घाट पर हुए अंतिम संस्कार में शामिल हुईं।*

**अंतिम संस्कार से पहले तीनों सेनाओं के प्रमुख व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सलामी दी। पीएम मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री और जाने-माने अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। निगमबोध घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर की तीनों सशस्त्र बलों के अधिकारियों ने मिलिट्री बैंड के साथ अगुवाई की। भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों ने यहां पूर्व प्रधानमंत्री को सलामी दी।**

## सुबोधकांत सहाय समेत कई हस्तियों ने मनमोहन सिंह को किया नमन

**नई दिल्ली।** पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके साथ जिन्होंने काम किया या अच्छा खासा वक्त बिताया वो डॉ सिंह की विनम्रता के कायल हैं। कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय, राबर्ट वाड्रा और राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने डॉ. मनमोहन सिंह को नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय ने कहा, मेरा उनका साथ बहुत पुराना है। उनके लिए कहा जाता था कि वह बहुत कम बोलना पसंद करते थे। लेकिन, वह जितना बोलते थे, वह बड़ा नपातुला बोलते थे। वह किसी भी मुद्दे का समाधान बहुत ही साफ तरीके से करते थे। उनका व्यक्तित्व बहुत अच्छा था। उनसे कभी अकेले में बात करते तो उनसे बात करके आप मंत्रमुग्ध हो जाते। उनका जाना देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

रॉबर्ट वाड्रा ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा, ₹पूरे देश में शोक की लहर है। देश ने एक ऐसे प्रधानमंत्री को खो दिया गया, जिन्होंने आर्थिक और वित्तीय मामलों में महत्वपूर्ण मदद की थी। वह प्रधानमंत्री जिस तरह से कार्य कर रहे थे, वह निश्चित रूप से सरकार के अन्य अधिकारियों से

कहीं बेहतर थे। लोग खुश थे, उन्हें कोई डर नहीं था, और अर्थव्यवस्था भी अच्छा कर रही थी। वित्तीय स्थिति भी मजबूत थी, एजेंसियों का गलत इस्तेमाल नहीं हो रहा था और धार्मिक मुद्दे भी नहीं थे। मुझे लगता है कि देश को निश्चित रूप से डॉ. मनमोहन सिंह की कमी महसूस होगी। हम उन्हें याद करेंगे और उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, पूरी गांधी परिवार और कांग्रेस के तमाम नेताओं ने कहा है कि उन्हें यह उन्हें राजघाट में समाधि स्थल मिलना चाहिए, लेकिन इस सरकार ने यह नहीं दिया, जो गलत है। वे दस साल तक प्रधानमंत्री रहे और उन्हें उचित स्थान मिलना चाहिए था, लेकिन इस सरकार ने मना किया, जो गलत है। हम उनके लिए जरूर लड़ते रहेंगे। राजनीति इसमें नहीं होनी चाहिए। इसमें राजनीति का कोई स्थान नहीं है। वह 10 साल तक प्रधानमंत्री रहे और उन्होंने देश की प्रगति के लिए बहुत काम किया। वह हमेशा सभी दलों के साथ थे और पार्टी लाइन्स से ऊपर उठकर उन्होंने सभी दलों से सलाह ली, जब भी कोई कदम उठाया देश के हित में। इसलिए, देश की जनता चाहती है कि उनके लिए सही सम्मान मिले और उचित स्थान दिया जाए। उन्हें भारत रत्न भी मिलना चाहिए। देश उन्हें हमेशा याद करेगा, क्योंकि उनके समय में देश में बहुत प्रगति हुई। जब वे 10 साल तक प्रधानमंत्री रहे, तो यह उनका हक है कि उन्हें उचित सम्मान और स्थान मिले।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने डॉ. मनमोहन सिंह को शत-शत प्रणाम किया। उन्होंने कहा, मैंने उनके अधीन काम किया है और आप जानते हैं कि उन्होंने 1991 में भारत के आर्थिक इतिहास को एक नई दिशा दी। मेरा उनके प्रति शत-शत प्रणाम।

## मनमोहन सिंह ने नरसिम्हा राव के नेतृत्व में शानदार आर्थिक नीतियां बनाईं : मनोहर राव

**नई दिल्ली।** देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके निधन पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के भाई मनोहर राव ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि कैसे 90 के दशक में उनके भाई पीवी नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्री रहते डॉ मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाकर उन्हें फ्री हैंड दिया गया, जिसके चलते उन्होंने देश के विकास में अतुलनीय योगदान दिया। देश के 10 साल प्रधानमंत्री रहे और कांग्रेस के सीनियर नेता डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर मुझे बहुत दुख हुआ है। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी सहानुभूति है। जैसे प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने देश की सेवा करते हुए मनमोहन सिंह को अपनी कैबिनेट में जगह दी और मंत्री बनाया, उसके बाद दोनों ने मिलकर देश को आर्थिक दृष्टि से बहुत मजबूत किया।

## पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का जाना देश के लिए बहुत बड़ी क्षति : दया शंकर सिंह

**लखनऊ।** देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर उत्तर प्रदेश सरकार में परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि वह भारत में आर्थिक सुधार के लिए जाने जाते हैं। उनकी सादगी को पूरी दुनिया में सभी लोग पसंद करते हैं। ऐसे व्यक्तित्व का चले जाना देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की मृत्यु से देश को बहुत बड़ी क्षति हुई है। वह अपने पूरे जीवनकाल में आरबीआई गवर्नर, देश के वित्तमंत्री, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और प्रधानमंत्री रहे। वह भारत में आर्थिक सुधार के लिए जाने जाते हैं। उनकी सादगी को पूरी दुनिया में सभी लोग पसंद करते हैं। ऐसे व्यक्तित्व का चले जाना देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है।